रायपुर, लखनऊ और नई दिल्ली से प्रकाशित

पायनियर

हमेशा सच के साथ

रायपुर, बुधवार 27 नवम्बर 2024

संविधान दिवस के अवसर पर संगोष्ठी कार्यक्रम

हमारा संविधान भाव एवं रेखांकन और संविधान की जन्म कथा इन दोनों पुस्तकों के लेखक, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के वरिष्ठ प्रचारक श्री लक्ष्मीनारायण भाला (लक्खी दा) के सानिध्य में संविधान दिवस के अवसर पर संगोष्ठी कार्यक्रम

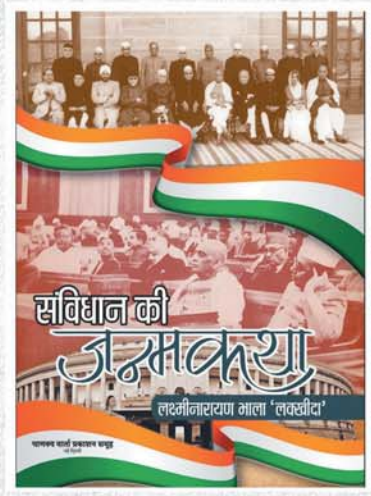

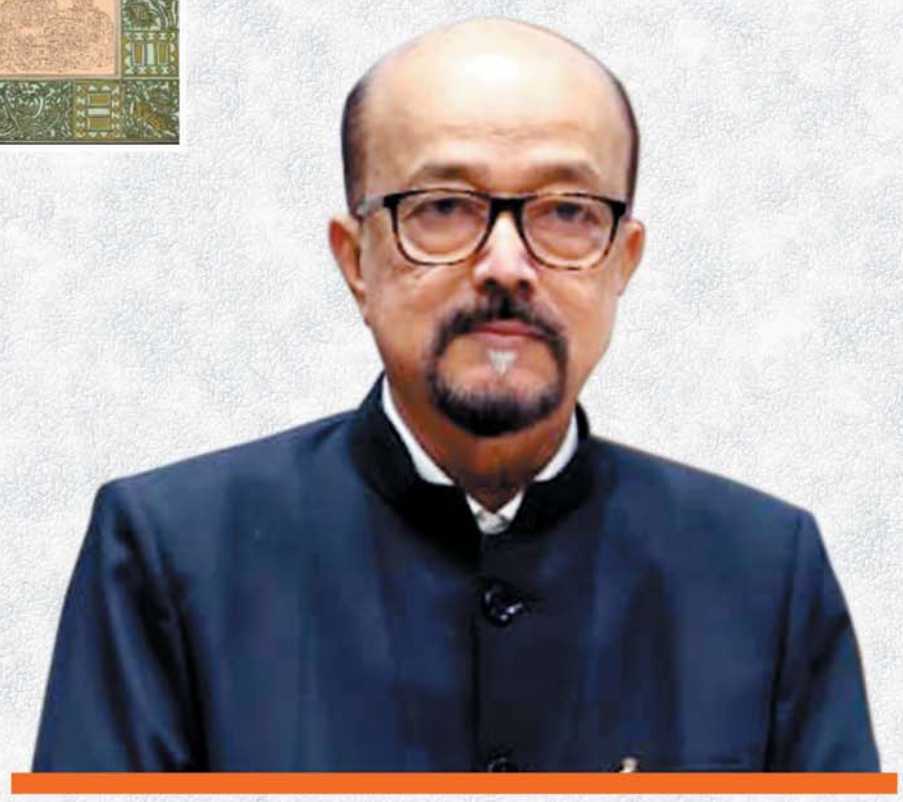

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि

महामहिम श्री रमेन डेका जी

मान. राज्यपाल, छत्तीसगढ़

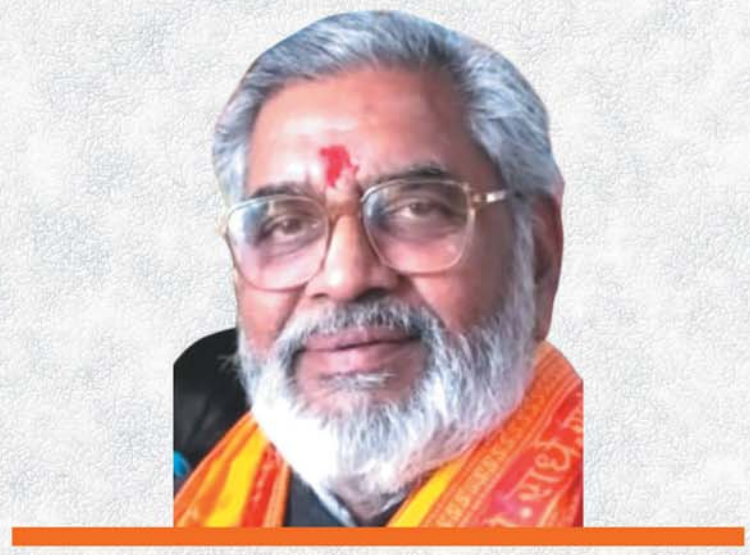

मुख्य वक्ता

श्री लक्ष्मीनारायण भाला जी

दोनों पुस्तकों के लेखक

वरिष्ठ प्रचारक,राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ

अतिविशिष्ट अतिथि

मान. श्री अरूण साव जी

उप मुख्यमंत्री, छ.ग.शासन

विशिष्ट अतिथि

मान. श्री श्यामबिहारी जायसवाल जी

स्वास्थ्य परिवार कल्याण एवं

चिकित्सा शिक्षा मंत्री, छ.ग.शासन

दिनांक : 27 नवम्बर 2024 (बुधवार) | समय : शाम 5:00 बजे | स्थान : 6 फ्लोर, आडिटोरियम, श्रीबालाजी मेडिकल कॉलेज, मोवा, रायपुर

इस भव्य कार्यक्रम के आयोजक

डॉ. देवेंद्र नायक

चेयरमैन

श्री बालाजी ग्रुप ऑफ़ हॉस्पिटल्स एंड कॉलेजेस

रायपुर (छ.ग.) मो : 9826123316

श्री धनीराम पटेल

अधिवक्ता उच्च न्यायालय,

बिलासपुर (छ.ग.) मो : 9827184568

रेलवे लाईन के विस्तार से प्रदेश के नागरिकों को सुविधा और पर्यटन को मिलेगा प्रोत्साहन: यादव

पायनियर संवाददाता ◄ भोपाल
www.dailypioneer.com

मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्रीय कैबिनेट द्वारा रेल मंत्रालय की 7 हजार 927 करोड़ रुपये लागत की 3 मल्टी ट्रैकिंग परियोजनाओं को मंजूरी प्रदान करने पर प्रधानमंत्री मोदी और केन्द्रीय कैबिनेट का आभार व्यक्त किया है। आधिकारिक जानकारी के अनुसार डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के कुशल नेतृत्व में प्रदेश में रेलवे के बढ़ते नेटवर्क से प्रदेश विकास पथ पर तीव्र गति से अग्रसर है, प्रदेशवासियों के लिए आवागमन भी तीव्र गति से सुगम हुआ है।
प्रदेश को मिल रही नित नई सौगातों के लिए प्रदेशवासी प्रधानमंत्री मोदी और रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव के आभारी हैं। उन्होंने कहा कि रेल लाइन के विस्तार से धार्मिक, सांस्कृतिक एवं इको पर्यटन को प्रोत्साहन मिलेगा। इस पहल से प्रदेश में ओंकारेश्वर ज्योतिर्लिंग (खंडवा), खजुराहो यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल, असीरगढ़ किला और रीवा किला जैसे विभिन्न आकर्षणों तक बेहतर पहुंच सुनिश्चित होगी, जिससे श्रद्धालुओं और पर्यटकों को सुविधा मिलेगी। उल्लेखनीय है कि केंद्रीय मंत्री-मंडल ने रेल मंत्रालय की 3 परियोजनाओं को मंजूरी दी, जिनकी लागत 7 हजार 927 करोड़ रुपये है। इनमें जलगांव-मनमाड चौथी लाइन (160 किमी), भुसावल-खंडवा तीसरी और चौथी लाइन (131 किमी) तथा प्रयागराज (इरादतगंज) मानिकपुर तीसरी लाइन (84 किमी) शामिल हैं। ये परियोजनाएँ 3 राज्यों अर्थात महाराष्ट्र, मध्यप्रदेश और उत्तरप्रदेश के 7 जिलों को कवर करेंगी। इससे भारतीय रेलवे के मौजूदा नेटवर्क में लगभग 639 किलोमीटर की वृद्धि होगी।

निर्माण अवधि के दौरान लगभग एक लाख मानव-दिनों के लिए प्रत्यक्ष रोजगार उत्पन्न होंगे। इससे कोयला परिवहन और यात्री ट्रेनों के लिए निर्बाध कनेक्टिविटी सुनिश्चित होगी और मालगाड़ी के यात्रा समय में कमी करने में भी मदद मिलेगी। स्वीकृत परियोजना खंडवा और चित्रकूट जैसे 2 आकांक्षी जिलों में कनेक्टिविटी बढ़ाएगी, जिससे लगभग एक हजार 319 गांवों और लगभग 38 लाख आबादी को सेवा मिलेगी। मुंबई-प्रयागराज-वाराणसी रूट पर अतिरिक्त यात्री ट्रेनों के संचालन को सक्षम करके कनेक्टिविटी को बढ़ाएगा।

नासिक (त्र्यंबकेश्वर) और वाराणसी (काशी विश्वनाथ) के ज्योतिर्लिंग के साथ प्रयागराज, चित्रकूट, गया और शिरडी जैसे धार्मिक स्थलों की यात्रा करने वाले तीर्थयात्रियों को लाभ होगा। अजंता और एलोरा गुफाएँ यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल, देवगिरी किला, यावल वन्यजीव अभयारण्य, केवटी फॉल्स और पुरवा फॉल्स आदि जैसे विभिन्न आकर्षणों तक बेहतर पहुँच के माध्यम से प्रकृति प्रेमियों और इतिहास में रूचि रखने वाले पर्यटकों को भी सुविधा होगी और पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा।

संविधान को लेकर पूर्ववर्ती सरकारों ने कीं गलतियां : जामवाल

भोपाल। भारतीय जनता पार्टी के क्षेत्रीय संगठन महामंत्री अजय जामवाल ने कहा कि संविधान को लेकर पूर्ववर्ती केंद्र सरकारों ने जो गलतियां की हैं, उन्हें मौजूदा नरेंद्र मोदी सरकार धीरे धीरे सुधारकर संविधान को देश के अनुकूल बनाने के प्रयास कर रही है। जामवाल ने यहां प्रदेश भाजपा कार्यालय में 'संविधान दिवस' पर आयोजित संगोष्ठी को संबोधित किया।

उन्होंने संविधान दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि पूर्ववर्ती सरकारों ने संविधान में जो गलतियां की थीं, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी धीरे-धीरे उन्हें सुधार रहे हैं और संविधान को देश के अनुकूल बनाने का प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि कांग्रेस ने हमेशा संविधान को 'किताब' माना, परंतु भाजपा ने 'ग्रंथ' मानकर सम्मान किया है। कांग्रेस ने 90 बार संविधान का दुरुपयोग कर लोकतंत्र की हत्या की है। जामवाल ने कहा कि धारा-370 और 35 ए इस देश के अनुकूल नहीं थीं, केंद्र की मोदी सरकार ने संवैधानिक तरीके से उन्हें हटा दिया। इसी तरह महिला सशक्तीकरण की सिर्फबातें होती थीं, लेकिन मोदी ने नारीशक्ति वंदन अधिनियम में 33 प्रतिशत आरक्षण का प्रावधान करके उसे साकार कर दिया। हमारा देश संविधान के मार्गदर्शन में निरंतर आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी का संकल्प है कि वर्ष 2047 में जब हमारी आजादी को 100 साल पूरे होंगे, तब तक भारत एक विकसित देश बने। आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक रूप से दुनिया का नंबर-1 देश बने। लेकिन इसके लिए जरूरी है कि देश में हर जगह हमारा नेतृत्व हो।

बिहार में शराब से 156 की मौत, सरकार ने माफियाओं पर की सख्त कार्रवाई

एजेंसी ◄ पटना
www.dailypioneer.com

बिहार के मंत्री श्रवण कुमार ने विधानसभा में कहा कि राज्य में वर्ष 2016 से अब तक शराब पीने से 156 लोगों की मौत हुई वहीं सरकार शराब माफियाओं के खिलाफ सख्त कार्रवाई कर रही है। कुमार ने विधानसभा में रामानुज प्रसाद के अल्पसूचित प्रश्न के अनुपूरक के उत्तर में हस्तक्षेप करते हुए कहा कि शराबबंदी कानून का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने कहा कि दोषी व्यक्तियों को सलाखों के पीछे डालने के अलावा उनकी संपत्ति भी जब्त की जा रही है।

मंत्री ने कहा कि सरकार उन लोगों के पुनर्वास पर भी ध्यान केंद्रित कर रही है जिन्होंने शराब बनाने और बेचने का काम किया है। इसके लिए ऐसे प्रत्येक परिवार को दो लाख रुपये दिए जा रहे हैं, जिसमें गरीब परिवार भी शामिल है। इस पर नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी प्रसाद यादव ने मंत्री से पूछा कि मृतकों की संख्या पूरे राज्य की है या तीन जिलों की है। यादव के सवाल का जवाब देते हुए कुमार ने कहा कि अगर कोई विसंगति होगी तो आंकड़े को दुरुस्त कर दिया जाएगा। यादव ने आरोप लगाया कि ताकतवर शराब माफियाओं के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की जा रही है और शराब से लदे ट्रकों और अन्य वाहनों को ले जाया जा रहा है। उन्होंने इस तरह की गतिविधियों में पुलिस की मिलीभगत को भी जिम्मेदार ठहराया। कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार द्वारा शराबबंदी कानून के क्रियान्वयन पर नियमित समीक्षा बैठकों के बाद भी ताकतवर माफियाओं के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की गई। इससे पहले सदन की कार्यवाही शुरू होने पर हाल ही में संपन्न हुए उपचुनाव में तरारी विधानसभा सीट से नवनिर्वाचित भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) विधायक विशाल प्रशांत को सदन में शपथ दिलाई गई।

जीजेएम ने फिर से अलग राज्य की मांग को लेकर की बैठक

एजेंसी ◄ दार्जिलिंग
www.dailypioneer.com

गोरखा जन्मुक्ति मोर्चा (जीजेएम) ने एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की, जिसमें अलग राज्य की मांग को लेकर चर्चा की गई। इस बैठक में पार्टी के वरिष्ठ नेताओं ने भाग लिया और आगामी दिनों में पार्टी की रणनीति पर चर्चा की। बैठक में शामिल होने वाले प्रमुख नेताओं में जीजेएम के संस्थापक अध्यक्ष बिमल गुरुङ, केंद्रीय उपाध्यक्ष आरपी वाइबा, केंद्रीय प्रवक्ता किशोर भारती, सांगठनिक सचिव दिपेन मालेको, ट्रेड यूनियन अध्यक्ष सुरज सुब्बा, केंद्रीय युवा मोर्चा अध्यक्ष नोमन राई, टकबर समष्टि सभासद सुरज राई और दार्जिलिंग युवा मोर्चा अध्यक्ष सोभित राई शामिल थे। पार्टी सूत्रों ने वर्तमान स्थिति में पहाड़ में फि दोबारा सा जीजेएम की ओर से अलग राज्य की मांग को लेकर आज की बैठक में मुख्य रूप से चर्चा होने की जानकारी दी है। पार्टी ने अपने समर्थकों से अपील की है कि वे एकजुट होकर पार्टी के उद्देश्यों को पूरा करने में मदद करें। बिमल गुरुङ ने कहा कि पार्टी अलग राज्य की मांग को लेकर प्रतिबद्ध है और इस मुद्दे पर चर्चा करने के लिए बैठक आयोजित की गई है। उन्होंने कहा कि पार्टी अपने समर्थकों से अपील करती है कि वे एकजुट होकर पार्टी के उद्देश्यों को पूरा करने में मदद करें।

'दिल्ली कूच' की चौथी वर्षगांठ पर किसानों ने घेरा लघु सचिवालय

पायनियर संवाददाता ◄ सिरसा
www.dailypioneer.com

संयुक्त किसान मोर्चा, मजदूर संगठन व कर्मचारी संगठनों की तरफ से संयुक्त किसान मोर्चा के 'दिल्ली कूच' की चौथी वर्षगांठ के अवसर पर हरियाणा के सिरसा जिला मुख्यालय पर धरना दिया गया। किसानों मजदूरों की पिछले आन्दोलन के समझौते की वादाखिलाफी के खिलाफ व मौजूदा समस्याओं के बाबत उनका समाधान करने के लिए सरकार को राष्ट्रपति के माध्यम से चेतावनी पत्र भेजा गया। इस अवसर पर डा. सुखदेव जम्मू ने कहा कि केंद्र सरकार कहती है कि सिर्फ हरियाणा व पंजाब के किसान एमएसपी लेने की बात करते हैं और देश के दूसरे भागों से किसान बोल ही नहीं रहे। इसी के जवाब में सरकार को आगाह करने के लिए देश भर के जिला मुख्यालयों पर प्रदर्शन होगा। उन्होंने कहा कि सरकार किसानों की लंबित मांगों को तुरंत मानें। अन्यथा, किसान मजदूर संयुक्त मोर्चा 26 नवंबर के बाद तुरंत कोई बैठक कर आंदोलन चलाने पर मजबूर होगा, जिसकी जिम्मेदारी सरकार व प्रशासन की होगी। कामरेड स्वर्ण सिंह विर्क ने कहा कि किसानों की प्रमुख मांगों में फसलों का भाव एमएसपी देकर खरीद की गारंटी कानून बनाया जाए। किसान व मजदूरों का कर्ज बिना शर्त माफ किया जाए। जब पूंजीपतियों का 17 लाख करोड़ रुपए तक माफकिए जाते हैं तो किसानों के क्यों नहीं? बिजली संशोधन विधेयक 2020 वापिस लिया जाए। लखीमपुर-खीरी के किसानों के हत्यारों को सजा दी जाए, सरकार दोषियों को तुरंत गिरफ्तार करे। बीटी कॉटन का हरियाणा पंजाब व राजस्थान में 46 प्रतिशत एरिया कम हो गया है। इसके दुष्परिणामों के कारण किसान आत्महत्याएं कर रहे हैं। इसलिए किसान जीएम बीजों का विरोध करते हैं। भूमि अधिग्रहण विधेयक 2021 रद्द करके 2013 का कानून लागू किया जाए। खराब हुई फसलों का मुआवजा तुरंत दिया जाए। मेरी फसल मेरा ब्योरा पोर्टल नीति को बन्द किया जाए। किसानों पर पराली जलाने पर मुकदमे दर्ज किए हैं, उनको वापस लिया जाए। किसानों को खाद और बीज उपलब्ध कराने के पूरे प्रबंध किए जाएं। धरना स्थल पर जनसभा को विभिन्न संगठनों के हमजिन्दर सिद्धू, बाबा रघुबीर सिंह नकौड़ा, प्रितपाल सिंह सिद्धू, सुखबीर सिंह, प्रमिला देवी, राज कुमार शेखुपुरिया, भरत सिंह ने भी संबोधित किया।

भू-कानून उल्लंघन करने वालों से स्थानीय लोग न खरीदें जमीन, चेतावनी जारी

देहरादून। उत्तराखंड राज्य में मौजूदा भू-कानून के उल्लंघन से जुड़े मामलों में जिला प्रशासन स्तर से लगातार कार्रवाई जारी है। इन कार्रवाई के मध्य, राज्य से बाहर के लोग, जिन्होंने पूर्व में भू-कानून का उल्लंघन कर जमीनें खरीदी हैं, वे अब इन जमीनों को राज्य के लोगों को ही बेच रहे हैं। राज्य के अपर सचिव, राजस्व ने इसलिए स्थानीय जनता से अपील की कि ऐसे लोगों से किसी भी तरह से जमीन का सौदा न करें। ताकि, भविष्य में उन्हें किसी भी तरह का कोई वित्तीय नुकसान न हो। अपर सचिव ने स्पष्ट किया है कि यदि राज्य से बाहर के किसी व्यक्ति ने भू-कानून उल्लंघन कर राज्य में जमीन खरीदी है तो उन प्रकरण में भू-कानून के स्पष्ट प्रावधानों के तहत कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि यदि ऐसे व्यक्ति द्वारा बाद में जमीन राज्य के निवासियों को बेच भी दी जाती है, तो भी राज्य से बाहर का व्यक्ति भू-कानून का उल्लंघन के मामलों में कार्रवाई से बच नहीं सकता। ऐसे उल्लंघन पर कार्रवाई तय है। उन्होंने कहा कि जिला स्तर पर जिलाधिकारी को भी जमीनों की रजिस्ट्री में इस बात पर सतर्कता बरतने को कहा गया है कि भू-कानून के उल्लंघन से जुड़े लोग उन्हीं जमीनों को राज्य के निवासियों को तो बेच कर नुकसान न पहुंचा पाएं।

संतों पर अपमानजनक टिप्पणी करने वाले व्यक्ति के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज

पायनियर संवाददाता ◄ जालंधर
www.dailypioneer.com

पंजाब में जालंधर ग्रामीण पुलिस ने एक वायरल वीडियो में कथित रूप से पूज्य संतों के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी करने वाले एक व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज किया है। आरोपी की पहचान संजीव कुमार उर्फ बंटी, पुत्र मक्खन राम, गांव पट्टी खालसा, पुलिस स्टेशन गोराया, जिला जालंधर के रूप में हुई है। वह वर्तमान में इटली में रह रहा है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक हरकमल प्रीत सिंह खख ने कहा कि धार्मिक उकसावे की घटनाओं पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

पंजाब में अंतरराष्ट्रीय ड्रग तस्कर गिरफ्तार 7.80 करोड़ की संपत्ति जब्त

चंडीगढ़। पंजाब पुलिस के महानिदेशक गौरव यादव ने बताया कि पुलिस ने ड्रग तस्कर गुरदीप सिंह उर्फ राणो सरपंच की अवैध तरीकों से अर्जित उसकी 7.80 करोड़ रुपये की संपत्ति जब्त कर ली है। यादव ने बताया कि पुलिस ने ड्रग तस्कर गुरदीप सिंह उर्फ राणो सरपंच को अंतरराष्ट्रीय तस्करों से संबंधों के कारण 25 नवंबर, 2024 को हिरासत में लिया था। उन्होंने बताया कि उसे सख्त निगरानी के लिये सेंट्रल जेल, कपूरथला से सेंट्रल जेल, बठिंडा में स्थानांतरित कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि गुरदीप सिंह एक आदतन अपराधी है और उसके खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत सात मामले दर्ज हैं। वह पाकिस्तानी तस्करों के साथ सीमा पार ड्रग तस्करी नेटवर्क में शामिल है। उन्होंने कहा कि एएनटीएफ पंजाब नशा मुक्त पंजाब और ड्रग मुक्त पंजाब के लिये 100 प्रतिशत प्रतिबद्ध है।

पंजाब ने स्वास्थ्य, शिक्षा, रोजगार के क्षेत्र में अभूतपूर्व प्रगति की है: डॉ रवजोत सिंह

पायनियर संवाददाता ◄ होशियारपुर
www.dailypioneer.com

पंजाब के स्थानीय निकाय मंत्री डॉ रवजोत सिंह ने कहा कि राज्य सरकार ने पिछले ढाई वर्षों के दौरान विशेष रूप से स्वास्थ्य, शिक्षा और रोजगार के क्षेत्र में अभूतपूर्व प्रगति की है। स्थानीय सिविल अस्पताल में जिले में हाउस सर्जन के तौर पर तैनात किये गये 24 नये एमबीबीएस डॉक्टरों को नियुक्ति पत्र सौंपते हुये डॉ रवजोत सिंह ने बताया कि इन डॉक्टरों की नियुक्ति से स्वास्थ्य सेवाओं में तेजी आयेगी, जिससे न केवल सिविल अस्पताल बल्कि सब डिवीजन अस्पतालों में भी लोगों को लाभ मिलेगा। उन्होंने बताया कि इन 24 डॉक्टरों में से आठ स्थानीय सिविल अस्पताल, चार सब डिवीजन अस्पताल गढ़शंकर, पांच दसूया और दो मुकेरियां में तैनात किये जायेंगे, ताकि अस्पतालों में स्वास्थ्य सुविधायें प्रदान की जा सकें। मंत्री ने बताया कि मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के गतिशील नेतृत्व में स्वास्थ्य, शिक्षा और रोजगार के क्षेत्रों में नये मील के पत्थर स्थापित किये गये ह।

आय से अधिक संपत्ति अर्जित करने के आरोप में सिविल सर्जन कार्यालय का क्लर्क गिरफ्तार

एजेंसी ◄ चंडीगढ़
www.dailypioneer.com

पंजाब विजिलेंस ब्यूरो ने आय के ज्ञात स्रोतों से अधिक संपत्ति अर्जित करने के आरोप में जन्म और मृत्यु रजिस्ट्रार, सिविल सर्जन कार्यालय, होशियारपुर में तैनात क्लर्क जसविंदर सिंह को गिरफ्तार किया है। विजिलेंस ब्यूरो के प्रवक्ता ने मंगलवार को बताया कि इस संबंध में दर्ज विजिलेंस जांच की गहनता से जांच करने के बाद मामला दर्ज कर यह गिरफ्तारी की गयी है। उन्होंने बताया कि विजिलेंस ब्यूरो द्वारा की गयी जांच में पाया गया कि उक्त आरोपी जसविंदर सिंह, निवासी गोबिंद नगर, समीप फतेहगढ़ चुंगी, होशियारपुर ने जांच के दौरान एक जनवरी 2002 से 31 दिसंबर 2016 तक कुल 1,23,13,727 रुपये खर्च किये, जबकि इस अवधि के दौरान उनकी कुल आय 88,15,520 रुपये थी। इस प्रकार उन्होंने अपनी आय से 34,98,207 रुपये अधिक खर्च किये। प्रवक्ता ने बताया कि भ्रष्टाचार निरोधक कानून के तहत आय से अधिक संपत्ति को अवैध संपत्ति के रूप में वर्गीकृत किया गया है।
उन्होंने बताया कि जांच में दोषी पाये जाने के बाद उक्त क्लर्क जसविंदर सिंह के खिलाफ विजिलेंस थाना जालंधर रेंज में मामला दर्ज किया गया है।

कुलतार सिंह संधवां ने न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) कुलदीप सिंह के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया

चंडीगढ़। पंजाब विधानसभा के अध्यक्ष कुलतार सिंह संधवां ने उच्चतम न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश कुलदीप सिंह के निधन पर गहरा दुख व्यक्त किया है। यहां जारी एक बयान में संधवां ने कहा कि 92 वर्षीय न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) कुलदीप सिंह देश की एक प्रसिद्ध शख्सियत थे, जिन्होंने भारतीय न्याय प्रणाली और कानून के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दिया। उन्होंने कहा कि न्यायमूर्ति कुलदीप सिंह के निधन से हम एक अद्वितीय व्यक्तित्व से वंचित हो गये हैं। गौरतलब है कि न्यायमूर्ति कुलदीप सिंह पंजाब के महाधिवक्ता, अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल ऑफ इंडिया समेत कई बड़े पदों पर कार्यरत रहे। वह 1988 में उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश नियुक्त हुये और 1996 में सेवानिवृत्त हुये। संधवां ने अरदास की कि दिवंगत आत्मा को अपने चरणों में स्थान दें और परिवार को इस दुःख को सहने का शक्ति प्रदान करें।

राजस्थान में एसीबी की तीन स्थानों पर कार्रवाई में तीन आरोपी रिश्वत लेते गिरफ्तार

जयपुर। राजस्थान में भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो ने राज्य में तीन स्थानों पर कार्रवाई करके विद्युत रीडर, पटवारी और सहायक सांख्यिकी अधिकारी को रिश्वत लेते गिरफ्तार किया है। ब्यूरो के पुलिस महानिदेशक डॉ रवि प्रकाश मेहरड़ा ने बताया कि ब्यूरो की अजमेर इकाई को परिवादी ने शिकायत की कि उसकी कृषि भूमि पर स्थित पोल्ट्री फार्म में विद्युत कनेक्शन की फाइल पास कराने की एवज में जीएसएस हरमाड़ा, सहायक अभियंता कार्यालय में पदस्थ मीटर रीडर नंदलाल चौधरी उससे पांच हजार रुपये की रिश्वत मांग रहा है। उन्होंने बताया कि इस पर ब्यूरो की अजमेर इकाई में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक भागचंद के नेतृत्व में गठित ब्यूरो के दल ने सत्यापन के बाद जाल बिछाकर नंदलाल चौधरी को परिवादी से पांच हजार रुपये की रिश्वत लेते गिरफ्तार कर लिया।

महिला डाक कर्मियों ने निकाली दोपहिया वाहन रैली

एजेंसी ◄ पटना
www.dailypioneer.com

राजधानी पटना के जी.पी.ओ. के परिसर से मंगलवार को उप मुख्य डाकपाल (मेल एवं ट्रेजरी) कुमारी सरिता के नेतृत्व में महिला डाक कर्मियों ने एक स्कूटी रैली निकाली, जिसे बिहार के मुख्य पोस्टमास्टर जनरल अनिल कुमार ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस रैली में 100 के करीब महिला डाक कर्मी अपनी-अपनी स्कूटियों पर विभिन्न तख्तियों पर बिपेक्स 2024 के सन्देश को लिए हुए पूरे जोश खरोश के साथ पटना जीपीओ से तारामंडल, इनकम टैक्स गोलम्बर, डाक बंगला चौराहा, मौर्या होटल, कारगिल चौक, ज्ञान भवन, एक्जिवीसन रोड, पटना जंक्शन होते हुए वापस पटना जीपीओ पहुँची । इस अवसर पर कुमार ने कहा कि महिला सशक्तिकरण का इससे बेहतर और कोई उदाहरण नहीं हो सकता और बिहार फिलेटलिक एग्जीबिशन 2024 का भी मूल थीम महिला सशक्तिकरण ही है। आदिकाल से ही बिहार सशक्त महिला नेतृत्व वाले समाज का समृद्ध इतिहास रहा है। माता सीता, अहिल्या, गार्गी, भारती, आम्रपाली इत्यादि ये सभी बिहार की पावन धरती से सम्बंधित है और इतिहास के पन्नो पर इनकी ज्ञान, साहस, विद्वता एवं त्याग स्वर्णिम अक्षरों से लिखा है जो बिहार की प्राचीन समाज की उत्तरोत्तर विकास की नींव रखी ।कुमार ने बताया कि बिहार परिमंडल बिपेक्स -2024 के उद्घाटन के पहले दिन 28 नवम्बर, महिलाओं के नाम ही रहेगा जिसमे सारे कार्यक्रम, स्वागत से लेकर मंच के संचालन कार्य महिलाओं द्वारा होंगे । उन्होंने बताया कि मुख्य अतिथि के रूप में बिहार की स्वर कोकिला शारदा सिन्हा जी को आमंत्रित किया गया था, लेकिन उनके पंच तत्व में विलिन हो जाने के कारण उनके सम्मान में श्रद्धांजलि स्वरुप एक विशेष आवरण का विमोचन बिहार डाक परिमंडल द्वारा किया जाएगा, साथ ही साथ बिहार की महान महिला हस्तियों के सम्मान में पोस्ट कार्ड जरी किया जाएगा। इस अवसर पर पवन कुमार, निदेशक, डाक सेवाएं ने सभी महिलाओं को शुभकामनाएँ दी, साथ ही साथ यातायात पुलिस अधीक्षक को उनकी यातायात सम्बन्धी सुविधा उपलब्ध करने के लिये डाक विभाग की ओर से धन्यवाद ज्ञापित किया। इस कार्यक्रम में नरसिंह महतो, सतर्कता अधिकारी, रंजय कुमार सिंह, मुख्य डाकपाल, पटना जीपीओ, रॉबिन चंद्रा, सहायक निदेशक, अनिल कुमार, उप मुख्य डाकपाल, पटना जीपीओ,संध्या कुमारी, सरिता कुमारी, कुमारी दीपशिखा, सहायक डाक अधीक्षक, श्वेता कुमारी, श्रुति, ममता कुमारी, रुची कुमारी एवं बिहार सर्किल कार्यालय एवं पटना जीपीओ के अधिकारी/कर्मचारीगण एवं आम जनता इस स्वर्णिम पल के साक्षी बने।

लोकतंत्र के रक्षकों पर हमला कर रहे झामुमो कांग्रेस के गुंडे: बाबूलाल मरांडी

वार्ता ◄ रांची
www.dailypioneer.com

झारखंड में भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष एवम पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी बरहेट के भाजपा प्रत्याशी गामालियन हेंब्रम के समर्थन में वोट करने वाले ईमाम मिर्जा सहित अन्य से मुलाकात की तथा उनके घर पर झामुमो कांग्रेस के गुंडों के द्वारा हुए पथराव की जानकारी ली। मरांडी ने घटना की तीव्र भर्त्सना करते हुए कहा कि आज संविधान दिवस है।
भारत का संविधान लोकतंत्र का सुरक्षा कवच है लेकिन कांग्रेस और झामुमो सत्ता के अहंकार में लोकतंत्र के रखवालों पर हमला कर रहे। कहा कि इमाम मिर्जा के घर पर सिर्फइसलिए पथराव किया गया क्योंकि उसने भाजपा उम्मीदवार के पक्ष में वोट किया।
कहा कि आंखों को बंद करने से खतरा नहीं जाएगा, अरे वो देखना पड़ेगा जो देखा नहीं जाएगा। मरांडी ने कहा कि झारखंड लवजिहाद-लैंडजिहाद के बाद अब पत्थरबाजों की गिरफ्त में आ चुका है। हाल यह है कि पत्थर चलाए जा रहे हैं, लाठी मारी जा रही है, घर तोड़े जा रहे हैं, वोट देने के आधार पर जनता को पीटा जा रहा है। ऐसी ही घटना ग्राम मोहम्मदपुर, जिला साहिबगंज में सामने आई है, जहां ईमाम मिर्जा को सिर्फइसलिए पीटा गया, धमकाया गया, मानसिक रूप से प्रताड़ित किया गया - क्योंकि उसने अपना विश्वास भारतीय जनता पार्टी पर जताया था, वोट कमल के फूल पर दिया था।

देवनानी ने विधानसभा में संविधान दीर्घा का किया लोकार्पण

जयपुर। राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने विधानसभा में संविधान दीर्घा का लोकार्पण किया। देवनानी ने विधानसभा में संविधान दिवस पर आयोजित समारोह में राजनीतिक आख्यान संग्रहालय में नवनिर्मित संविधान दीर्घा का लोकार्पण किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि संविधान के प्रति अश्रद्धा पैदा ना करें। संविधान के मूल ढांचे को कोई बदल नहीं सकता है। संविधान के बाईस भागों में हमारी संस्कृति और नैतिकता का विवरण है। उन्होंने कहा कि राष्ट्र का प्रत्येक नागरिक संविधान को पढ़ें, उसे जानें और उसके अनुकूल जीवन जीने का प्रयास करें। उन्होंने संविधान को हमारी आत्मा और पवित्र ग्रंथ बताते हुए कहा कि यह हमारे जीवन मूल्य एवं संस्कृति का स्वाभिमान भी है। संविधान सिर्फ एक कानूनी दस्तावेज नहीं है बल्कि लोकतांत्रिक भारत के लोगों की आकांक्षाओं, मूल्यों और आदर्शों का प्रतिबिम्ब है।

संविधान ने देश को एकरूपता दिया और एकता के सूत्र में पिरोया : मोहन प्रकाश

वार्ता ◄ पटना
www.dailypioneer.com

बिहार कांग्रेस के प्रभारी मोहन प्रकाश ने कहा कि संविधान ने देश को एकरूपता दिया और एकता के सूत्र में पिरोया। बिहार प्रदेश कांग्रेस कमिटी के तत्वावधान में प्रदेश मुख्यालय सदाकत आश्रम में संविधान अंगीकरण दिवस को उत्साहपूर्वक मनाया गया। कार्यक्रम की शुरुआत में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष डॉ.अखिलेश प्रसाद सिंह ने सभी उपस्थित कांग्रेसजन को संविधान की प्रस्तावना का पाठ कराया और इसकी रक्षा के लिए मजबूती से हर जरूरी लड़ाई लड़ने की शपथ दिलाई। इस अवसर पर बिहार कांग्रेस के प्रभारी मोहन प्रकाश ने कहा कि बिहार से इस विशेष दिवस का सीधा जुड़ाव रहा है क्योंकि सच्चिदानंद सिंहा जो बिहार के सपूत थे उनसे हस्ताक्षर को संविधान का ड्राफ्ट पटना आया था। इस ड्राफ्ट को रखते हुए भीमराव अंबेडकर ने एक भाषण दिया जिसमें उन्होंने सभी के लिए समान अवसर की वकालत की थी और इसे पूरी तरीके से संविधान के माध्यम से लागू भी कराया। समाजवाद और पंथ निरपेक्षता को जोड़ने पर हो हल्ला करने वाले लोग आज संविधान की धज्जियां उड़ाने में लगे हुए हैं। हमारे नेता राहुल गांधी ने जीविका की समानता के लिए लड़ाइयां लड़ी, किसानों, युवाओं और बेरोजगारों के हक की लड़ाई लड़ी ताकि उन्हें देश में समानता का अवसर मिले। आम जन को यह संदेश हमें पहुंचाना होगा कि यह संविधान रहेगा तभी अमीर गरीब के बीच की खाई को पाटा जा सकता है। प्रकाश ने मद्रास कांग्रेस का जिक्र करते हुए कहा कि कांग्रेस पार्टी को पूर्ण स्वराज का प्रस्ताव पारित करना चाहिए और वरिष्ठ नेतागण अभी उचित समय का इंतजार करने को कहा।

4 रायपुर संभाग
सेवा समाप्ति के पश्चात गोपनीय काम कर रहे कलेक्टर रीडर...

6 अभिमत
स्पष्ट जनादेश
भाजपा, झामुमो का शानदार प्रदर्शन

09 शिक्षा एवं स्वास्थ्य
दिव्यांगजनों के लिए रोजगार मेलाः सशक्तिकरण की दिशा...

10 संस्कारधानी
ट्राइसिकल घोटाला... पंचायतों में ट्राइसिकल की सप्लाई...

रायपुर, लखनऊ और नई दिल्ली से प्रकाशित

पायनियर

हमेशा सच के साथ

RNI NO. CHHHIN/2016/70655

www.dailypioneer.com रायपुर, बुधवार 27 नवम्बर 2024 पृष्ठ-12 वर्ष-09, अंक-96 मूल्य 3.00 ₹

त्वरित न्यूज

आप ने देश को ईमानदारी से काम करने वाला शासन दिया: केजरीवाल

नयी दिल्ली। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने कहा कि हमने इस देश को ईमानदारी से काम करने वाला शासन का मॉडल दिया है। केजरीवाल ने पार्टी के 13वें स्थापना दिवस पर सभी समर्थकों को बधाई देते हुए कहा, हमारी पार्टी को बने 12 साल हो गए हैं। इन 12 सालों में हमारी सबसे बड़ी उपलब्धि यह रही है कि हमने इस देश को ईमानदारी से काम करने वाला शासन का मॉडल दिया है। इस मॉडल में हमने आम आदमी के परिवार का सदस्य बनकर उनकी रोजमर्रा की जिंदगी में थोड़ी सी सहूलियत दी, दिल्ली का इंफ्रास्ट्रक्चर मजबूत किया और बजट भी मुनाफे का रखा।

केंद्र में रही सरकारों ने संविधान को सही से लागू नहीं किया : मायावती

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी मायावती ने कहा कि संविधान लागू होने के कई दशक बीत जाने के बावजूद केंद्र की सत्ता में रहीं कांग्रेस और भाजपा की सरकारों ने संविधान को ठीक तरह से लागू नहीं किया। मायावती ने सिलेसिलेवार पोस्ट में कहा देश का संविधान कोई दिखावटी चीज नहीं बल्कि इसको दिल से अंगीकार करके उसके अनुरूप व्यवहार करना भी बहुत जरूरी।

संवैधानिक आदर्शों को अपनाकर विकसित भारत बनाने में योगदान दें देशवासी : राष्ट्रपति मुर्मु

पायनियर संवाददाता ➤ नयी दिल्ली
www.dailypioneer.com

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने देशवासियों से संवैधानिक आदर्शों को आचरण में लाने तथा मौलिक कर्तव्यों का पालन करने की अपील करते हुए वर्ष 2047 तक 'विकसित भारत' बनाने का राष्ट्रीय लक्ष्य हासिल करने को कहा है। मुर्मु ने संविधान को अंगीकार किये जाने के 75 वर्ष पूरे होने के अवसर पर संविधान सदन के केन्द्रीय कक्ष में आयोजित समारोह को संबोधित करते हुए कहा, 75 वर्ष पहले, आज ही के दिन, संविधान सदन के इसी सेंट्रल हॉल में, संविधान सभा ने एक नए स्वतंत्र देश के लिए संविधान बनाने का बड़ा काम पूरा किया था। उस दिन, संविधान सभा के माध्यम से, हम, भारत के लोगों ने, इस संविधान को अपनाया, अधिनियमित किया और खुद को समर्पित किया। हमारा संविधान हमारे लोकतांत्रिक गणराज्य की मजबूत आधारशिला है। हमारा संविधान हमारी सामूहिक और व्यक्तिगत गरिमा सुनिश्चित करता है। राष्ट्रपति ने कहा कि हमारा संविधान एक जीवंत और प्रगतिशील दस्तावेज है। देश के दूरदर्शी संविधान निर्माताओं ने बदलते समय की आवश्यकताओं के अनुरूप नये विचारों को अपनाने की व्यवस्था प्रदान की थी। देश ने संविधान के माध्यम से सामाजिक न्याय और समावेशी विकास से संबंधित कई महत्वाकांक्षी लक्ष्य हासिल किए हैं। उन्होंने कहा कि एक नए दृष्टिकोण के साथ, भारत विदेशी राष्ट्रों के समुदाय में एक नई पहचान अर्जित कर रहा है। संविधान निर्माताओं ने भारत को अंतर्राष्ट्रीय शांति और सुरक्षा को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने का निर्देश दिया था और आज भारत एक अग्रणी अर्थव्यवस्था होने के साथ-साथ 'विश्व-बंधु' की भूमिका भी बखूबी निभा रहा है। मुर्मु ने कहा कि लगभग तीन-चौथाई सदी की संवैधानिक यात्रा में, देश संविधान निर्माताओं की अपेक्षा के अनुसार क्षमताओं को दिखाने और परंपराओं को विकसित करने में उल्लेखनीय हद तक सफल हुआ है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि हमने जो सबक सीखा है, उसे अगली पीढ़ियों तक पहुंचाया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि 2015 से हर साल 'संविधान दिवस' मनाने से युवाओं के बीच संविधान के बारे में जागरूकता बढ़ाने में मदद मिली है। उन्होंने सभी साथी नागरिकों से संवैधानिक आदर्शों को अपने आचरण में अपनाने का आग्रह करते हुए मौलिक कर्तव्यों का पालन करने और वर्ष 2047 तक 'विकसित भारत' के निर्माण के राष्ट्रीय लक्ष्य के प्रति समर्पण के साथ आगे बढने को कहा। राष्ट्रपति ने कहा कि आजादी के 75 वर्ष पूरे होने पर सभी देशवासियों ने 'आजादी का अमृत महोत्सव' मनाया। अगले वर्ष 26 जनवरी को देश गणतंत्र की 75वीं वर्षगांठ मनायेगा। उन्होंने कहा कि इस तरह के समारोह हमें अब तक की यात्रा की समीक्षा करने और आगे की यात्रा के लिए बेहतर योजना बनाने का अवसर प्रदान करते हैं। ऐसे समारोह हमारी एकता को मजबूत करते हैं और दिखाते हैं कि राष्ट्रीय लक्ष्यों को प्राप्त करने के अपने प्रयासों में हम सभी एक साथ हैं। मुर्मु ने कहा कि एक मायने में, भारत का संविधान कुछ महान विचारकों के लगभग तीन वर्षों के विचार-विमर्श का परिणाम था। लेकिन, सही मायने में यह लंबे स्वतंत्रता संग्राम का परिणाम था। उस अतुलनीय राष्ट्रीय आंदोलन के आदर्शों को संविधान में प्रतिष्ठापित किया गया। उन्होंने कहा कि संविधान की प्रस्तावना में न्याय, स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व के मूल्यों को संक्षेप में शामिल किया गया है। ये आदर्श युगों-युगों से भारत को परिभाषित करते आए हैं।

संविधान के मार्गदर्शन में हो रहा है विकसित भारत का निर्माण : पीएम मोदी

पायनियर संवाददाता ➤ नयी दिल्ली
www.dailypioneer.com

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने संविधान को वर्तमान और भविष्य का मार्गदर्शक बताते हुए कहा कि इसकी मूल भावना के अनुसार ही उनकी सरकार विकसित भारत का निर्माण कर रही है। संविधान दिवस के अवसर पर उच्चतम न्यायालय की ओर से आयोजित समारोह को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा, हमारा संविधान हमारे वर्तमान और हमारे भविष्य का मार्गदर्शक है। हर देशवासी का एक ही ध्येय है- विकसित भारत का निर्माण। सरकार लगातार इसी दिशा में काम कर रही है। उन्होंने कहा कि विकसित भारत का मतलब सभी देशवासियों की जिंदगी में सुधार और सब के जीवन का सम्मान है और यही संविधान की उद्देश्य है। उन्होंने अपने कार्यकाल की उपलब्धियों की चर्चा करते हुए कहा कि ऐसे 53 करोड़ लोगों के बैंक खाते खोले गए, जिन्हें आजादी के बाद से अब तक यह सुविधा नहीं मिली थी। पिछले 10 वर्षों में चार करोड़ लोगों को पक्का मकान दिए गए जो खुले आसमान के नीचे रहने को मजबूर थे। इसी प्रकार 10 करोड़ महिलाओं को मुफ्त एलपीजी गैस कनेक्शन दिए गए। पीएम मोदी ने कहा कि पिछले पांच-छह वर्षों में 12 करोड़ से अधिक लोगों को नल से जल पहुंचने की व्यवस्था की गई। आजादी के बाद इससे पहले मात्र तीन करोड़ लोगों के पास नल से जल की व्यवस्था थी। प्रधानमंत्री ने कहा दिव्यांग और उभयलिंगी लोगों के लिए कई प्रकार की सुविधा उपलब्ध कराई गई। डेढ़ करोड़ से अधिक वरिष्ठ नागरिकों को पांच लाख रुपए तक के मुफ्त इलाज की व्यवस्था इस सरकार ने की, जबकि 70 वर्ष से अधिक उम्र के सभी बुजुर्गों को मुफ्त इलाज दी जा रही है। उन्होंने ने कहा कि अब सभी के लिए 80 प्रतिशत तक की छूट के साथ दवाईयां उपलब्ध है। पूरे देश में टीकाकरण शत-प्रतिशत किया जा रहा है। पिछड़े जिलों में विकास की गति तेज की गई है। उन्होंने कहा कि ढाई करोड़ घरों को बिजली के मुफ्त कनेक्शन दिए गए। आजादी के बाद पहली बार 'जमीन बैंक' की व्यवस्था की गई जिसमें जमीन से संबंधित दस्तावेज उपलब्ध कराए गए हैं। मोदी ने कहा कि संविधान की मूल भावना के अनुसार लोगों को न्याय दिलाने के लिए सरकार लगातार प्रयास कर रही है। प्रधानमंत्री ने कहा, हमारे संविधान निर्माता ये जानते थे कि भारत की आकांक्षाएं, भारत के सपने समय के साथ नई ऊंचाई पर होंगे। वो जानते थे कि आजाद भारत की और भारत के नागरिकों की ज़रूरतें बदलेंगी, चुनौतियां बदलेंगी। इसलिए उन्होंने हमारे संविधान को महज कानून की एक किताब बनाकर नहीं छोड़ा, बल्कि इसको एक जीवंत, निरंतर प्रवाहमान धारा बनाया। प्रधानमंत्री ने कहा कि संविधान की भावना के अनुसार बदलाव किए जा रहे है और इसका लाभ आम नागरिकों को मिल रहा है। उन्होंने कहा, भारतीयों को त्वरित न्याय मिले, इसके लिए नई न्याय संहिता लागू की गई है। दंड आधारित व्यवस्था और न्याय आधारित व्यवस्था में बदल चुकी है।

संविधान दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित संगोष्ठी में शामिल होंगे राज्यपाल रमेन डेका

पायनियर संवाददाता ➤ रायपुर
www.dailypioneer.com

श्री बालाजी हॉस्पिटल समूह रायपुर द्वारा संविधान दिवस के अवसर पर संगोष्ठी कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। कार्यक्रम के मुख्य आयोजक हॉस्पिटल समूह के चेयरमैन डॉक्टर देवेन्द्र नायक और हाईकोर्ट के अधिवक्ता धनीराम पटेल ने बताया कि इस आयोजन में मुख्य अतिथि के रूप में राज्यपाल रमेन डेका विशेषतौर पर मौजूद रहेगे। वहीं मुख्य वक्ता के रूप में राष्ट्रीय स्वंयसेवक संघ के वरिष्ठ प्रचारक लक्ष्मीनारायण भाला (लखखी-दा) उपस्थित रहेंगे। विशिष्ट अतिथि के रूप में राज्य के उपमुख्यमंत्री अरूण साव तथा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री श्यामबिहारी जायसवाल भी मौजूद रहेगे। संगोष्ठी में संविधान को लेकर चर्चा की जाएगी। यह आयोजन बुधवार को शाम 5 बजे मोवा स्थित श्रीबालाजी मेडिकल कॉलेज के ऑडिटोरियम में किया जा रहा है।

कैबिनेट का फैसला, अब कक्षा 5वीं एवं 8वीं बोर्ड

पायनियर संवाददाता ➤ रायपुर
www.dailypioneer.com

मंत्रिपरिषद द्वारा सार्वजनिक वितरण प्रणाली के अंतर्गत पात्र हितग्राहियों को वितरण हेतु नागरिक आपूर्ति निगम को आवश्यक चना उपार्जन, ई-ऑक्शन प्लेटफॉर्म के माध्यम से किए जाने की अनुमति दी गई। मंत्रिपरिषद ने विशुद्ध रूप से राजनीतिक आंदोलनों से संबंधित प्रकरणों को जनहित में न्यायालय से वापस लिये जाने के संबंध में गठित मंत्रिपरिषद की उप समिति द्वारा अनुशंसित 54 प्रकरणों को न्यायालय से वापस लिए जाने हेतु आगामी कार्यवाही किए जाने का अनुमोदन किया। खरीफ विपणन वर्ष 2024-25 में राज्य में मक्का फसल तथा प्रधानमंत्री अन्नदाता आय संरक्षण अभियान अंतर्गत दलहन-तिलहन और रबी विपणन मौसम 2025-26 में चना, मसूर एवं सरसों के उपार्जन हेतु नेफेड एवं एनसीसीएफ को प्रोक्योरमेंट एजेंसी नियुक्त करने का निर्णय लिया गया। छत्तीसगढ़ राज्य के किसानों को नवीन उन्नत किस्म के बीजों की उपलब्धता उचित मूल्य पर सुनिश्चित करने के लिए मंत्रिपरिषद ने आज महत्वपूर्ण फैसला लिया। इसके तहत भारत सरकार द्वारा विभिन्न योजनाओं में इम्पैनल्ड सेंट्रल नोडल सीड एजेंसी से आवश्यकतानुसार सीधे बीज क्रय किया जा सकेगा। इसके लिए छत्तीसगढ़ राज्य बीज एवं कृषि विकास निगम को छत्तीसगढ़ राज्य भंडार क्रय नियम 2002 के नियम 4 में छूट देने का निर्णय लिया गया। मंत्रिपरिषद द्वारा छत्तीसगढ़ राज्य जल विद्युत परियोजना (पम्प स्टोरेज आधारित) स्थापना नीति 2023 में परियोजना विकासकर्ता को वाणिज्यिक उत्पादन प्रारंभ करने की तिथि से प्रथम पांच वर्षों के लिए प्रति वर्ष 01 लाख रूपए प्रति मेगावाट की दर से लिए जाने वाले हरित ऊर्जा विकास शुल्क को समाप्त करने का निर्णय लिया गया। हरित ऊर्जा शुल्क में प्रत्येक पांच साल के बाद 25 प्रतिशत की वृद्धि का भी प्रावधान था, इसे भी समाप्त कर दिया गया है। इससे राज्य में जल विद्युत परियोजनाओं एवं ग्रीन एनर्जी के उत्पादन को बढ़ावा मिलेगा। मंत्रिपरिषद ने कक्षा 5वीं एवं 8वीं की परीक्षाओं को केन्द्रीकृत किये जाने के लिए स्कूल शिक्षा विभाग को अधिकृत किया है। मंत्रिपरिषद द्वारा छत्तीसगढ़ राज्य में हाउसिंग एण्ड अर्बन डेवलपमेंट कार्पोरेशन लिमिटेड (हुडको) से आवास, नगरीय विकास एवं अन्य क्षेत्रों में सहायता प्राप्त करने हेतु समझौता ज्ञापन के प्रारूप का अनुमोदन किया गया।

डीएफओ पर यौन प्रताड़ना का आरोप

आदिवासी महिला ने सीएम कैम्प कार्यालय में की शिकायत

पायनियर संवाददाता ➤ जशपुरनगर
www.dailypioneer.com

मामले की शिकायत मिली है। जांच की जा रही है।
-मार्टिन खलखो,अजाक थाना प्रभारी,जशपुर

जशपुर में पदस्थ वन मंडलाधिकारी पर डिर्पाटमेंट की ही एक आदिवासी महिला रेंजर ने यौन प्रताड़ना का कथित तौर पर आरोप लगाया है। एक वायरल पत्र के मुताबिक सीएम कैम्प कार्यालय में मामले की शिकायत कर कानूनी कार्रवाई करने की मांग की गई है। इस संबंध में मिली जानकारी के मुताबिक वन विभाग की एक महिला अधिकारी ने वन मंडल अधिकारी जितेंद्र उपाध्याय पर यौन प्रताड़ना का गंभीर आरोप लगाते हुए बगिया स्थित मुख्यमंत्री कैंप कार्यालय और अजाक थाना में शिकायत की है।

बुरी नीयत रखते थे डीएफओ

थाना प्रभारी मार्टिन खलखों का कहना है कि फिलहाल मामले की जांच चल रही है। कैंप कार्यालय में की गई शिकायत में पीड़ित महिला अधिकारी का आरोप है कि डीएफओ जितेंद्र उपाध्याय उन पर बुरी नियत रखते थे और ड्यूटी के दौरान तुम मुझे बहुत अच्छी लगती हो कहा करते थे। पीड़िता का दावा है कि डीएफओ ने उनके सामने गलत काम करने का प्रस्ताव रखा था। इसे ठुकरा दिए जाने से वे नाराज हो कर तात्कालीन विधायक यूडी मिंज से शिकायत कर दी थी। जानकारी मिलने पर पीड़िता ने तात्कालीन विधायक से मुलाकात कर अपना पक्ष रखा था।

आरोप-प्रत्यारोप का सिलसिला

व्यक्तिगत रूप से परेशान करने के लिए डीएफओ ने वन कर्मचारी संघ पर दबाव डाल कर उनके विरूद्ध झूठा शिकायत कराया और कार्रवाई की धमकी देकर डीएफओ ने पीड़िता अधिकारी को अपने नजदीकी रेंज में तबादला करवाने के लिए मजबूर कर दिया। इसके बाद शासकीय दौरा के बहाने अपने शासकीय वाहन में बैठा कर गलत हरकत करने का प्रयास किया। पीड़िता का आरोप है कि इस दौरान उसके और डीएफओ के बीच हाथापाई भी हुई थी। बहरहाल सच क्या है यह तो जांच के बाद स्पष्ट हो सकेगा।

बर्खास्त करने की मिली थी धमकी

घटना के बाद डीएफओ ने नौकरी से बर्खास्त कराने की धमकी देकर पीड़िता का मुंह बंद कर दिया था। इस घटना के बाद डीएफओ ने पीड़िता के विरूद्ध झूठे आरोप लगा कर कार्रवाई के लिए मुख्य वन संरक्षक को पत्र प्रेषित कर दिया है। पीड़िता का कहना है कि उसे विभागीय वाट्स एप ग्रुप से भी हटा दिया गया है ताकि वे सरकारी काम सही तरीके से ना कर सके। शिकायत में पीड़िता ने डीएफओ उपाध्याय के विरूद्ध अनुसूचित जाति, जनजाति अत्याचार निवारण अधिनियम के तहत कार्रवाई की मांग की है।

संविधान दिवस पदयात्रा में मुख्यमंत्री सहित मंत्री-विधायक हुए शामिल

संविधान भारत की सदियों पुरानी संस्कृति, इतिहास और परंपराओं का आईना : विष्णुदेव साय

पायनियर संवाददाता ➤ रायपुर
www.dailypioneer.com

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय संविधान दिवस पदयात्रा कार्यक्रम में शामिल हुए। संविधान दिवस पदयात्रा पंडित जवाहर लाल नेहरू स्मृति चिकित्सा महाविद्यालय सभागृह से प्रारंभ होकर अंबेडकर चौक पर समाप्त हुई। मुख्यमंत्री ने डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया। इस पदयात्रा में उप मुख्यमंत्री अरूण साव, खेल एवं युवा कल्याण मंत्री टंकराम वर्मा, वन मंत्री केदार कश्यप, खाद्य मंत्री दयालदास बघेल, पूर्व विधानसभा अध्यक्ष धरमलाल कौशिक, विधायकगण इंद्र कुमार साहू, गुरु खुशवंत साहेब, अनुज शर्मा, महिला आयोग की सदस्य लक्ष्मी वर्मा और युवा आयोग के अध्यक्ष विश्वजीत तोमर शामिल थे। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने इस अवसर पर पंडित जवाहर लाल नेहरू स्मृति चिकित्सा महाविद्यालय सभागृह में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि हमारा संविधान भारत की सदियों पुरानी संस्कृति, इतिहास और परंपराओं का आईना है। यह संविधान हमारे सदियों के संघर्ष, अनुभव और उपलब्धियों का प्रतिफल है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में आज के दिन 26 नवंबर से संविधान दिवस 2024 के आयोजन की शुरूआत हुई है। भारत के संविधान को आत्मसात किए 75 वर्ष पूरे हो गए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारे संविधान निर्माताओं ने जहां पर मौलिक अधिकारों की बात लिखी है, वहां भगवान श्रीराम, माता सीता और भइया लक्ष्मण की तस्वीर अंकित की है। उन्होंने कहा कि यह तस्वीर तब की है जब भगवान श्रीराम लंका विजय के बाद अयोध्या लौट रहे थे। हमें इस बात को समझना होगा कि हमारे संविधान निर्माताओं ने इस तस्वीर के माध्यम से हमें क्या संदेश दिया है। संविधान में ऐसे ही अनेक चित्र और संकेत हैं, जिनके माध्यम से संविधान निर्माताओं ने इंगित किया है कि हमें भारतीय संस्कृति और जीवन मूल्यों के साथ लोकतंत्र को आगे बढ़ाना है। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह भी हमारे संविधान की एक बड़ी विशेषता है कि इसमें परिवर्तनशील समय के अनुरूप आवश्यकता पड़ने पर संशोधन का भी प्रावधान है। हमारे संविधान निर्माताओं ने देश पर अपनी इच्छाओं और विचारों को लादा नहीं, बल्कि अपनी दूरदर्शिता से भावी पीढ़ी के लिए यह गुंजाइश छोड़ी कि वह अपने समय की परिस्थितियों, अपने समय के ज्ञान, अपने समय की आवश्यकताओं के अनुसार इसमें संशोधन कर सकें।

सेवा समाप्ति के पश्चात गोपनीय काम कर रहे कलेक्टर रीडर की आखिर करनी पड़ी छुटटी

पायनियर संवाददाता ➤ धमतरी
www.dailypioneer.com

रायपुर, शनिवार 23 नवंबर 2024
www.dailypioneer.com
पायनियर
कलेक्टर रीडर, सेवा समाप्ति के बाद भी कर रहे गोपनीय कार्य

पायनियर खबर का असर

जिले में अनेक मामलों को लेकर प्रभारवाद चल रहा है इसी कड़ी में संविदा पाये व्यक्ति द्वारा सेवा अवधि बढाए जाने के समय बीत जाने के बाद भी उसके द्वारा कार्य किये जाना और वह भी जिले के प्रमुख कार्यालय में मायने रखता है, हद तो यह है कि उक्त वरिष्ठ अधिकारी के कार्यालय में सेवा अवधि समाप्त हो जाने के बाद भी महत्वपूर्ण कार्यों को अंजाम देना चर्चा का विषय बना हुआ था इसकी खबर जब संवाददाता को लगी तो कलेक्टर रीडर सेवा समाप्ति के बाद भी कर रहा गोपनीय कार्य के शीर्षक से समाचार का प्रकाशन किया और खबर का यह असर हुआ कि उसे वहां से आनन-फानन में सेवा समाप्ति के पश्चात गोपनीय कार्य कर रहे कलेक्टर रीडर की आखिरकार छुट्टी करनी पड़ी। विभिन्न शासकीय कार्यालयों में प्रभारवाद धड़ल्ले से चल रहा है पिछले सरकार के समय तो मानों प्रभारवाद की बाढ़ सी आ गई थी सहायक अभियंता के पद पर कार्यरत रहे और लाखों करोडों रूपये के कार्य करवाये लेकिन शिकायतों के बाद भी इस पर कोई कार्यवाही नहीं हुई और वे रिटायर होकर चले गए। कुछ अधिकारी आज भी प्रभारवाद में बैठे हुए हैं। जिसे लेकर लोगों का कहना है कि सहायक अभियंताओं का अधिकार सीमित रहता है परंतु उन्होने अपने अधिकार क्षेत्र ये बाहर जाकर लाखों करोड़ों का भुगतान भी किया है। इसके अतिरिक्त विभिन्न कार्यालयों में पदस्थ अधिकारी भी अपने कार्यालय को छोड़कर मटरगश्ती करते हुए चल रहे हैं, कुछ लोग रायपुर दुर्ग से आना जाना करते हैं जिससे शासन को शासकीय वाहनों के उपयोग में लगने वाले डीजल खपत का अतिरिक्त प्रभार देना पड़ता है ऐसे ही जिले के कार्यालय में पदस्थ कर्मचारी भी सेवा अवधि समाप्त हो जाने के बाद भी कई दिनों तक महत्वपूर्ण कार्यो जिनमें शासन का पत्र भी शामिल है वह कार्य करता रहा जिसे लेकर जिले के अधिकारी कर्मचारियों सहित जनता में तरह तरह की चर्चा होती रही कि जिले के सबसे महत्वपूर्ण दफ्तर में सेवा समाप्ति के पश्चात किसके आदेश पर लगातार गोपनीय कार्य करता रहा। मिली जानकारी के अनुंसार पता चला है कि जिले के प्रमुख कार्यालय में पदस्थ कर्मचारी जो पिछले वर्ष उसकी सेवा अवधि समाप्त हो गई थी और इसने पिछली सरकार के समय दो साल की संविदा नियुक्ति पाई थी इसके बाद इनकी अवधि समाप्त हो गई, इस कर्मचारी ने पुनः सेवावृध्दि किये जाने का आवेदन दिया फिर उसे पिछली सरकार ने एक वर्ष का अतिरिक्त संविदा प्रदान की लेकिन इस कर्मचारी को नियमानुसार तहसील कार्यालय में पदस्थ करना था लेकिन वह जिले के कार्यालय में कार्य करता रहा। हद तो तब हो गई जब उसे तहसील कार्यालय में पदस्थ न कर कार्यालय में ही यथावत रखा गया, यह आदेश किसके द्वारा किया गया था यह ज्ञात नही हो सका परन्तु कार्यालय में पदस्थ रखने के बाद उसका गत 16 नवंबर को कार्यकाल समाप्त हो चुका था तब इसे उसके पद से पृथक किया जाना था लेकिन वरिष्ठ अधिकारी के नाक के नीचे बिना अनुमति एवं स्वीकृति प्राप्त किये यह कर्मचारी अधिकारी के रीडर पद का दायित्व संभालता रहा और प्रशासन के महत्वपूर्ण पत्रों को संबंधित अधिकारी को सौंपता रहा जो कि एक नियम विरूध्द कार्य है जैसे ही यह खबर पायनियर में प्रकाशित हुई उसके बाद उक्त वरिष्ठ लिपिक को हटा दिया गया। इस पूरे मामले पर एडीएम मरकाम ने दूरभाष के दौरान चर्चा में बताया कि कलेक्टर रीडर का काम कर रहे शिवशंकर निषाद को तत्काल प्रभाव से हटा दिया गया है और नये रीडर की नियुक्ति कर दी गई है।

अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने प्रस्तावना का वाचन कर मनाया संविधान दिवस

पायनियर संवाददाता ➤ बलौदाबाजार
www.dailypioneer.com

जिले के समस्त शासकीय कार्यालय तथा ग्राम पंचायतों में संविधान के प्रस्तावना का वाचन कर संविधान दिवस मनाया गया है। इसी के तहत संयुक्त जिला कार्यालय में भी समस्त विभागों के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने संविधान के प्रस्तावना का वाचन कर संविधान दिवस मनायें है।प्रस्तावना का वाचन कलेक्टर दीपक सोनी के द्वारा किया गया। उन्होंने भारत रत्न डॉ.बी.आर.अम्बेडकर को याद करते हुए उनके संविधान निर्माण में उनके योगदान एवं भूमिका से समस्त लोगों को अवगत कराया गया। इसी संविधान के अनुरूप ही आज देश एक महान लोकतांत्रिक देशों में शामिल है। अतः हम सभी का कर्तव्य है की हम इस संविधान की रक्षा तथा अपने अपने कर्तव्यो का पालन संविधान के अनुसार निश्चित रूप से करतें रहें। वाचन के दौरान समस्त विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी गण उपस्थित थे।

अंतर-महाविद्यालयीन एथलेटिक्स प्रतियोगिता में कुरूद महाविद्यालय के खिलाड़ियों ने रचा इतिहास

पायनियर संवाददाता ➤ कुरूद
www.dailypioneer.com

संत गुरू घासीदास शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय कुरूद के खिलाड़ियों का चयन राज्य स्तरीय एथलेटिक्स प्रतियोगिता बहतराई बिलासपुर हेतु हुआ है। विदित हो कि 22 से 23.11.2024 को प्रमिला गोकुलदास डागा महाविद्यालय रायपुर (छ.ग.) में अंतरमहाविद्यालयीन एथलेटिक्स प्रतियोगिता का आयोजन कोटा स्टेडियम में किया गया था, जिसमें रायपुर अंतर महाविद्यालयीन के विभिन्न महाविद्यालयों के टीमों ने भाग लिया था, जिसमें संत गुरू घासीदास शास. स्नातकोत्तर महाविद्यालय कुरूद के खिलाड़ियों ने महिला टीम 100 मीटर हर्डस (लम्बी कूद) में दुर्गा कोडोपी बीपीएड- तृतीय सेमेस्टर, त्रिकूद कु. लक्ष्मी बीपीएड तृतीय सेमेस्टर, पैदल चाल (20 कि.मी.) कविता, भाला फेक में अमिषा बीपीएड तृतीय सेमेस्टर एवं पुरूष वर्ग में 21 कि.मी. हाफ मैराथन में मुकेश कुमार बी.ए. तृतीय वर्ष, 400 मीटर दौड़ में आनंद साहू बी.ए. द्वितीय वर्ष ने गोल्ड मेडल पर अपना कब्जा किया। इसी प्रकार 200 मीटर 400 मीटर दौड़ में राजेश्वरी नेताम, ऊँची कूद में इन्द्राणी बीपीएड- तृतीय सेमेस्टर, 1500 मीटर दौड़ में चेतन कुमार बी.ए. द्वितीय वर्ष, ऊँची कूद में पंकज कुमार बीपीएड- प्रथम सेमेस्टर ने सिल्वर मेडल पर कब्जा प्राप्त करने के कारण उनका चयन पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय रायपुर की टीम के लिए हुआ है। खिलाड़ी के इस उपलब्धि पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. ए.के.मिश्रा, क्रीड़ा प्रभारी अमित टण्डन, अतिथि क्रीड़ा सहायक-शहनाज बेगम, क्रीड़ा समिति के सदस्य हरि राम साहू, चित्रमणी श्रीमाली, महाविद्यालय के प्राध्यापक डॉ. एन.के.मेश्राम, एम.एस.साहू, डॉ. आर.के.पाण्डेय, सरस्वती घृतलहरे, बी.आर.देवांगन, डॉ. ओमजी गुप्ता, डॉ. तरूण कुमार पटेल, हित नारायण टण्डन, डॉ. फिरोज सोनवानी, राकेश कुमार सोनकर, शिबा वंजारी, कृपा राम साहू, पवन ताम्रकार रेणु पाटले, डॉ. विक्रम सिंह, लीना दिली, विजय कुमार, कौस्तुभ तिवारी, नीलकंठ, एच.आर. उईके, तेजराम सिन्हा, वाय.आर.उईके, के.आर. डहरे, ढालू राम साहू, लुकेश विश्वकर्मा, घनश्याम यादव, रवि कुमार साहू, किशोर साहू, डिगेश्वर बैस एवं महाविद्यालय के समस्त अधिकारी एवं कर्मचारी, अतिथि व्याख्याता एवं जनभागीदारी शिक्षक उपस्थित रहें एवं विजेता खिलाड़ी को बधाई देते हुए उनके उज्वल भविष्य की कामना की।

मदकू द्वीप में आरएसएस की दंड संचालन एवं समता शिविर संपन्न

हरिहर क्षेत्र मदकू के प्राचीन वैभव को पुनः स्थापित करना है : संत रामरूप दास महात्यागी

पायनियर संवाददाता ➤ सरगांव
www.dailypioneer.com

श्री हरिहर क्षेत्र केदार द्वीप मदकू सनातन संस्कृति की प्राचीन परम्पराओं केंद्र है, यह क्षेत्र माण्डूक्य ऋषि की तपस्थली है जो कि प्राचीन काल में माण्डूक्य द्वीप के नाम से जानी जाती थी तदतंर में अपभ्रंश होकर मदकू द्वीप के रूप में जानी जाती है। द्वीप क्षेत्र का 19 मंदिरों का देव संकुल हो, 12 स्मार्त लिंग का होना ही इस क्षेत्र की पवित्रता,प्राचीनता और सांस्कृतिक समृद्धता का प्रमाण है। उत्तर वाहिनी शिवनाथ इस क्षेत्र को साधना की दृष्टि से सर्वथा अनुकूल बनाती है उक्त बातें मण्डलेश्वर संत रामरूप दास महात्यागी के द्वारा श्री हरिहर क्षेत्र केदार द्वीप मदकू में आयोजित राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ रायपुर महानगर एवं बिलासपुर नगर के शारीरिक प्रदर्शन एवं दण्ड संचालन, समता शिविर कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कही। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रांत प्रचारक अभय राम जी के द्वारा अपने संबोधन में कहा कि स्वयंसेवक स्वयं प्रेरणा से राष्ट्र, समाज, देश, धर्म तथा संस्कृति की सेवा करने वाले व उसकी रक्षा कर उसकी अभिवृद्धि के लिए प्रमाणिकता तथा निःस्वार्थ बुद्धि से कार्य करने वाले को स्वंयसेवक कहते हैं। स्वंयसेवको के गुण, विकास एवं वृद्धि के लिए शारीरिक एवं बौद्धिक कार्यक्रम संघ में होते रहते हैं। संघ शाखा के माध्यम से राष्ट्रनिष्ठ व्यक्ति का निर्माण करता है जिससे एक अच्छे समाज का निर्माण हो और राष्ट्र को परम वैभव के शिखर पर स्थापित करने का संकल्प पूर्ण हो सके। उक्त शिविर में आयोजित प्रतियोगिता में समता प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर रायपुर महानगर एवं दण्ड संचालन प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर बिलासपुर नगर रहा। उक्त शिविर में रायपुर और बिलासपुर नगर के 100 स्वयं सेवकों के द्वारा इस वर्ग में अपनी सहभागिता दी गई। कार्यक्रम की प्रस्तावना की जानकारी गणेश हरपाल के द्वारा दी गई। शिविर के समापन समारोह में समता, दण्ड संचालन का सामूहिक प्रदर्शन, सामूहिक गीत,एकल गीत की प्रस्तुति दी गई। उक्त कार्यक्रम में नरेश अग्रवाल, जीवन लाल कौशिक, मनीष मिश्रा, राममनोहर दुबे, प्रदीप शुक्ला, भगवती प्रसाद मिश्र, मनीष अग्रवाल, परमानंद साहू, मनीष साहू, प्रमोद दुबे, रामावतार साहू, परस साहू, सुरेश साहू सहित श्री हरिहर क्षेत्र केदार द्वीप सेवा समिति मदकू के पदाधिकारी एवं सदस्य सहित बड़ी संख्या में रायपुर, बिलासपुर, भाटापारा आदि स्थान के स्वयं सेवक एवं ग्रामीण उपस्थित रहे।

नगर पालिका परिषद का पीआईसी भंग

पालिका अध्यक्ष सुनीता गुप्ता ने सीएमओ को सूचनार्थ हेतु आवेदन प्रेषित किया

पायनियर संवाददाता ➤ भाटापारा
www.dailypioneer.com

नगर पालिका मे चुने हुये जनप्रतिनिधियों का कार्यकाल कुछ माह शेष रह गया है परंतु इसी बीच नगर पालिका अध्यक्ष सुनीता गुप्ता द्वारा मुख्य नगर पालिका अधिकारी को सूचनार्थ पत्र मे प्रेसिडेंट इन कौंसिल एवं सलाहकार समिति भंग किये जाने बावत् प्रेषित किया गया है जिसकी जानकारी समस्त विभाग को भी सूचनार्थ हेतु आग्रह किया गया है गौरतलब है कि नगर पालिका अध्यक्ष के उक्त निर्णय से भाटापारा शहर के राजनीतिक गलियारों मे हलचल मच गई है व चर्चा का विषय हैं वही नगर पालिका के पीआईसी भंग हो जाने के बाद नये पीआईसी का गठन 15 दिवस के अंतर्गत करना होता है जबकि नगर पालिका मे चुने हुये जनप्रतिनिधियों का कार्यकाल अब लगभग 40 दिन बचा हुआ है वही नगरपालिका के अंतर्गत नगरवासियों व जनहित से जुडे कई जनहित से जुडे कार्य, मुद्दे व आवेदन पीआईसी परिषद के स्वीकृति के लिये कई महिनों से पेडिंग पडा हुआ है परंतु पीआईसी का बैठक नही हो पा रहा था जिसका अंतिम नतीजा पीआईसी भंग के रुप मे सामने आया है।

श्रद्धालु बस को हरी झंडी दिखाकर किया गया रवाना

पायनियर संवाददाता ➤ गरियाबंद
www.dailypioneer.com

राज्य शासन द्वारा राज्य के राम भक्तों के लिए रामलला दर्शन हेतु रामलला दर्शन अयोध्या धाम योजना की शुरुआत की गई है। इसके अंतर्गत दर्शनार्थियों को अयोध्या धाम का निःशुल्क दर्शन कराया जा रहा है। शासन द्वारा प्रत्येक जिलों से चयन कर सभी श्रद्धालुओं को ट्रेन के माध्यम से उन्हें रामलला के दर्शन के लिए ले जाया जा रहा है। इसी क्रम में स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने गरियाबंद जिले से भी दर्शनार्थियों से युक्त 2 बसों को हरी झंडी दिखाकर आज सुबह कलेक्ट्रेट परिसर से रामलला दर्शन अयोध्या धाम के लिए रवाना किया। जिले के कुल 94 दर्शनार्थी आज रवाना हुए। इस दौरान समाज कल्याण के उप संचालक डी.पी ठाकुर ने सभी यात्रियों को शुभकामनाएं देते हुए सुखद एवं मंगलमय यात्रा की कामना की। 94 श्रद्धालुओं में उनके देख-देख के लिए 4 अनुरक्षक भी शामिल है। चयनित तीर्थ यात्रियों को बस से रायपुर के लिए रवाना किया गया। रायपुर रेलवे स्टेशन से स्पेशल ट्रेन द्वारा रामलला दर्शन अयोध्या धाम की यात्रा के लिए ले जाया जाएगा। यात्रा पश्चात तीर्थयात्रियों की जिला वापसी होगी। इस अवसर पर समाज कल्याण विभाग से आदित्य लाम्बे, लीलाराम ध्रुव, गुरु शरण साहू, लीलेश, चितेन्द्र पटेल सहित अन्य अधिकारी कर्मचारी मौजूद रहे। अयोध्या जाने वाले श्रद्धालुओं ने बताया कि विष्णुदेव साय सरकार ने रामलला दर्शन के सपने को साकार किया है। सरकार की मदद से अयोध्या जाने का सौभाग्य प्राप्त हुआ है। अयोध्या में रामलला स्थापना पश्चात वहा जाने की बहुत इच्छा थी। शासन ने वहा जाने में मदद की। श्रद्धालुओं की अयोध्या जाने की इच्छा पूरी करने वाली इस योजना के लिए जिले के श्रद्धालु ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय का आभार जताया।

विशेषज्ञों के देखरेख में बाघ का सफल बचाव अभियान

पायनियर संवाददाता ➤ बलौदाबाजार
www.dailypioneer.com

जिला बलौदाबाजार-भाटापारा के कसडोल तहसील अंतर्गत पिछले 8 माह से विचरण कर रहे बाघ को ग्राम कोट में बाघ के विचरण होने की सूचना प्राप्त हुई.सूचना प्राप्त होते ही वन विभाग एवं वन्यप्राणी चिकित्सा अधिकारी कानन पेण्डारी चिड़ियाघर बिलासपुर डॉ. पी.के. चंदन वन्यप्राणी चिकित्सा अधिकारी नंदन वन जू एवं जंगल सफारी नवा रायपुर डॉ. राकेश वर्मा तथा डॉ रश्मिलता राकेश पशु चिकित्सा अधिकारी कसडोल के टीम द्वारा तत्काल ग्राम कोट पहुंच कर ग्रामीण धीराजी पिता रविशंकर के बाड़ी में रखे पैरा के ढेर में छुपे बाघ को ट्रैक्यूलाईज करने की प्रयास किया गया। जिसमें बाघ ग्राम कोट से निकल कर कसडोल के पेट्रोल पम्प के पीछे की तरफ आ गये। डॉ.पी.के. चंदन वन्यप्राणी चिकित्सा अधिकारी कानन पेण्डारी चिड़ियाघर बिलासपुर द्वारा दुबारा प्रयास किया गया और बाघ को ट्रैक्यूलाईज करने में सफल हुए तथा परीक्षण हेतु तत्काल रक्त का नमुना एवं बाघ के मॉनिटरिंग हेतु रेडियो कॉलर लगाकर बाघ को रिवाइवल किया गया। इस अभियान के दौरान बाघ को किसी भी प्रकार की शारीरिक चोट नहीं पहुँची। पशु चिकित्सक अनुसार बाघ स्वस्थ अवस्था में चिकित्सकों की निगरानी में है। इस मौके पर मुख्य रूप से मुख्य वन संरक्षक एवं वन बल प्रमुख रायपुर व्ही निवास राव प्रधान, अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक (व.प्रा.) प्रेम कुमार, मुख्य वन संरक्षक रायपुर वृत्त रायपुर राजु अगसिमनी, मुख्य वन संरक्षक (व.प्रा.) एवं क्षेत्र संचालक उदन्ती सीतानदी टायगर रिजर्व रायपुर सतोविशा समाजदार, वनमण्डल अधिकारी बलौदाबाजार मयंक अग्रवाल, आनंद कुदरया अधीक्षक बारनवापारा अभ्यारण्य तथा वन मण्डल बलौदाबाजार के समस्त समस्त अधिकारी/ कर्मचारी उपस्थित रहें।

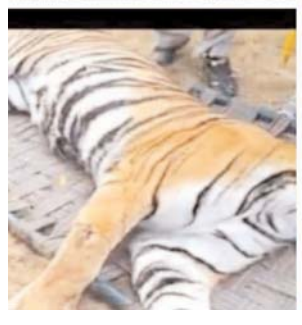

संविधान सिर्फ मंचों पर दिखाने की एक पुस्तक नहीं, बल्कि पूर्ण श्रद्धा से आत्मसात कर सार्वजनिक जीवन में अपना सर्वोच्च योगदान देने की कुंजी है : शिवरतन शर्मा

पायनियर संवाददाता ➤ भाटापारा
www.dailypioneer.com

75वें संविधान दिवस के अवसर पर भाटापारा गोविंद सारंग विधि महाविद्यालय में आयोजित संविधान दिवस कार्यक्रम में उपाध्यक्ष भाजपा छत्तीसगढ़ शिवरतन शर्मा सम्मिलित हुए। वहां उपस्थित सभी जनो को संबोधित करते हुए शिवरतन शर्मा ने बताया कि भाटापारा विधि महाविद्यालय पूरे प्रदेश का पहला विधि महाविद्यालय है,ये शिक्षा के क्षेत्र में एक अहम कड़ी है जिसका लाभ आस पास के सभी विद्यार्थियों के साथ साथ पूरे प्रदेश को मिल रहा है। संविधान दिवस पर सभी को शुभकामनाएं देते हुए शिवरतन शर्मा ने आगे कहा कि हमारा संविधान ने हमें स्वतंत्र एवं सम्मानपूर्वक जीने का अधिकार दिया है.अपने विचारों एवं भावनाओं को बिना किसी बाधा के अभिव्यक्त करने की शक्ति दी है। हम किसी भी धर्म, संप्रदाय, जाति के हों, सभी को समानता का अधिकार प्राप्त है। शिवरतन शर्मा ने कहा कि हमारा संविधान हमारे देश की सोच को दर्शाता है.मुझे अपने देश और देश के संविधान पर गर्व है, यह दिन संविधान निर्माताओं को याद करने का दिवस है। उनके समर्पण और सूझ-बूझ को याद करने का दिवस है. यही संविधान नए भारत की नींव है। भारत की कानून व्यवस्था पूरे समाज को सुरक्षा, सशक्त और संबल प्रदान करती है, इसका हमें ईमानदारी से पालन करना चाहिए। शिवरतन शर्मा ने आगे कहा कि भारत में पूरे उत्साह से संविधान की 75वीं वर्षगाँठ मना रहे है, बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर जी सहित संविधान के सभी शिल्पियों के योगदान को चिरस्मरणीय बनाने के लिए मोदी ने 'संविधान दिवस' मनाने की शुरुआत की। हमारा विश्वास है कि संविधान सिर्फ मंचों पर दिखाने की एक पुस्तक नहीं, बल्कि पूर्ण श्रद्धा से आत्मसात कर सार्वजनिक जीवन में अपना सर्वोच्च योगदान देने की कुंजी है। आइए इस संविधान दिवस पर एक सशक्त, समृद्ध और आत्मनिर्भर भारत बनाने का संकल्प लें। उक्त कार्यक्रम में जनभागीदारी अध्यक्ष पवन वर्मा, सुरेश यदु, अनिल मिश्रा, रवि वर्मा, मुकेश चतुर्वेदी, अभिषेक मिश्रा, धनराज वर्मा, विधि महाविद्यालय प्राचार्य रीता दीवान, महाविद्यालय स्टाफ सहित छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।

विष्णु देव सरकार में श्रमिकों का भरोसा फिर लौटा, हर श्रमिक तक पहुंच रही भाजपा सरकार की योजना

उपाध्यक्ष भाजपा छत्तीसगढ़ शिवरतन शर्मा ने कृषि उपज मंडी भाटापारा के पास शहीद वीर नारायण सिंह श्रम अन्न योजना अंतर्गत निर्माण, संगठित एवं असंगठित वर्ग के श्रमिकों के लिए 05 रूपए में भरपेट भोजन की व्यवस्था हेतु दाल-भात केंद्र का शुभारंभ किया। इस दौरान शिवरतन शर्मा ने स्वयं भी श्रमिकों के बीच जाकर भोजन किया। उपाध्यक्ष भाजपा शिवरतन शर्मा ने इस अवसर पर विभाग अंतर्गत संचालित योजनाओं की जानकारी देते हुए कहा कि श्रम विभाग से जुड़े कुल तीन मंडल अंतर्गत 72 योजनाएं संचालित है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सभी योजनाओं में हितग्राहियों को सामग्री प्रदान करने की बजाय सीधे उनके खाते में राशि देने की पहल किया है। इससे हितग्राही को सीधा लाभ पहुंचता है। उन्होंने कहा मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के द्वारा गरीबों के कल्याण के लिए कार्य किया जा रहा है। शिवरतन शर्मा ने आगे कहा कि श्रम विभाग की योजना श्रमिकों के लिए है, छत्तीसगढ़ का कोई भी श्रमिक योजनाओं से वंचित न रहे, उन्हें लाभ जरूर मिले। कृषि उपज मंडी के पास दाल-भात केंद्र का शुभारंभ करते हुए शिवरतन शर्मा ने कहा कि इस योजना के लिए मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के प्रयास से गरीब मजदूरों को किफायती दर में दाल-भात केंद्र से भोजन प्राप्त होगा। उन्होंने कहा कि प्रदेश में महतारी वंदन योजना के माध्यम से सभी महिलाओं को साल के 12 हजार रूपए का लाभ मिलने, किसानों को 3100 रूपए समर्थन मूल्य तथा तेंदूपत्ता संग्राहकों को 5500 रूपए मानक बोरा सहित अन्य योजनाओं से लाभान्वित करने का प्रयास किया जा रहा है। उक्त अवसर पर राकेश तिवारी, सुनील यदु, योगेश अंनत, महाबल बघेल, राजा कामनानी, पुरुषोत्तम यदु, उमाशंकर वर्मा, सतीश साहू, मुकेश साहू, मो.हारून, नारायण साहू, चेतन वर्मा, आयशा खान, मधु सोनी, ऋतु यादव, सहित श्रम विभाग के अधिकारी कर्मचारी एवं श्रमिक और आम नागरिकगण उपस्थित थे।

संविधान की रक्षा के लिए विद्यार्थियों ने ली शपथ, किया कविता पाठ

पायनियर संवाददाता ➤ जगदलपुर
www.dailypioneer.com

भगत सिंह हायर सेकेंडरी स्कूल में संविधान दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर संविधान की प्रस्तावना एवं शपथ दिलाई गई। संविधान दिवस के कार्यक्रम में प्राथमिक माध्यमिक और हायर सेकेंडरी स्कूल के समस्त विद्यार्थी गण एवं शिक्षक, शिक्षिकाएं उपस्थित रहे। शाला के व्याख्याता चंद्र प्रकाश देवांगन ने कार्यक्रम का संचालन करते हुए संविधान की शपथ दिलाई। कक्षा ग्यारहवीं की छात्र कुमारी महिमा ने संविधान दिवस पर कविता पाठ किया एवं संविधान की रूपरेखा एवं संविधान की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए हुए अपने लेख प्रकाशित किया। व्याख्याता चंद्र प्रकाश देवांगन ने बताया कि 2015 में डॉक्टर भीमराव अंबेडकर की 125 में जयंती के अवसर पर संविधान दिवस मनाने की परंपरा भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने शुरुआत की। तब से प्रति वर्ष हम 26 नवंबर को संविधान दिवस मनाते आ रहे हैं। संविधान भारत की आत्मा है। यह संपूर्ण प्रभूतत्व संपन्न भारतीय गणराज्य की घोषणा करता है और संविधान के नियमों से भारत के सभी नागरिकों का परिचय कराता है। शाला की प्राचार्य विनीता बेंजामिन सभी शिक्षकों और विद्यार्थियों को संविधान दिवस की उपयोगिता बताते हुए शुभकामनाएं प्रदान की। व्याख्याता किरण चौहान ने इस अवसर पर संविधान दिवस पर अपने सारगर्भित विचार व्यक्त किया। व्याख्याता अनिल शुक्ला ने संविधान दिवस पर अपने स्वरचित कविता का पाठ करते हुए नारे लगाए। व्याख्याता नीतू शर्मा ने इस अवसर पर रंगोली, नुक्कड़ नाटक, चित्रकला, पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन विद्यार्थियों से करवाया। रंगोली प्रतियोगिता में कुमारी कविता, महिमा, हर्षिता, साक्षी, माहेश्वरी, कल्पना, वासिनी, सपना, नेहा और चित्रकला में हरीश, सुनेमियां, हेमंत प्रीत राज, लवेश, दिव्या, वंदना बघेल, लक्ष्मी बिस्वाल, लक्ष्मी साहू, हर्षिता, खुशबू, नंदिनी, अरुण आदि विद्यार्थियों ने भाग लिया। इस अवसर पर अंबेडकर पार्क में नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया गया। संविधान दिवस पर गीत-गीता से ना चलता है, ना चलता है कुरान से, मेरा भारत चलता है, भारत के संविधान से गीत प्रस्तुत किया गया। जिसे सारे बच्चों एवं शिक्षकों ने गाया। मानव श्रृंखला बनाकर हर्षोल्लास के साथ संविधान दिवस कार्यक्रम का समापन हुआ।

भगवान सहस्त्र बाहु जयंती पर कलार समाज ने किया युवक युवती परिचय सम्मेलन का आयोजन

पायनियर संवाददाता ➤ बेमेतरा
www.dailypioneer.com

ग्राम रेवे में समस्त ग्राम वासी कलार समाज के तत्वावधान में भगवान सहस्त्र बाहु जयंती हर्षोल्लास के साथ मनाया गया कार्यक्रम का शुभारंभ भव्य कलश यात्रा के साथ प्रारंभ हुआ मंगल कलश ग्राम भ्रमण के पश्चात भगवान सत्यनारायण की पूजा अर्चना हुआ। इसके पश्चात जिले एवं प्रदेश से पहुंचे हुए विवाह योग्य युवक युवतियों ने परिचय सम्मेलन में बढ़चढकर हिस्सा लिया कार्यक्रम के मुख्य अतिथि क्षेत्र के सासद विजय बघेल ने अपने उद्बोधन में कहा कि सामाजिक एकता में ही राष्ट्र का विकास निहित है शिक्षा स्वास्थ्य एवं संस्कृति में कलार समाज उन्नति की ओर अग्रसर है जो सामाजिक एकता एवं जागरूकता का प्रतीक है कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे ग्राम प्रमुख दिनेश सिन्हा ने अपने उद्बोधन में सभी अतिथियों का स्वागत सम्मान किया पश्चात कार्यक्रम संयोजक रघुवीर सिंहा (पिटू) ने अपने उद्बोधन में सामाजिक विकास को ध्यान में रखते कुछ मांग मुख्य अतिथि के समक्ष रखा जिसे सभी ने अभिनंदन करते हुए अतिशीघ्र मांग पूरा करने का आश्वाशन दिया कार्यक्रम में स्थानीय विधायक दीपेश साहू ने भी शिरकत किया एवं कहा कि सामाजिक विकाश तभी संभव है जब हम समाज के अनुसार संस्कृति का अनुपालन करे अंत में सभी अतिथियों का शाल एवं फल से सम्मान किया गया इस अवसर पर पूर्व विधायक अवधेश सिंह चंदेल जनपद अध्यक्ष बेरला प्रीतम सिंह चंदेल विजय सिन्हा पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष होरीलाल सिन्हा जिला संयोजक राजितिक प्रकोष्ठ पुसउ राम सिन्हा देवलाल सिन्हा प्रदेश उपाध्यक्ष युवा मंच होलु राम साहू धनेश्वरी दिनेश कौशल सरपंच डामन सिन्हा पूर्व प्रदेश कोषाध्यक्ष डॉ ईश्वर सिंहा मंडलेश्वर बेरला बिंदिया जयसवाल जिला अध्यक्ष महिला मंच शिवझडी सिन्हा अध्यक्ष जिला बेमेतरा गीता सिन्हा कामता सिन्हा तिहारु सिन्हा कृष्ण कुमार सिन्हा मदन लाल सिन्हा मनोज सिन्हा अध्यक्ष युवा मंच बेरला नंदीश्वर सिन्हा रोहित सिंहा नेता गोलू सिन्हा राजेश सिन्हा नोत्री सिन्हा रेखा सिन्हा अनुज जयसवाल बेमेतरा मंडल केसरी नंद सिंहा थान खमरिया सचिव राजेश जयसवाल उमाशंकर जयसवाल सोमप्रकाश सिन्हा जैन कुमार सिन्हा बिसाहू राम सिन्हा चेतन सिन्हा भरत सिन्हा सचिव धनराज सिंहा युवा प्रमुख संजय सिन्हा महिला प्रमुख चित्ररेखा सिन्हा एवं समस्त कार्यकारिणी एवं युवा टीम सहित ग्राम कलार समाज ग्राम रेवे उपस्थित थे।

एससी-एसटी कर्मचारी कल्याण समिति किरन्दुल द्वारा मनाया गया संविधान दिवस

पायनियर संवाददाता ➤ किरन्दुल
www.dailypioneer.com

किरन्दुल स्थित एनएमडीसी परियोजना की अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति कर्मचारी कल्याण समिति के तत्वाधान में 75 वां संविधान दिवस मनाया गया। सर्वप्रथम बैंक चौक पर स्थित डॉ. भीमराव रामजी अम्बेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया एवं उपस्थित लोगों को संविधान दिवस की शुभकामनाएं दी गई। मौके पर एनएमडीसी मुख्य महाप्रबंधक संजीव साही, महाप्रबंधक उत्पादन आर राजाकुमार,उपमहाप्रबंधक बी के माधव, समिति के अध्यक्ष बी एल तारम, सचिव दामोदर नाग, एसकेएमएस सचिव राजेश संधू, प्रदीप नामदेव, देवनारायण, एस जेड हसन, त्रिलोक बांधे एवं अन्य लोग उपस्थित थे।

ग्राहक बन दुकान में आया चोर, दो मोबाइल शॉप से दो महंगे मोबाइल कर दिया पार

चोरी की वारदात कैमरे में हुई कैद

पायनियर संवाददाता ➤ भानुप्रतापपुर
www.dailypioneer.com

दो-चार दिनों से लगातार भानुप्रतापपुर के कई मोबाइल दकानों अपनी नजर बनाए हुए रखा है। यहां के दुकानों में वह मोबाइल देखता है और मोबाइल का ऑर्डर देकर वहा से मोबाइल पार कर देता है। दो दिनों में दो मोबाइल शॉप से दो नग महंगे मोबाइल को चोरी कर लिया है। मोबाइल संचालकों द्वारा पुलिस को इसकी जानकारी दे दी गई है पलिस सीसीटीवी फुटेज के आधार पर चोर का पता तलास में जुट गई है। मिली जानकारी अनुसार भानुप्रतापपुर स्थित नवकार मोबाइल शॉप पर ग्राहक बनकर आए एक शातिर चोर ने पहले मोबाइल देख नया मोबाइल

का आर्डर दिया और संचालक की नजर हटते ही एक महंगे मोबाइल लेकर फरार हो गया। पीड़ित ने घटना का सीसीटीवी फुटेज उपलब्ध करवाया है। संचालक मितेश बोथरा ने बताया 23 नवंबर को उसके दुकान में एक व्यक्ति आया और नया मोबाइल फोन का आर्डर कर बगल में रखे सैमसंग नोट 20 मोबाइल पार कर दिया। उन्होंने बताया यह मोबाइल एक ग्राहक ने बनने के लिए दिया था। आज जब ग्राहक आया और अपना मोबाइल मांगा तो डब्बा खोल कर देखा तो मोबाइल नहीं था। शंका होने पर उन्होंने सीसीटीवी फुटेज देखा। उन्होंने बताया इस मोबाईल फोन कीमत 80 हजार रूपए है।वही भानुप्रतापपुर स्थित रेडियो कार्नर दुकान से भी एक नग मोबाईल फोन को पार कर दिया है। संचालक ने बताया मोबाईल कीमत 16 हजार रुपए है।

04 सूत्रीय मांग को लेकर प्लेसमेंट कर्मचारियों ने किरन्दुल नगरपालिका अध्यक्ष को सौंपा ज्ञापन

पायनियर संवाददाता ➤ किरन्दुल
www.dailypioneer.com

नगरीय निकाय प्लेसमेंट कर्मचारी महासंघ के बैनर तले 4 सूत्रीय मांग को लेकर अनिश्चित कालीन हड़ताल पर बैठे हुए हैं। हड़ताल के आठवें दिवस प्लेसमेंट कर्मचारियों ने नगरपालिका परिषद किरंदुल अध्यक्ष मृणाल रॉय को ज्ञापन सौंपा। नगरपालिका अध्यक्ष ने भी मांगों को पूर्ण करने हेतु परिषद का समर्थन प्रदान कर शासन को कर्मचारियों की मांग पूर्ण करने हेतु अपना समर्थन दिया।

विद्यार्थियों ने निकाली रैली, संविधान दिवस पर अमृत सरोवर स्थल पर किया गया पौधरोपण

■ मनरेगा अमृत सरोवर स्थल पर मनाया गया संविधान दिवस

पायनियर संवाददाता ➤ जांजगीर-चांपा
www.dailypioneer.com

महात्मा गांधी नरेगा के अंतर्गत निर्मित अमृत सरोवर स्थल पर 26 नवंबर को संविधान दिवस का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विविध कार्यक्रमों एवं गतिविधियों का आयोजन भी किया गया। इस आयोजन के माध्यम से अमृत सरोवर तालाब किनारे ग्रामीणों, छात्र-छात्राओं, स्व सहायता समूह की महिलाओं, जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों, कर्मचारियों को संविधान के प्रति जागरूक करते हुए उनके अधिकारों एवं कर्तव्यों के महत्व के बारे में बताया गया। कार्यक्रम की शुरुआत संविधान निर्माता डॉ भीमराव अंबेडकर के तैलचित्र पर माल्यार्पण कर एवं भारतीय संविधान की

प्रस्तावना को सामूहिक रूप से वाचन किया गया। इस अवसर पर अमृत सरोवर स्थल में पौधरोपण भी किया गया। जिले में 26 नवम्बर को संविधान दिवस जनपद पंचायत बलौदा, अकलतरा, बम्हनीडीह, नवागढ़, पामगढ़ में अमृत सरोवर स्थल पर आयोजित किया गया। इस दौरान बताया गया कि संविधान दिवस हमारे देश के लोकतांत्रिक ढांचे की आधारशिला के रूप में हमारे मूल्यों की याद दिलाता है। इस ऐतिहासिक दिन को स्मरणीय बनाने के लिए, देशभर के अमृत सरोवर स्थलों पर एक विशेष समारोह का आयोजन किया जा रहा हैं।

संविधान दिवस के मौके पर स्थानीय समुदायों, अमृत सरोवर उपयोगकर्ता, स्व सहायता समूहों, जॉबकार्डधारी परिवार, अधिकारी, कर्मचारियों इसके सहभागी बने। तो वहीं दूसरी ओर छात्र-छात्राओं के लिए विभिन्न प्रकार की प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। बलौदा जनपद पंचायत की ग्राम पंचायत जाटा में संविधान निर्माता बाबा साहेब डॉ भीमराव अंबेडकर के तैलचित्र पर माल्यार्पण करते हुए संविधान की प्रस्तावना का वाचन किया गया। इस अवसर पर अमृत सरोवर स्थल पर पौधरोपण भी किया गया। इसके अलावा पुरैना, रैनपुर में भी संविधान दिवस मनाया गया।

जनपद पंचायत अकलतरा की ग्राम पंचायत बिरकोनी, जनपद पंचायत बम्हनीडीह की ग्राम पंचायत सोनाईडीह, पोडीकला, मौहाडीह च, सिलादेही, नवागढ़ जनपद पंचायत की ग्राम पंचायत नवापारा, नावापार, धुरकोट आदि ग्राम पंचायतों में संविधान दिवस का आयोजन किया गया।

राईस मिल में बड़ी कार्रवाई: 11280 क्विंटल धान और 2300 क्विंटल चावल जप्त

बेमेतरा। जिले में सीएमआर (कस्टम मिलिंग राइस) चावल जमा करने में राईस मिलरों की धीमी गति को देखते हुए प्रशासन ने कड़ी कार्रवाई शुरू कर दी है। इसी क्रम में कलेक्टर के निर्देश पर खाद्य विभाग की टीम ने बेरला विकासखंड के ग्राम अकोली स्थित मेसर्स राधेश्याम फूड्स राईस मिल पर आकस्मिक जांच की।जांच के दौरान 2472.78 क्विंटल धान, जो कस्टम मिलिंग के लिए फर्म द्वारा उठाया गया था, कम पाया गया। यह छत्तीसगढ़ कस्टम मिलिंग चावल उपार्जन आदेश 2016 के प्रावधानों का स्पष्ट उल्लंघन है। इसके तहत फर्म में मौजूद 11280 क्विंटल धान और 2300 क्विंटल चावल जप्त कर लिया गया। सुरक्षा के दृष्टिकोण से इसे फर्म की सुपुर्दगी में रखा गया है। कलेक्टर ने प्रकरण दर्ज कर फर्म को कारण बताओ नोटिस जारी किया है और भविष्य में सख्त कार्रवाई की चेतावनी दी है। खरीफ विपणन वर्ष 2023-24 में समय-सीमा के भीतर सीएमआर चावल जमा न करने वाले अन्य मिलरों पर भी लगातार जांच और कार्रवाई जारी है।

बेसिक स्कूल मैदान में सुविधाएं दिलाने की मांग अन्यथा आन्दोलन की चेतावनी

पायनियर संवाददाता ➤ बेमेतरा
www.dailypioneer.com

बेसिक स्कूल मैदान में सुविधाएं दिलाने की मांग खिलाड़ीयों के द्वारा किया गया है इस संबंध में बेमेतरा नगरपालिका के मुख्य नगर पालिका अधिकारी को दिए गए ज्ञापन के माध्यम से बताया कि हम मार्निंग क्लब, बेमेतरा के खिलाड़ी जो सुबह तथा रात में बेसिक स्कूल मैदान में विभिन्न प्रकार के खेल का अभ्यास करते है। वहीं मैदान पर कुछ असामाजिक तत्वों के द्वारा बड़ी वाहनों को घुसा दिया जाता है। उसके साथ ही मैदान में शराब सेवन करके शराब ही बोतलों को फोड़ देते है। जिसके चपेट में आकर कई खिलाड़ी चोटिल हो चुके है। जिसके रोक के लिए मैदान को चारों ओर से दिवाल खड़ी कर बन्द करना आवश्यक है। साथ ही मैदान के चारों तरफ लाखों रुपए की लागत से लाईट लगाया गया था। जो आज की स्थिति में कुछ लाईटो को छोड़कर बाकी सभी लाईट खराब (बन्द) है। मैदान पर अनेको कार्यक्रम आयोजित होता है। लेकिन पीने के पानी की व्यवस्था नहीं है। इस लिए मैदान में एक बोर पम्प खुदाने की आवश्यकता है तथा मैदान में प्रवेश के लिए मेन गेट पर छोटा गेट बनवाया जायें, जिससे बड़ी वाहन पर रोक लग सकें। के रसके साथ ही जल्द से जल्द मैदान में लो लाइट के खम्बों में लाइट लगाया जायें आगे बताया कि जल्द से जल्द खिलाडियों के मांग को ध्यान में रखते हुए उक्त सुविधाओं के पुरा किया जाएं अन्यथा सभी खिलाड़ी गण नेशनल हाईवे मार्ग (शहर- के भीतर) में प्रतिदिन सुबह क्रिकेट खेल कर विरोध प्रदर्शन इन बाध्य हो जायेंगे । जिसकी समस्त जवाबदारी शासन-प्रशासन की होगी ज्ञापन में लोचन वर्मा, निहित वर्मा, गोलू, गणेश, मैडी सुरेन्द्र धीवर, टोमन यादव, तरुण साहु, विक्की वर्मा का हस्ताक्षर हैं।

भानुप्रतापपुर में मना संविधान दिवस,संविधान निर्माता बाबासाहेब को दी श्रद्धांजलि

नारायणपुर में मनाया गया संविधान दिवस डॉ.आंबेडकर को याद कर स्वच्छता की ली शपथ

पायनियर संवाददाता ➤ भानुप्रतापपुर
www.dailypioneer.com

ग्राम पंचायत नारायणपुर में मंगलवार को संविधान दिवस मनाया गया। इस अवसर पर आंबेडकर चौक पर डॉ. बाबा साहब आंबेडकर की छाया चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें याद किया। साथ ही विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।इस दौरान सरपंच दयाबती दुग्गा, भेनू दुग्गा, हरिलाल पटेल उप सरपंच, विमला नेताम, देविका तुलावी, भेनेंद्र दुग्गा, पुरषोत्तम दर्रो, नूतन दरों, तुलसी यदु समेत ग्रामीण मौजूद रहे। इस मौके पर स्वच्छता की शपथ ली गई।

स्वच्छता की ली शपथ-महात्मा गांधी ने जिस भारत का सपना देखा था उसमें सिर्फ राजनैतिक आजादी ही नहीं थी, बल्कि एक स्वच्छ एवं विकसित देश की कल्पना भी

थी। महात्मा गांधी ने गुलामी की जंजीरों की तोड़कर माँ भारती को आजाद कराया।अब हमारा कर्तव्य है कि गंदगी को दूर करके भारत माता की सेवा करें। मैं शपथ लेता हूँ कि मैं स्वयं स्वच्छता के प्रति सजग रहूंगा और उसके लिए समय दूंगा।

भानुप्रतापपुर में मना संविधान दिवस, संविधान निर्माता बाबासाहेब को दी श्रद्धांजलि-भानुप्रतापपुर स्थित भारत र डॉ भीम राव आंबेडकर की प्रतिमा स्थल के पास अनुसूचित जनजाति और अनुसूचित जाती द्वारा धूमधाम से संविधान दिवस मनाया। डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया और उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर भारत र डॉ. भीमराव अंबेडकर को लोकतंत्र के लिए संविधान लिखने पर धन्यवाद दिया। इस मौके पर भारत के संविधान उद्देसिका का वाचन भी किया गया। इस अवसर पर बौद्ध समाज अध्यक्ष वरुण खपार्डे, किरण डोंगरे, सर्व आदिवासी समाज के अध्यक्ष कृष्णा टेकाम, चेतन मरकाम, भीखम आरदे, कांति गजभिये, विष्णु कचलाम, राजेंद्र मेश्राम, देवदत्त खोबरागाडे, ओमप्रकाश मेश्राम, ऊके , रितेश गडकरी अभिषेक मेश्राम, भीम गोस्वामी आदि बड़ी संख्या मे समाज के लोग उपस्थित रहे। इस मौके पर अध्यक्ष वरुण खापर्डे ने कहा कि 26 नवंबर 1949 को भारत गणराज्य का संविधान बनकर तैयार हुआ था। हरेक साल संविधान दिवस श्रद्धा और निष्ठा के साथ मनाया जाता है। उन्होंने कहा अपने अधिकारों और न्याय के लिए हमेशा सजग रहें डॉ. अंबेडकर ने कठिन परिस्थितियों में एक ऐसा संविधान तैयार किया जिसमें सभी को समान अधिकार मिले। खासकर महिलाओं को बराबरी का अधिकार दिया गया। आज भारत का संविधान दुनिया के सबसे अच्छे संविधानों में गिना जाता है। हमें संविधान को पढ़ना और पालन करना चाहिए, ताकि हम अपने अधिकारों और न्याय के लिए हमेशा सजग रहें।

संस्कार वैली स्कूल में संविधान दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया-भानुप्रतापपुर के संस्कार वैली स्कूल में मंगलवार 26 नवंबर 2024 को संविधान दिवस बड़े उत्साह और गरिमा के साथ मनाया गया। इस अवसर पर कक्षा दसवीं और आठवीं के छात्रों ने नाट्य रूपांतरण के माध्यम से संविधान की महत्वता और उसके मूल सिद्धांतों को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया। प्रार्थना सभा का संचालन भी पूरी तरह से संविधान दिवस पर केंद्रित था। इसमें छात्रों ने मौलिक कर्तव्य, मौलिक अधिकार, डॉ. भीमराव अंबेडकर के योगदान, और प्रश्नोतरी प्रतियोगिता जैसे विषयों पर विचार साझा किए। कार्यक्रम में स्कूल निदेशक रितेश संचेती, प्रधानाचार्य हेमलता कोठारी, पवन शांडिल्य, भूपेंद्र कोठारी, रवि सहारे, और सभी शिक्षकों ने उपस्थित रहकर छात्रों के प्रयासों की सराहना की।

नाम परिवर्तन

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मै अजय कुमार साहू, पिता श्री एस.एल.साहू निवासी बंगला न.-94, एश्वर्या एम्पायर, अंवती विहार, रायपुर पिन 492006 (छ.ग.) यह शपथ करता हू कि PAN CARD में जिसका विवरण निम्नानुसार है:-

PAN No.- AKDPS 9605A
Name- AJAY KUAMR SAHU
Father's name - SOLO SAHU
Date of Birth- 19-11-1961

वास्तविक विवरण निम्नानुसार है:-

PAN No.- AKDPS 9605A
Name- AJAY KUMAR SAHU
Father's name - S.L. SAHU
Date of Birth- 19-11-1961

अतः आज से मुझे समस्त शासकीय/अर्द्धशासकीय व अन्य दस्तावेजों में PAN CARD के वास्तविक विवरण अनुसार से ही जाना, पहचाना जावें।

AJAY KUMAR SAHU
Father's Name - S.L. SAHU
बंगला न.-94, एश्वर्या एम्पायर, अंवती विहार, रायपुर पिन 492006 (छ.ग.)

आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड

(पूर्व कैपिटल फर्स्ट लिमिटेड और अब आईडीएफसी बैंक लिमिटेड से सम्मेलित)
CIN : L65110TN2014PLC097792
पंजीकृत कार्यालय : केआरएम टावर्स, ८वीं मंजिल, हैरिंगटन रोड, चेटपेट, चेन्नई - 600031. फोन: +91 44 4564 4000 फैक्स: +91 44 4564 4022.

IDFC FIRST Bank

परिशिष्ट 4 [देखे नियम 8(1)]
कब्जे की सूचना (अचल संपति हेतु)

जैसे की, अधोहस्ताक्षरीत, आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड **आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड (पुर्व कैपिटल फर्स्ट लिमिटेड और अब आईडीएफसी बैंक लिमिटेड से सम्मेलित)** के अधिकारी द्वारा सिक्युरिटायझेशन एंड रिकन्स्ट्रक्शन ऑफ फायनान्शिअल एसेट्स एंड एन्फोर्समेंट ऑफ सिक्युरिटी इंटरेस्ट एक्ट, 2002 के अनुसार और संबंधित कानून के अनुच्छेद 13(12) सहवाचन सिक्युरिटी इंटरेस्ट (एन्फोर्समंट) रुल्स, 2002 के नियम 3 के तहत प्राप्त अधिकारों का इस्तेमाल करते हुए **दि. 24.08.2024** को सूचना जारी कि गयी । कर्जदार **1. दुर्गेश कुमार सेन, 2. थनवरीन सेन 3. ममता सेन, 4. नुकेश सेन, 5.गौरी सेन** सहकर्जदार को संबंधित सूचना में निर्दिशत रकम के अनुसार **रु. 17,25,173.49/- (रुपये सत्रह लाख पच्चीस हजार एक सौ तिहत्तर और उनचास पैसे मात्र)** की प्रदान मांग सूचना की तिथि से प्रदान/वसुली की तिथि तक आगे का ब्याज एवं अन्य प्रभार का प्रदान संबंधित सूचना की प्राप्ति की तिथि से 60 दिनों के भीतर करेने हेतु निर्देश देने वाली मांग सूचना **दि. 23.08.2024** जारी की गई थी ।

इस सूचना के जारी होने पर भी कर्जदार और सहकर्जदारों द्वारा संबंधित राशी को प्रदान करने में सक्षम नही होने के कारण यह सूचना कर्जदारों तथा आम जनता को दी जाती है कि, अधोहस्ताक्षरित ने सम्पत्ति का **प्रतीकात्मक कब्जा** नियम 8 सहवाचन इस कानून के अनुच्छेद 13 (4) के तहत उन्हें प्राप्त अधिकारों का इस्तेमाल करते हुए निम्न निर्देशित संपत्तिका **दि. 21.11.2024** को प्रतिकात्मक कब्जा लिया है ।

विशेष रुप से उपरी निर्देशित कर्जदार और सहकर्जदारों को और आम जनता को आगाह किया जाता है कि, वे इस संपत्ति के संदर्भ में व्यवहार न करें और संपत्ति के संबंध में किया गया कोई भी व्यवहार **आईडीएफसी आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड (पुर्व कैपिटल फर्स्ट लिमिटेड और अब आईडीएफसी बैंक लिमिटेड से सम्मेलित)** के प्रभारों के तहत रकम **रु. 17,25,173.49/- (रुपये सत्रह लाख पच्चीस हजार एक सौ तिहत्तर और उनचास पैसे मात्र)** और मांग सूचना की तिथि से प्रदान / वसुली की तिथि तक आगे का ब्याज एवं अन्य प्रभार आदी रकम के अधीन होगा।

उधारकर्ताओं का ध्यानकर्षण किया जाता है कि वे धारा 13 की उपधारा (8) के प्रावधान के तहत उपलब्ध समय के अंदर वे सुरक्षित संपत्ती को बंधमुक्त करा लें।

अचल संपत्ति का विवरण

सम्पति का वह समस्त भाग एवं अंश जोकि रिहायशी मकान आबादी भूमि, खसरा सं. 658 का हिस्सा, क्षेत्रफल 1450 वर्ग फीट, मौजा: गनौद, पीएच नं. 26, पुराना आर.आई.सी. मंदिर हसौद, नया आर.आई.सी. पलौद, पुरानी तहसील: आरंग, नई तहसील: मंदिर हसौद, जिला: रायपुर, छत्तीसगढ़ - 492101. **तथा चौहद्दी : पूरब में: मुकुट का मकान, पश्चिम मे : गली, उत्तर में : बिसाहत का मकान, दक्षिण में : गली.**

तिथि : 21.11.2024
स्थान : छत्तीसगढ़
कर्ज खाता सं.: 3105774004

हस्ताक्षर/ - अधिकृत अधिकारी
आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड
(पुर्व कैपिटल फर्स्ट लिमिटेड और अब आईडीएफसी बैंक लिमिटेड से सम्मेलित)

संपादकीय

स्पष्ट जनादेश

भाजपा, झामुमो का शानदार प्रदर्शन

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने अपने सहयोगियों के साथ मिलकर महाराष्ट्र में महत्वपूर्ण चुनावी जीत हासिल की, जबकि झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) ने झारखंड में कई बाधाओं के बावजूद जीत हासिल की, जिससे एक बार फिर साबित हुआ कि मतदाताओं के मन को पढ़ना मुश्किल है। महाराष्ट्र में, शिवसेना और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के गुटों सहित भाजपा के नेतृत्व वाले महायुति गठबंधन ने ओबीसी वोटों के प्रभावी एकीकरण और महिलाओं के लिए प्रत्यक्ष नकद हस्तांतरण जैसी रणनीतिक कल्याणकारी योजनाओं का लाभ उठाते हुए निर्णायक बहुमत हासिल किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व और जमीनी स्तर पर आउटरीच कार्यक्रमों ने उनकी अपील को और मजबूत किया। इस बीच, झारखंड में, भाजपा झामुमो के सत्तारूढ़ गठबंधन से सत्ता छीनने में विफल रही। यह शासन के मुद्दों पर जोर नहीं दे सका और हेमंत सोरेन के नेतृत्व वाले गठबंधन के साथ असंतोष का लाभ नहीं उठा सका। आदिवासी क्षेत्रों में मजबूत मतदाता लामबंदी और विकास-केंद्रित संदेश ने झामुमो की सफलता को और बढ़ा दिया। महाराष्ट्र में, महा विकास अघाड़ी (एमवीए) गठबंधन, जिसमें कांग्रेस, शिवसेना (यूबीटी) और मूल एनसीपी शामिल हैं, आंतरिक विभाजन और मराठा समुदाय के लिए आरक्षण जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर स्पष्टता की कमी से जूझ रहा था। झारखंड में, भाजपा की सीमित पहुंच और ग्रामीण संकट को दूर करने में विफलता ने प्रभावी रूप से इसकी अपील को कम कर दिया। महाराष्ट्र में चुनावी नतीजे भाजपा की राज्य की राजनीति को बदलने और हावी होने की क्षमता को रेखांकित करते हैं। इस दौरान विपक्ष मतदाताओं का विश्वास हासिल करने के लिए संघर्ष करता रहा। भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए ने रणनीतिक गठबंधनों, प्रभावी मतदाता पहुंच और लक्षित कल्याणकारी पहलों के संयोजन के कारण महाराष्ट्र में उल्लेखनीय सफलता हासिल की। महाराष्ट्र में, भाजपा ने खुद को एकनाथ शिंदे के शिवसेना गुट और अजीत पवार की राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) समूह के साथ एक समेकित ताकत के रूप में पेश किया, जिससे एक समेकित मतदाता आधार सुनिश्चित हुआ। ओबीसी एकीकरण पर पार्टी का ध्यान, महिलाओं के लिए प्रत्यक्ष नकद हस्तांतरण जैसी कल्याणकारी योजनाएं और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व का प्रभाव मतदाताओं के साथ मजबूती से जुड़ा। लेकिन झारखंड में कहानी अलग थी, जहां भाजपा हेमंत सोरेन के नेतृत्व वाले गठबंधन के शासन से असंतोष का फायदा नहीं उठा सकी और बेरोजगारी और आदिवासी कल्याण जैसे स्थानीय मुद्दों को उजागर करने में विफल रही और अपने राष्ट्रीय एजेंडे पर अधिक ध्यान केंद्रित किया। झामुमो को जमीनी स्तर पर अभियान से भी लाभ हुआ, जिसने आदिवासी और ग्रामीण मतदाताओं की चिंताओं को संबोधित किया, जिससे इसकी स्थिति और मजबूत हुई। इसी तरह, महाराष्ट्र में विपक्ष आर्थिक चुनौतियों और शासन में चूक के आरोपों जैसी भाजपा की कथित कमियों का प्रभावी ढंग से फायदा उठाने में विफल रहा। महाराष्ट्र में, महा विकास अघाड़ी (एमवीए) गठबंधन, जिसमें कांग्रेस, शिवसेना (उद्धव) और शरद पवार की राकांपा शामिल हैं, आंतरिक विभाजन और असंगत संदेशों से जूझते रहे, खासकर मराठा आरक्षण जैसे संवेदनशील मुद्दों पर। झारखंड में, झामुमो और कांग्रेस भाजपा के कथानक का मुकाबला करने और बदलाव के लिए एक आकर्षक दृष्टिकोण प्रस्तुत करने में सक्षम थे। ये परिणाम वास्तव में मतदाताओं की उन मुद्दों पर वोट करने की सहज समझ को रेखांकित करते हैं जिन्हें वे महत्वपूर्ण मानते हैं।

संविधान निर्माण में डॉ. अंबेडकर की भूमिका

डॉ. अंबेडकर भारत के विभाजन एवं कांग्रेस के मुसलमानों के प्रति तुष्टीकरण की नीति सदैव विरोधी रहे। उनका मानना था कि कांग्रेस मुसलमानों की नाजायज मांगों के सामने भी नतमस्तक हो जाती है जबकि अछूतों के मामले में कांग्रेस का रवैया भिन्न रहता है।

डॉ. विकास नौटियाल
(लेखक, इतिहास के प्रोफेसर हैं)

आज 26 नवंबर का दिन है। आज ही के दिन स्वतंत्र भारत में 284 सदस्यों वाली संविधान सभा के द्वारा तैयार नवीन संविधान को अंगीकार कर राष्ट्र को समर्पित किया गया। भारत सरकार द्वारा 26 नवंबर 2015 को संविधान के मुख्य शिल्पी एवं संविधान निर्माता की प्रारूप समिति के प्रमुख बाबासाहब डॉ. भीमराव रामजी अंबेडकर के योगदान की स्मृति में संविधान दिवस के रूप में मनाने का निर्णय लिया गया था। संविधान दिवस मनाने का उद्देश्य भारत के नागरिकों को संविधान के प्रति सचेत करना एवं समाज में संविधान के महत्व का प्रसार करना है। स्वतंत्रता के उपरांत 29 अगस्त 1947 को भारत के संविधान का मसौदा तैयार करने के लिए डॉ. अंबेडकर को सात सदस्यीय समिति की अध्यक्षता करने का अवसर प्राप्त हुआ। प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ब्रिटिश संविधान विशेषज्ञ जॉन जेरिंग को प्रारूप समिति का अध्यक्ष बनाना चाहते थे किंतु अनेक संविधान विशेषज्ञों के परामर्श पर महात्मा झंधी ने डॉ अंबेडकर का पक्ष लिया। उनका कहना था कि जब हमारे पास डॉ. अंबेडकर जैसा योग्य व्यक्ति है तो हमें किसी विदेशी संविधान विशेषज्ञ की आवश्यकता क्या है?

प्रारंभ में डॉक्टर अंबेडकर अपने खराब स्वास्थ्य के कारण इस काम के लिए सहमत नहीं थे किंतु अपने समाज को गौरव दिलाने के लिए उन्होंने अंतत यह पद स्वीकार कर लिया। प्रारूप समिति की बैठकों के दौरा मृत्यु, बीमारी एवं अन्य व्यस्तताओं के कारण इसके अधिकांश सदस्य अपनी सक्रिय भागीदारी का निर्वाह न कर सके। इस कारण प्रारूप तैयार करने का का दायित्व डॉ. अंबेडकर के कंधों पर ही आ गया। डॉ. अंबेडकर ने लगभग 100 दिनों तक संविधान सभा में मसौदे के सभी पक्षों को सदस्यों को समझाया एवं हर एक सुझाव पर विमर्श किया। इस प्रक्रिया में डॉक्टर अंबेडकर का संविधान के मुख्य निर्माता के रूप में महत्वपूर्ण योगदान रहा। इसीलिए उन्हें भारतीय संविधान का जनक भी कहा जाता है। 2015 से पूर्व यह दिन राष्ट्रीय कानून दिवस के रूप में मनाया जाता था। 26 नवंबर के दिन ही भारत के नवीन संविधान ने सभी भारतवासियों को समानता का अधिकार दिया। दुनिया के सबसे विस्तृत भारत के इस संविधान को बनाने में कुल 13 समितियां का अपना योगदान रहा।

बाबा साहब ने संविधान निर्माण की प्रक्रिया में एक अनुभवी दृष्ट के रूप में अपना योगदान दिया। डॉ. भीमराव राम जी अंबेडकर भारत के संविधान निर्माता, दलित उत्थान के अग्रणी नेता होने के साथ-साथ पाकिस्तान निर्माण के संबंध में एक दूरदृष्टि रखने वाले भारतीय नेता थे। 1940 में ऑल इंडिया मुस्लिम लीग द्वारा लाहौर में पाकिस्तान प्रस्ताव पारित किए जाने के उपरांत उन्होंने अपनी पुस्तक-'पाकिस्तान और द पार्टीशन ऑफ इंडिया ' में जिस प्रकार इस्लाम एवं पाकिस्तान संबंधी अपने विचारों, संकल्पनाओं एवं प्रश्नों को रखा वह उनकी इस्लाम की समझ, पाकिस्तान संबंधी प्रश्न एवं दूरदृष्टिपरक दृष्टिकोण को इंङ्गित करता है। अंबेडकर का जन्म 14 अप्रैल 1891 को मूल रूप से कबीरपंथ को मानने वाले रामजी मालोजी सकपाल एवं भीमाबाई के घर एक महार परिवार में मध्यप्रदेश के म्हो नामक स्थान पर हुआ था। उनके व्यक्तित्व पर कबीर के अतिरिक्त ज्योतिबा फुले, महात्मा बुद्ध, गुरु कृष्णाजी केशव अंबेडकर, दादा कृष्णाजी अर्जुन केलुसकर का गंभीर प्रभाव पड़ा था। केलुसकर की सहायता से ही बड़ौदा के सयाजी झयकवाड तृतीय के संपर्क में आकर उनके द्वारा प्रदत्त स्कॉलरशिप के माध्यम से अमेरिका अध्ययन के लिए चले गए। इसके उपरांत उनके द्वारा लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स से 'द प्रॉब्लम ऑफ इंडियन रूपि: इट्स ओरिजिन एंड इट्स सॉल्यूशन विषय पर पोस्ट डॉक्टोरल अध्ययन किया गया। भारत लौटने के उपरांत महाड सत्याग्रह, कालाराम मंदिर सत्याग्रह, पूना पैक्ट जैसी घटनाओं के उपरांत वे समाज के वंचित वर्ग के एक चर्चित नेता के रूप में भारतीय राजनीति में उभरे। धीरे-धीरे अपने जीवन काल में वे एक संविधानविद, अर्थशास्त्री एवं राजनीतिक नेता के रूप में भारतीय जनमानस में प्रतिष्ठित हो गए। इसी क्रम में उनके व्यक्तित्व में राजनीतिक बुद्धि कौशल एवं दूरदृष्टि का इस प्रकार विकास हुआ कि उन्होंने 1940 के उपरांत पाकिस्तान के प्रश्न पर अपने गंभीर विचार पाकिस्तान और द पार्टीशन ऑफइंडिया में प्रकाशित किए।

पाकिस्तान की मांग कर रहे मुस्लिम लीग के लाहौर रिजोल्यूशन (1940) के बाद, आम्बेडकर ने 'थॉट्स ऑन पाकिस्तान नामक 400 पृष्ठों वाली एक पुस्तक लिखी, जिसने अपने सभी पहलुओं में पाकिस्तान की अवधारणा का विश्लेषण किया। इसमें उन्होंने मुस्लिम लीग की मुसलमानों के लिए एक अलग देश पाकिस्तान की मांग की आलोचना की। साथ ही उन्होंने प्रस्तावित किया कि मुस्लिम और गैर-मुस्लिम बहुमत वाले हिस्सों को अलग करने के लिए पंजाब और बंगाल की प्रांतीय सीमाओं को फिर से तैयार किया जाना चाहिए। हालांकि वे मोहम्मद अली जिन्ना और मुस्लिम लीग की विभाजनकारी सांप्रदायिक राजनीति के घोर आलोचक थे पर उन्होने तर्क दिया कि हिंदुओं और मुसलमानों को पृथक कर देना चाहिए और पाकिस्तान का गठन हो जाना चाहिये क्योकि एक ही देश का नेतृत्व करने के लिए, जातीय राष्ट्रवाद के चलते देश के भीतर और अधिक हिंसा पनपेगी। उन्होंने चेताया कि दो देश बनाने के समाधान का वास्तविक क्रियान्वयन अत्यंत कठिनाई भरा होगा। विशाल जनसंख्या के स्थानान्तरण के साथ सीमा विवाद की समस्या भी रहेगी। भारत की स्वतंत्रता के बाद होने वाली हिंसा को ध्यान में रख कर की गयी यह भविष्यवाणी सही थी।

डॉ. अंबेडकर भारत के विभाजन एवं कांग्रेस के मुसलमानों के प्रति तुष्टीकरण की नीति सदैव विरोधी रहे। उनका मानना था कि कांग्रेस मुसलमानों की नाजायज मांगों के सामने भी नतमस्तक हो जाती है। जबकि अछूतों के मामले में कांग्रेस का रवैया भिन्न रहता है। कांग्रेस चाहती है ब्रिटिश उपनिवेशवाद के विरुद्ध होने वाले संघर्ष में मुसलमान कांग्रेस के साथ रहे एवं उसे हिंदू तथा मुसलमान दोनों समुदायों की पार्टी माना जाए। कांग्रेस ने हिंदुओं के अधिकारों पर कुठाराघात करने कि पहले से ही तैयारी कर ली है। पाकिस्तान प्रस्ताव पारित हो जाने के उपरांत अंबेडकर ने अलग पाकिस्तान बनाए जाने का समर्थन किया। किंतु वे अकस्मात बंटवारे के पक्ष में नहीं थे उनका मानना था कि एक संघ के अंतर्गत हिंदुस्तान एवं पाकिस्तान बनाया जाए किंतु अगले 10 वर्ष तक इन्हें आत्मनिर्भर होने का अवसर भी मिलना चाहिए। वह मुस्लिम लीग के इरादों से भली भांति परिचित हो चुके थे। अंबेडकर का मानना था कि भारतीय समाज अनेक रूप से विभाजित समाज है। किंतु मुझे पूर्ण विश्वास है कि दुनिया की कोई भी शक्ति इस देश को एक होने से नहीं रोक सकती यद्यपि मुस्लिम लीग इस बात पर जोर दे रही है कि हिंदुस्तान का बंटवारा कर दिया जाना चाहिए, लेकिन एक दिन उनको यह बात जरूर समझ में आएगी कि हिंदुस्तान का बंटवारा उनके हित में नहीं अपितु एक दिन अखंड भारत उनके लिए ज्यादा बेहतर होगा।

इस्लाम एवं पाकिस्तान के संबंध में डॉ आंबेडकर के स्पष्ट एवं परिभाषित विचार थे। भारत विभाजन के विरोध के बजाय अखंड भारत के पक्ष में थे किंतु पाकिस्तान आंदोलन एवं पाकिस्तान बनाने को लेकर वे कांग्रेस की तुष्टीकरण की नीति के बजाय जिन्ना का खुला विरोध करते रहे। वर्तमान में भारत में मुसलमानों की जनसंख्या का एक बड़ा भाग धर्मांतरित लोगों का है जिनमें अजलफ एवं अरजाल मुसलमान 80 प्रतिशत से अधिक है। ये वो मुस्लिम समुदाय है जिनकी जड़ें भारत भूमि में ही विद्यमान हैं। अंबेडकर प्रारंभ से ही अखंड भारत के पक्ष में रहे। वे भारत का विभाजन नहीं चाहते थे लेकिन जब यह लगने लझ कि अब विभाजन होना अपरिहार्य हो गया है तो उन्होंने इस समस्या के संवैधानिक एवं व्यावहारिक पक्षों पर अपने विचारों का प्रतिपादन किया। जिसका आधार ग्रीस एवं टर्की के बीच होने वाला अल्पसंख्यक संबंधी समझौता था। उन्होंने भारतीय मुसलमानों के संबंध में जिन वक्तव्यों को प्रकाशित करवाया उनमें से अनेक वक्तव्य आज भी भारत की भू राजनीति में प्रासंगिक दिखाई दे रहे हैं।

डॉ. आंबेडकर भारतीय संविधान में अनुच्छेद 370 के पक्षधर नहीं थे। वे समान नागरिक संहिता के पक्षधर थे। 2019 में मोदी सरकार द्वारा कश्मीर में अनुच्छेद 370 को समाप्त कर अंबेडकर के सपने को साकार किया है। भारत सरकार एवं अनेक राज्य सरकारें भारत में समान नागरिक संहिता लागू करने के लिए प्रयास कर रही हैं। डॉ. आंबेडकर का कहना था कि उन्होंने लोकतंत्र की अवधारणा को प्राचीन भारतीय गणराज्यों से लिया है उन्होंने महात्मा बुद्ध को लोकतांत्रिक गणराज्य का आद्य प्रवर्तक कहा। वे लोकतंत्र में हीरो वरशिप के पक्षधर नहीं थे। संविधान निर्मित करने में भारत की सरोजिनी नायडू, राजकुमारी अमृत कौर, सुचेता कृपलानी , विजयलक्ष्मी पंडित जैसी कुल 15 महिलाएं भी सम्मिलित थीं। इसके अतिरिक्त लोकतांत्रिक पद्धति के आधार पर समाज के सभी वर्गों भारतीय रियासतों का भारत के नवीन संविधान को बनाने में योगदान रहा। इस प्रक्रिया में हम भारत के संविधान को बनाने वाले डॉ. आंबेडकर सहित सभी सदस्यों को नमन करते हैं।

सवर्ण ईसाई बनाम दलित ईसाई

विनय प्रकाश तिर्की
रायपुर

हिन्दुस्तान में जब भी जातिवाद व जाति व्यवस्था पर चर्चा होती है तो हिन्दू वर्ण व्यवस्था की ही बात सामने आती है और अमूमन हर व्यक्ति चाहे वह किसी भी कौम, मजहब व सम्प्रदाय का हो, उच्च जाति के लोगों पर निम्न जाति के लोगों के विरूद्ध अत्याचार, अन्याय व अपमान के आरोप लगते रहते हैं। इसमें काफी हद तक सत्यता भी है। इस कुरीति व अन्यायपूर्ण व्यवस्था को लेकर अनेक समाज सुधारकों, सामाजिक कार्यकर्ताओं द्वारा हिन्दू समाज से जातिवादी संकीर्णता को दूर करने के लिए अनेक प्रयास किए जा रहे हैं। इन्हीं संकीर्णता के कारण ही एक विद्रोह स्वरूप बौद्ध धर्म का उदय हुआ और अब भी इस व्यवस्था से प्रताड़ित होने पर निम्न वर्ग के हिन्दू समुदाय यदा-कदा इस्लाम धर्म अथवा ईसाई धर्म में शामिल होने के लिए हिन्दू संगठनों को धमकाते रहते हैं, यह एक तरह का ब्लैकमेलिंग, या यों कहें भयादोहन ही है। किन्तु भारतीय उप महाद्वीप में हिंदू वर्ण व्यवस्था ने अन्य धर्मावलंबियों को भी इससे बुरी तरह प्रभावित किया। अब जातिवाद की यह कुप्रथा सिर्फ हिन्दुओं में ही नहीं रही, भारत के अन्य धर्मों में भी व्याप्त हो गई। ईसाई धर्मावलम्बियों को लेकर अन्य धर्मावलम्बियों में अवधारणा बनी है कि ईसाइयों में जातिवाद की परम्परा नहीं होती तथा इस धर्म में इसका कोई स्थान नहीं है, व वे इस कुरीति से मीलों आगे निकल गए हैं, परन्तु यह दुःखद रूप से भ्रामक तथ्य है। भारतीय ईसाई समाज में भी जातिवाद की कुरीति व्याप्त है। ईसाई समाज में व्याप्त कुरीतियों का अध्ययन करना हो तो दक्षिण भारत के ईसाई समाज का अवलोकन करना होगा। दक्षिण भारत में काफी पुराने समय से लोग ईसाई धर्म के अनुयायी हैं। ईसा के शिष्य सेंट थॉमस सन् 52 ई. में मुजिरिस वर्तमान केरल राज्य आए और ईसाई धर्म का प्रचार किया। एक जनश्रुति के अनुसार उन्होंने वहाँ के ब्राम्हणों से शास्त्रार्थ किया। ब्राम्हणों ने ईसा को विष्णु का अवतार मान लिया और अनेक ब्राह्मण व उच्च वर्ग के हिन्दू ईसाई धर्म के अनुयायी बन गए। यह स्थिति लम्बे समय तक यानी यूरोपीय लोगों के आगमन तक बनी रही। डच, जर्मन, पोर्तुगीज लोगों ने हिन्दू वर्ण व्यवस्था में निम्न तबके में शामिल लोगों को ईसाई बनाना आरम्भ किया, तब पहले से ही हिन्दू उच्च वर्ग से ईसाई धर्म में शामिल लोगों के कान खड़े हो गए। हिन्दू वर्ण व्यवस्था की मानसिकता ऊँची जाति के ईसाइयों से मिट नहीं पाई। आज भी उच्च जाति के ईसाई निम्न वर्ग से ईसाई बने लोगों से भेदभाव करते हैं, व उन्हें तुच्छ भाव से देखते हैं। दक्षिण भारत में ऊँची जाति का हिन्दू जो ईसाई बन चुका है, उसे ही चर्च के सारे अधिकार प्राप्त हैं। निचली जाति से बने बिशप व पादरी भी इस अमानवीय भेदभाव व वर्ण व्यवस्था के शिकार हैं, एकदम से विश्वास करना कठिन है, परन्तु सत्य यही है।

ईसाई धर्मोपदेशों के समानता, भाईचारा व ईसाई धर्म के मूल्यों से प्रभावित होकर दलितों ने ईसाई धर्म अपनाना हिन्दू वर्ण व्यवस्था से मुक्ति का मार्ग समझा। वे इस कुरीति से हमेशा-हमेशा के लिए आजादी चाहते थे, और इस फेर में उन्होंने ईसाई धर्म अपनाया भी, पर यहाँ भी हिन्दू वर्ण व्यवस्था ने उनका पीछा नहीं छोड़ा, बल्कि यहाँ उन्हें दो और नई पहचान मिली एक तो ''दलित'' और दूसरा ''दलित ईसाई।'' यह सत्य है कि ईसाई धर्म जाति व्यवस्था का घोर विरोधी है, मानव कल्याण, मानव सेवा, आपसी प्रेम व विश्व बन्धुत्व ही उनका मूलसार है, पर भारतीय उप महाद्वीप में निम्न जाति के ईसाइयों के लिए ये सब बातें बेमानी है। भारत जैसी यही स्थिति कमोबेश नेपाल, बांग्लादेश तथा पाकिस्तान में भी है। इस्लाम में भी दलित हिन्दू से मुस्लिम बने अनुयायियों को मुजाहिर या अर्जल का दर्जा हासिल है। पर यहाँ हम दलित ईसाइयों की सामाजिक व धार्मिक स्थिति का अध्ययन व विश्लेषण कर रहे हैं। दक्षिण भारत के कुछ क्षेत्रों में विषेशकर आन्ध्रप्रदेश, तेलंगाना, तमिलनाडु व केरल में दलित ईसाइयों ने विरोध स्वरूप कहीं-कहीं अपना एक अलग चर्च भी बना लिया है, जो सिर्फ दलित ईसाइयों के लिए है, पर यह स्थिति हिन्दू धर्म में घुसपैठ नहीं कर पाई है। सामाजिक और धार्मिक असमानता, भेदभाव और विषमता, अपमान जैसे विखण्डनकारी तत्व जहाँ मौजूद हो, तो ऐसा हो जाना कोई आश्चर्य नहीं है।

भारत की जनगणना 2011 के अनुसार ईसाइयों की आबादी 2.3त्न है। ईसाई आबादी विभिन्न राज्यों मे छिटपुट रूप से हर जगह विद्यमान है। विभिन्न धर्मों के लिंगानुपात पर दृष्टिपात करें तो ईसाई महिलाओं की स्थिति अन्य धर्मों के पुरूषों से कहीं बेहतर है। छोटानागपुर क्षेत्र तथा पूर्वोत्तर भारत में ईसाई धर्मावलम्बी 90त्न से अधिक जनजातीय समूहों से हैं, जबकि शेष भारत की 60 से 70त्न ईसाई आबादी दलित ईसाई है और ईसाई बनाम दलित ईसाई की समस्या भी यहीं है। भारत के विभिन्न राज्यों से हिन्दू दलितों का ईसाई धर्म स्वीकार करने की घटना होती रही है, परन्तु इसके ठीक विपरीत आन्ध्रप्रदेश व तेलंगाना के उच्च वर्ग के हिन्दुओं यथा रेड्डी, कम्मा और कापू समुदाय का ईसाई धर्म अपनाना आश्चर्यजनक है। ईसाई धर्म के प्रति इनका आकर्षण अब भी बरकरार है, संभवतः ये जातियाँ ईसाई धर्म को एक सुअवसर के रूप में लेती हैं। अविभाजित आन्ध्रप्रदेश का भागौलिक चित्रण तटीय आन्ध्रप्रदेश, रायलसीमा व तेलंगाना के रूप में किया जा सकता है। तटीय आन्ध्रप्रदेश तथा तेलंगाना के अधिकांश दलित हिन्दू, ईसाई धर्म स्वीकार कर चुके हैं जिसमें अधिकांशतः माला व मदिगा जाति के लोग हैं। इनका मुख्य पेशा क्रमशः बुनकरी तथा चमड़े से सम्बन्धित था। गुंटुर तथा कृष्णा जिले के ईसाई उच्च वर्ग कम्मा जाति से आते हैं, जो मूलरूप से इन क्षेत्रों के जमींदार हैं। रायलसीमा क्षेत्रों से ईसाई रेड्डी समुदाय से हैं, जो जमींदार होने के साथ-साथ दबंग व उग्र प्रवृत्ति के हैं। इसी तरह कापू जाति, जिनका पेशा कृषि व व्यापार है-मुख्यतः ईस्ट गोदावरी, वेस्ट गोदावरी, विजयनगरम व श्रीकाकुलम में निवासरत है, जो ईसाई धर्म की ओर उन्मुख होते जा रहे हैं। एक अनुमान के आधार पर रेड्डी, कम्मा या चौधरी और कापू समुदाय के लगभग 15 से 20% लोग ईसाई धर्म अपना चुके हैं। आन्ध्रप्रदेश के ईसाई ब्राह्मणों की यह संख्या लगभग 1% से 2% के मध्य है। भारत की संवैधानिक व्यवस्था के तहत दलित हिन्दुओं द्वारा सिख अथवा बौद्ध धर्म अपनाने पर भी उनके लिए विभिन्न क्षेत्रों में आरक्षण की व्यवस्था है, साथ ही उनके विरूद्ध अत्याचार, अपराध आदि को रोकने के लिए पृथक कानून लगाये गए हैं। भारतीय जाति व्यवस्था में दलितों को उनकी निम्न सामाजिक स्थिति की भरपाई के लिए स्कूलों, और शासकीय सेवा में विशिष्ट लाभ और आरक्षण प्रदाय किया गया है। केन्द्र सरकार व राज्य सरकार द्वारा व्यापक दिशा-निर्देश बनाए गए हैं, जिनमें निवारक उपाय भी दिए गए हैं, परन्तु दलित हिन्दू से ईसाई बने दलित ईसाइयों और मुस्लिमों को ये सुविधा हासिल नहीं है। उनके विरूद्ध होने वाले अत्याचार, ''अनुसूचित जाति व जनजाति एक्ट'' की परिधि में नहीं आते। विभिन्न ईसाई संगठनों, चर्चों में भेदभाव को लेकर ये दलित ईसाई लगभग विवश ही हैं। एक तरह देखा जाए तो दलित ईसाइयों की संस्कृति, उनके परिवेश और सामाजिक-आर्थिक स्थिति में इतनी भिन्नता है जितनी कि हिन्दू जाति व्यवस्था में। सवर्ण ईसाई और दलित ईसाइयों के सांस्कृतिक, सामाजिक रीति-रिवाज, जीवनशैली, सामाजिक प्रथाएं भी ऐसे कारक है, जिनके फ्लस्वरूप सवर्ण ईसाई निम्न वर्ग से धर्मांतरित ईसाइयों से भेदभाव करते हैं। उन्हें पता है कि उनके परम्परागत मूल पेशे क्या थे, और ऐसा जाति आधारित पेशा जिसे हिन्दू उच्च वर्ग भी सम्मान की दृष्टि से नहीं देखता। दक्षिण भारत के दलित ईसाइयों के साथ-साथ इस वर्ग से बने बिशप व पादरी भी भेदभाव के शिकार हैं, मसलन इनके द्वारा चर्चों में प्रार्थना कराए जाने पर उच्च वर्ग के ईसाई शामिल नहीं होते। कुछ चर्चों में इनका प्रवेश भी वर्जित है। दलित ईसाइयों से चर्चों में ये भी अपेक्षा की जाती है कि ईसाई धर्म में धर्मविधि के दौरान बाँटे जाने वाले परमप्रसाद (होली कम्यूनियन) सवर्ण ईसाइयों के बाद ही ग्रहण करें साथ ही चर्च की पिछली पंक्तियों में ही बैंठे। कमोवेश ये स्थितियाँ दक्षिण भारत के अधिकांश चर्चों में विद्यमान है। ईसाई परम्परानुसार मृतक के शव को दफ्नाने के पूर्व चर्च के अंदर लाकर प्रार्थना की जाती है परन्तु दलित ईसाइयों के पार्थिव शरीर चर्च के बाहर रखकर प्रार्थना कराई जाती है। ऐसी अमानवीय, क्रूरतापूर्ण व्यवहार व भेदभाव कल्पना से परे लगते हैं। जिस तरह हिन्दू धर्म की विभिन्न जातियों में राजनीतिक व आर्थिक मामलों में एकता तो है, परन्तु धार्मिक, सामाजिक और सांस्कृतिक, प्रथाओं में नहीं। कमोवेश दलित ईसाई व सवर्ण ईसाईयों के बीच यही स्थिति है, परन्तु जनजातीय समूहों से ईसाई बने लोगों के मध्य नहीं। भारत के कैथोलिक तथा प्रोटेस्टंट सम्प्रदाय के बड़े आकाओं ने इन सब भेदभाव से निजात दिलाने के लिए 9 दिसम्बर 2012 को ''दलित लिबेरेषन संडे'' का आयोजन किया और दलित ईसाइयों के लिए ''कुरीति को तोड़ो और समानता की दुनिया जोड़ो'' के नारे दिए, पर हालात में परिवर्तन नहीं हुए हैं, स्थितियाँ ज्यों के त्यों बनी हुई हैं। भारतीय वर्ण व्यवस्था के मकड़जाल में दलित ईसाई भी उलझकर रह गए हैं। हिन्दू जाति व्यवस्था से, आजादी के लिए उठाये गए ये कदम उनकी सामाजिक व धार्मिक दषा में कोई परिवर्तन नहीं ला सके। चर्च जाति के मुद्दे का समाधान नहीं कर सका। दलित ईसाइयों को अमीर ईसाइयों के हाथों भेदभाव का सामना करना पड़ रहा है। अस्पृश्यता और सामाजिक बहिष्कार दक्षिण भारत में प्रचलित है। चर्च ने दलितों के लिए अलग कब्रिस्तान भी आबंटित किया है। अभी भी केरल तथा तमिलनाडु राज्यों के कई चर्चों में दलित ईसाई ऊँची जाति के सदस्यों के साथ नहीं बैठ सकते। कई बार तो ऊँची जाति के ईसाइयों में अंतिम संस्कार के शवयात्रा को मुख्य सड़क के उपयोग करने की अनुमति नहीं दी, यहाँ तक कि चर्च के पादरी बिशप भी समझौता कराने में विफल रहे। कुछ ईसाइयों की ब्राम्हणवादी वंश को वापस लेने की प्रवृत्ति इंगित करती है कि ईसाई धर्म, जाति व्यवस्था के अभिशाप से मुक्त नहीं हैं। दलित अपनी दुर्दशा देखकर, जातिगत उत्पीड़न से बचने के लिए हिन्दू धर्म से ईसाई धर्म अपना लिया, केवल यह पता लगाने के लिए कि दूसरी तरफ चीजें बहुत आसान व समान थीं। केरल में ईसाई अपनी पौराणिक ब्राम्हणवादी जड़ों पर गर्व करते हैं, पड़ोसी राज्य तमिलनाडु में भी दलित ईसाइयों की दुर्दशा लगभग समान है। दलित, जाति व्यवस्था के चंगुल से बचने के लिए हिन्दू से ईसाई धर्म में परिवर्तित तो हो गए, पर अंत में उसी स्थिति में फिर आ गए। बहरहाल, दलित ईसाइयों के विरूद्ध उत्पीड़न व भेदभाव कब तक चलेगा यह समय के गर्भ में है।

आप की बात

संविधान रक्षकों का चरित्र

मैनपुरी के करहल में एक दलित युवती के साथ दिल दहलाने वाली घटना ने संविधान और लोकतन्त्र के रक्षकों का चरित्र उजागर कर दिया है। सपाइयों के इस चरित्र के पोषक उन्हीं के दिवंगत वो नेता हैं जो बलात्कारियों को नादान लड़के कहा करते थे। मुलायम सिंह यादव ने बलात्कारी को कहा था कि लड़कों से गलती हो जाया करती है। इसके अलावा संविधान और लोकतन्त्र को बचाने की रात- दिन दुहाई देने वालों के गुर्गों ने मैनपुरी में संविधान और लोकतन्त्र दोनों की धज्जियां उड़ाई हैं। एक दलित युवती के इतना कहने भर से कि वह भाजपा को वोट करेगी,उसका अपहरण किया और सामूहिक बलात्कार कर हत्या कर दी। ये नर पिशाच उसी गठबंधन के थे जो रात-दिन नारी सुरक्षा, संविधान और लोकतन्त्र के लिए मगरमच्छी आंसू बहाते हुए सड़कों पर उतरते हैं। इतनी बड़ी घटना होने पर भी संविधान के महान रक्षक अखिलेश यादव और राहुल गांधी के मुंह से एक शब्द भी नहीं निकला। इस घटना से सहज ही अनुमान लगाया जा सकता है कि जब सत्ता से बाहर रहने पर इन लोगों का यह हाल है तो सत्ता में आने पर क्या हाल होगा? दरअसल कांग्रेस और सपा के नेता संविधान और लोकतंत्र के रक्षक होने की दुहाई तो देते हैं लेकिन आचरण उसके ठीक विपरीत करते हैं। जनता सब जानती है।

-**डॉ. नरेन्द्र टोंक**, मेरठ

कठोर कानून बने

कुछ लोग गैरकानूनी या नियम के विरुद्ध कार्य के लिए पैसा खर्च करते हैं। जैसे कर्मचारी को रिश्वत देना या अनधिकृत दलाल को अनधिकृत कार्य के लिए पैसा देना। इच्छित परिणाम नहीं मिलने पर पुलिस के पास जाकर ठगी की शिकायत करते हैं। ऐसे व्यक्ति की शिकायत पर अपराधी से ठगे गए धन की वसूली और सजा का प्रावधान होना चाहिए। लेकिन उससे वसूले गए धन को वापस शिकायतकर्ता को नहीं दिलवा कर सरकार को देने का प्रावधान कानून में होना चाहिए क्योंकि पैसा देने का कार्य भी गैर कानूनी था। हां, शिकायतकर्ता को सजा नहीं देने का कानून में प्रावधान होना चाहिए अन्यथा शिकायत भी नहीं होगी और रिश्वत लेने वाले व्यक्ति या गिरोह पकड़े नहीं जाएंगे। कुछ लोग धन को कम समय में कई गुना करने की स्कीम या लोहे को सोना बनाने जैसी बातों का लालच देकर ठगे जाते हैं, ऐसी कई बातें शायद गैरकानूनी न हो। लेकिन इनके लालच के कारण पुलिस, अदालत आदि सरकारी संस्थाओं का समय नष्ट होता है। इसलिए ठग से धन वसूल कर पूरी धनराशि ठगे गए व्यक्ति को न दिलवाते हुए आधी राशि उसे दिलवाकर शेष आधी राशि सरकार को देने का कानून में प्रावधान किया जाना चाहिए। गैरकानूनी कार्य या लालच जैसे कारणों से ठगे जाने पर पूरी धनराशि दिलवा देने पर तो शिकायतकर्ता हतोत्साहित नहीं होंगे।

- **ललित दुबे**, रतलाम

शादी, तलाक और फिर शादी

जाने-माने संगीतकार एआर रहमान ने 29 साल तक चली अरेंज मैरिज के बाद अपनी पत्नी सायरा बानो से तलाक ले लिया और अफवाह है कि वे गिटारिस्ट मोहिनी से शादी रचा सकते हैं। आमिर खान भी करीब 16 साल बाद अपनी पत्नी किरण राव को तलाक दे चुके हैं। एआर रेहमान का विवाह के 29 साल बाद वो भी बेटी की शादी के पश्चात सम्बन्ध विच्छेद करना आखिर कितना व्यववहारिक है? लम्बे वैवाहिक जीवन बिता लेने और बच्चों के भी विवाह हो जाने के बाद (50-60 की उम्र में) पत्नी को तलाक देना सामाजिक दृष्टिकोण से भी उचित नहीं जान पड़ता। विवाह की प्रारंभिक अवस्था (नासमझी) में तलाक बहुत हो रहे हैं जिसमें भी कोई समझदारी की बात नहीं है जबकि कोर्ट उसमे भी कोशिश करती है कि किसी तरह तलाक की नौबत ना आये। लेकिन परिपक्व उम्र में तलाक आश्चर्जनक ही माना जाएगा। यहाँ कोर्ट द्वारा समझदारों को समझाना एक प्रकार से तो टेढ़ी खीर ही है। सामान्य रूप से तलाक तो ठीक नहीं है किन्तु कोई विशेष स्थिति बनती है तो बात अलग है। खैर जो भी हो और जो भी उनकी पारिवारिक स्थिति या मानसिकता परिस्थिति हो इस पर तो परिपक्व पति-पत्नी जरूर सोच समझकर निर्णय लेते होंगे। लेकिन एक बात जो महत्वपूर्ण है वो यह है कि ऐसे लम्बी उम्र के तलाक का समाज पर गलत सन्देश जाता है।

-**शकुंतला महेश नेनावा**, इंदौर

आप्रासंगिक संगठन

ना तो अंतरराष्ट्रीय न्यायालय और ना ही संयुक्त राष्ट्र संघ या इस तरह के जितने भी संगठन बने हैं खासकर के द्वितीय विश्व के पश्चात, ये सबके सब एक तरह से आप्रासंगिक हो गए हैं। या कहें कि बस औपचारिकता भर निभाते हैं। इससे आगे इनका इस निष्ठुर दुनिया में कोई औकात ही नहीं है। जब इन संगठनों का कोई भी फैसला आता है उससे मानने की बाध्यता अगर न हो तो फिर इनका क्या फायदा। पिछले दिनों अंतरराष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय ने इज़रायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू, उनके पूर्व रक्षा मंत्री योआव गैलेंट और हमास अधिकारियों के लिए गिरफ़्तारी वारंट जारी किए, जिसमें उन पर क्रमश: गाजा में 13 महीने के युद्ध और अक्टूबर 2023 में इज़रायल पर हमले को लेकर युद्ध अपराध और मानवता के विरुद्ध अपराध का आरोप लगाया गया। सभी आरोप सौ फीसदी सही है। आज भी नेतन्याहू और उनकी फ़ौज क्षेत्र में नरसंहार को बलात अंजाम दे रहा है। मगर क्या इस गिरफ्तारी आदेश से उन लोगों को गिरफ्तार किया जा सकेगा? आईसीसी के पास न तो अपना कोई पुलिस है ना ही जेल।

जंग बहादुर सिंह, जमशेदपुर

इस कॉलम में अपने विचार या प्रतिक्रिया भेजने के लिए हमारे ई-मेल pioneer.editorial@gmail.com पर भी भेज सकते है।

विधायक साहू ने तुंहर सेवक, तुंहर द्वार के माध्यम से सुनी आमजनों की समस्या

विधायक के काम से प्रभावित होकर लोगो ने किया भाजपा प्रवेश

पायनियर संवाददाता ➤ बेमेतरा
www.dailypioneer.com

जनता की सुविधा और समृद्ध बेमेतरा के संकल्प के साथ विधायक दीपेश साहू द्वारा बेमेतरा विधानसभा के नगर पंचायत कुसमी पहुंचे। जहां जोहार भेंट मुलाक़ात तुंहर सेवक, तुंहर द्वार कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जहां क्षेत्रीय विधायक दीपेश साहू नगर पंचायत कुसमी का दौरा किया और लोगों से भेंट मुलाकात की। इस दौरान नगर पंचायत के आमजनों, नागरिकों कार्यकर्ताओ, जनप्रतिनिधियों से मिले और उनका हाल-चाल जाना साथी वरिष्ठ नगरों से आशीर्वाद भी प्राप्त किया। कार्यक्रम मे जनता के सुझाव व विकास को लेकर चर्चा किया गया एवं नगरवासियों ने छोटी-मोटी समस्या और कुछ मांगे रखी, जिसके लिए विधायक दीपेश साहू ने जल्द ही पूरा करने का आश्वासन दिया। भेंट मुलाक़ात मे आमजनों ने प्रधानमंत्री आवास, शौचालय, जल जीवन मिशन की कनेक्शन, प्रधानमंत्री उज्जवला योजना, दिसम्बर मे होने वाले सतनामी समाज की प्रमुख त्यौहार गुरु घांसीदास जयंती पर सांस्कृतिक कार्यक्रम की मांग किया गया। जिनको विधायक साहू ने जल्द कराने का आश्वासन दिया।

विधायक के काम से प्रभावित होकर लोगो ने किया भाजपा प्रवेश

भारतीय जनता पार्टी की सरकार मे मोदी की गैरेंटी और विष्णु के सुशासन वाली सरकार विधायक दीपेश साहू के कामों से प्रभावित होकर नगर पंचायत कुसमी के लोगो ने भाजपा का दामन थामा जिसको विधायक साहू ने भाजपा गमछा पहनाकर स्वागत किया। इस दौरान विधायक साहू ने कहा कि इस जोहार भेंट मुलाक़ात कार्यक्रम से हमारा मुख्य उद्देश जनता से सीधे संवाद और क्षेत्र से जुड़े प्रमुख विषयों को जानना है ताकि उसका सही समय पर उचित निराकरण हो सकते और जनता की समस्याओं के समाधान के साथ ही क्षेत्र का विकास भी सुनिश्चित हो सके। जनाकांक्षाओं की पूर्ति हो या समृद्ध व खुशहाल कुसमी बनाने का हमारा जो संकल्प है उसे पूरा करने के लिए जनता के सहयोग व सुझाव को ध्यान में रखते हुए अपने कर्तव्यों को पूरा करने हम कटिबद्ध है। कुसमी मे जोहार भेंट मुलाक़ात के माध्यम से क्षेत्रवासियों को उनके गाँव के नजदीक ही शासकीय योजनाओं की जानकारी व उसके लाभ के साथ ही स्थानीय मुद्दों, उनकी आवश्यकताओं व समस्यों का त्वरित निराकरण की सुविधा उन्हें मिलेगा, जिसके लिए उन्हें साशकीय कार्यालय आने-जाने की असुविधा नहीं उठाना पड़ेगा। विधायक दीपेश साहू ने कहा की हमारा लक्ष्य है कि जनता को मूलभूत सुविधाएँ और शासकीय योजनाओं का अधिक से अधिक मिल सके, सड़क, बिजली, पानी, स्वच्छता एवं क्षेत्र से जुड़े प्रमुख विकास कार्यों की जानकारी सीधे जनता से संवाद करने पर स्पष्ट रूप से सामने आते हैं साथी उनके निराकरण के लिए बेहतर सुझाव भी जनता के द्वारा हमें मिलते हैं जिसे पूरा करने का प्रयास हमेशा ही हमारा प्राथमिकता रहता है। हमें पूरा विश्वास है कि इस जोहार भेंट मुलाक़ात के माध्यम से अब उनकी समस्याओं का त्वरित निराकरण होगा साथ ही मूलभूत सुविधाओं का विस्तार कर समृद्ध कुसमी का हमारा संकल्प भी जन सहयोग व सुझाव से जरुर पूरा होगा।

मानव जीवन दुर्लभ जीवन है बड़े सौभाग्य से प्राप्त होते हैं : शास्त्री

पायनियर संवाददाता ➤ बेमेतरा
www.dailypioneer.com

ग्राम झिरिया जिला बेमेतरा मे आयोजित श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान यज्ञ सप्ताह के चौथे दिन आचार्य पंडित झम्मन शास्त्री महाराज ने कहा कि मानव जीवन बड़ा ही दुर्लभ जीवन है। यह बड़े सौभाग्य से प्राप्त होता है ।तथा मनुष्य जीवन में ही परमात्मा तत्व की प्राप्ति सुलभ हो सकती है। भागवत कथा का आनंद भी इस मनुष्य जीवन में ही जीव को प्राप्त होता है। अन्य योनियों में नहीं क्योंकि मनुष्य भजन, दान, पूजन, जप, तप इत्यादि करने में सक्षम है। इस मृत्यु लोक में सांसारिक सुख साधनों का भोग करता हुआ। सेवा दान भजन द्वारा परलोक में काम आने वाला पुण्य भी कमा लेता है। जिन पुण्य के द्वारा परलोक से सुख भोंकते हुए परमात्मा की प्राप्ति कर लेता है। जरूरी नहीं है जो कुछ मनुष्य ने संग्रह किया वह भोग स्वरूप प्राप्त हो क्योंकि वह कभी भी मृत्यु का ग्रास बन सकता है। इसलिए मनुष्य को सेवाधर्म, दान, भजन के द्वारा अपने जीवन को सार्थक कर लेना चाहिए। क्योंकि यह जीवन बड़ा ही अनमोल है। वैसे ही गज, ग्राह, गणिका भी श्री हरि के नाम के प्रभाव से मुक्ति को प्राप्त किये। राम नाम नृरसिंह भगवान है। कलयुग हिरण्यकश्यप के समान है। जप करने वाला मनुष्य प्रहलाद के समान है। कलयुग में दान की विशेष महत्व बताते हुए। महाराज ने बली की दानवीरता का वर्णन किया प्रहलाद के पौत्र महाराज बलि ने भगवान श्री वामन को अपना सर्वस्व अर्पण कर दिया। समग्र समर्पण करने वाले के यहां स्वयं भगवान ही उनके रक्षक बनकर रहते हैं। सुतल लोक में आज भी भगवान उनके द्वारपाल है। जहां स्वयं माता लक्ष्मी भी मनुष्य वंश में बली को भाई के रूप में सूत्र बांधकर दक्षिणा के रूप में अपने पति भगवान श्री नारायण को मांगने गई थी। जीवन में उपासना करने वालों को मां लक्ष्मी के साथ साथ भगवान श्री नारायण की उपासना करनी चाहिए।

गुरुर ब्लॉक रेड जोन में, बावजूद धोबनपुरी गांव के किसानों ने ग्रीष्मकालीन धान बोआई की कलेक्टर से मांगी अनुमति

किसानों का दावा: क्षेत्र में वाटर लेबल ठीक, गांव की जमीन हमेशा रहती है सीपेज

पायनियर संवाददाता ➤ बालोद
www.dailypioneer.com

जिले में लगातार भू जल स्तर नीचे जा रहा है। इसका प्रमुख कारण भू-जल का अधिक दोहन, गर्मी में मनाही के बाद भी धान की फसल लेना व अत्यधिक बोर खनन है। इस स्थिति को देखते हुए अब जिले के कई गांव के ग्रामीण जागरूक हुए हैं। अभी तक जिले के लगभग 50 गांव से अधिक किसानों ने संकल्प लिया है कि गर्मी के दिनों में धान की बजाय दलहन, तिलहन की फसल लेंगे। किसानों को जागरूक करने गांव-गांव में मुनादी भी कराई जा रही है। घटते जल स्तर और पानी की विकराल समस्या को देखते हुए सेंट्रल ग्राउण्ड वाटर बोर्ड ने जिले के गुरुर ब्लॉक को रेड जोन में रखा है। केंद्रीय भू-जल बोर्ड की रिपोर्ट के मुताबिक जिले में भू-जल की स्थिति सबसे गंभीर गुरुर ब्लॉक में है। यहां 91 प्रतिशत पानी का उपयोग फसलों की सिंचाई के लिए किया जाता है, जबकि महज 6 प्रतिशत पानी का उपयोग पीने के लिए किया जाता है। शायद यही कारण है कि गर्मी के सीजन में धान की फसल नही लेने अपील की गई है। तो वही इस बीच जिले के गुरुर ब्लॉक के ग्राम धोबनपूरी के किसानों ने ग्रीष्मकालीन में धान बोआई करने की अनुमति कलेक्टर से मांगी है। किसानों ने कलेक्टर को अवगत कराया कि उनके क्षेत्र में वाटर लेबल ठीक हैं। जिससे वे गर्मी के सीजन में धान की बोआई कर सकते हैं। किसान खिलूराम साहू, चोवाराम, उमेंद्र राम, प्रताप सिंह, सुखमा, छगनलाल साहू, मोहनलाल, संतोष साह, हेमलाल साहू ने मंगलवार को कलेक्टर को ज्ञापन के माध्यम से बताया है कि ग्राम धोबनपूरी गंगरेल नदी जो कि भिलाई इस्पाल संयंत्र को पानी प्रदाय की वजह से हमारे ग्राम के जमीन पर हमेशा पानी सीपेज रहता है, जिस पर हम गेहू, चना आदि की फसल नहीं ले पाते है। वही किसानों ने कहा हैं कि गाँव में वाटर लेवल ठीक है। जिसमें गांव के किसान ग्रीष्मकालीन धान बोवाई कर सकते है।

जल जतन अभियान की हुई शुरुआत

उल्लेखनीय हो कि सेंट्रल ग्राउण्ड वाटर बोर्ड के रिपोर्ट के अनुसार जिले के गुरूर ब्लॉक को क्रिटिकल जोन में रखा गया है। इसी तरह बालोद एवं गुंडरदेही ब्लॉक को सेमी क्रिटिकल जोन तथा डौंडी एवं डौंडीलोहारा ब्लॉक को सेफ जोन में रखा गया है। ब्लाकों में घटते जल स्तर को देखते हुए जिले में 5 नवंबर 2024 से 'जल जतन अभियान' का शुभारंभ किया गया है। वही कलेक्टर इन्द्रजीत सिंह चन्द्रवाल ने जल प्रबंधन द्वारा जल संरक्षण के प्रति आम जनता में जागृति उत्पन्न करने के उद्देश्य से जिले में चलाए जा रहे 'जल जतन अभियान' को सफल बनाने हेतु इस अभियान में आम जनता की भागीदारी सुनिश्चित करने को कहा है। जिससे कि भविष्य में जिले में जल संकट की स्थिति निर्मित न हो सके एवं घटते जल स्तर को रोकने हेतु प्रभावी उपाय सुनिश्चित की जा सके।

विभिन्न प्रकार की गतिविधियां आयोजित करने के निर्देश

कलेक्टर इंद्रजीत सिंह चन्द्रवाल ने कुछ दिनों पहले अधिकारियों की बैठक लेकर किसानों को जागरूक करने हेतु जिले के विभिन्न स्थानों में लगाए गए जन चौपालों की भी समीक्षा की थी। उन्होंने निर्धारित स्थानों पर जन चौपाल लगाकर किसानों को ग्रीष्मकालीन धान के बदले गन्ना, गेंहूँ, मक्का, चना, दलहन, तिलहन एवं शाक-सब्जी का उत्पादन के लिए प्रेरित करने को कहा था। वही कृषि विभाग के अधिकारियों को इन फसलों के लिए किसानों को समुचित मात्रा में बीज उपलब्ध कराने तथा इसकी उत्पादनों की बिक्री के व्यवस्था के संबंध में आवश्यक कार्यवाही के निर्देश भी दिए थे। वही अधिकारियों से आम जनता को 'जल जतन अभियान' के संबंध में जानकारी प्रदान करने हेतु साप्ताहिक हाट-बाजार, मेला-मड़ाई आदि में विभिन्न प्रकार की गतिविधियां आयोजित करने के भी निर्देश दिए हैं।

युवा उत्सव वर्ष 2024-25 का आयोजन 02 चरणों में

पायनियर संवाददाता ➤ दल्लीराजहरा
www.dailypioneer.com

खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा दिसंबर माह में युवा उत्सव वर्ष 2024-25 का आयोजन किया जाएगा। संयुक्त कलेक्टर एवं प्रभारी जिला खेल एवं युवा कल्याण अधिकारी पूजा बंसल ने बताया कि जिले में युवा उत्सव वर्ष 2024-25 का आयोजन 02 चरणों में आयोजित किया गया है। जिसके अंतर्गत प्रथम चरण में विकासखण्ड स्तर पर 05 एवं 06 दिसंबर 2024 को एवं द्वितीय चरण में जिलास्तरीय कार्यक्रम का आयोजन 09 दिसंबर 2024 को किया जाएगा। उन्होंने बताया कि युवा उत्सव 2024-25 के पंजीयन की अंतिम तिथि 30 नवंबर 2024 को दोपहर 12 बजे तक निर्धारित की गई है। युवा उत्सव कार्यक्रम में शामिल होने की इच्छुक युवा-युवती संबंधित विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी कार्यालय एवं शासकीय घनश्याम सिंह गुप्त स्नात्कोत्तर महाविद्यालय बालोद में निर्धारित तिथि तक उपस्थित होकर अपना पंजीयन करा सकते हैं। युवा उत्सव में सम्मिलित होने के लिए प्रतिभागियों की आयु 15 से 29 वर्ष निर्धारित की गई है। बंसल ने बताया कि प्रतिभागियों को आयु के संबंध में आवश्यक दस्तावेज उपलब्ध कराना होगा। विकासखण्ड स्तर से चयनित प्रतिभागी ही जिला स्तरीय प्रतियोगिता में सम्मिलित होंगे। इसके साथ ही रॉकबैंड विधा के प्रतिभागी निर्धारित तिथि तक पंजीयन कर सीधे जिला स्तर युवा उत्सव में शामिल हो सकते हैं। रॉकबैंड के दल में प्रतिभागियों की संख्या अधिकतम 10 होगी। विकासखण्ड स्तरीय युवा उत्सव 2024-25 आयोजन का स्थान एवं अन्य विस्तृत जानकारी संबंधित विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी कार्यालय से संपर्क कर प्राप्त किया जा सकता है।

बिसेसर पटेल बने गौ सेवा आयोग के अध्यक्ष

पायनियर संवाददाता ➤ कवर्धा
www.dailypioneer.com

छत्तीसगढ़ शासन, पशुधन विकास विभाग, मंत्रालय, महानदी भवन, नया रायपुर द्वारा आदेश जारी किया गया है। आदेश में लिखा है कि नया रायपुर, दिनांक 25 नवंबर, 2024 क्रमांक एफ 4-1/2020/35 : राज्य शासन एतद्द्वारा छत्तीसगढ़ राज्य गौसेवा आयोग अधिनियम 2004 की कंडिका 4(2) में प्रदत्त शक्तियों का उपयोग करते हुए विशेषर सिंह पटेल, जिला-कबीरधाम को छत्तीसगढ़ राज्य गौसेवा आयोग का अध्यक्ष नियुक्त करती है। अध्यक्ष नियुक्त होते ही पार्टी कार्यकर्ताओं और समर्थकों में खुशी की लहर उमड़ पड़ी है। ज्ञात हो कि पूर्व में भी बिसेसर पटेल गौ सेवा आयोग के अध्यक्ष पद पर रह चुके है।

राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन एनआरएलएम योजना

कबीरधाम जिले में महिलाओं को लखपति दीदी बनाने की योजना फेल

पायनियर संवाददाता ➤ कवर्धा
www.dailypioneer.com

लखपति दीदी एक स्वयं सहायता समूह की सदस्य होती हैं, जिनकी वार्षिक घरेलू आय एक लाख से अधिक होती है। वित्तीय सफलता से परे, वे स्थायी आजीविका प्रथाओं को अपनाकर और एक सभ्य जीवन स्तर प्राप्त करके प्रेरित करती हैं। महिला स्वा सहायता समूह की सामूहिक कार्रवाई, वित्तीय साक्षरता और कौशल विकास के साथ इस यात्रा का समर्थन करते हैं, जिससे सदस्यों को उद्यमशीलता के लिए सशक्त बनाया जाता है। सरकार इस पहल का सक्रिय रूप से समर्थन करती है, विविध आजीविका गतिविधियों को बढ़ावा देती है और रणनीतिक योजना और कार्यान्वयन के लिए विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग को बढ़ावा देती है लेकिन कबीरधाम जिला में ऐसा नहीं हो रहा है। जो चिंतनीय है।

दो वित्तीय वर्ष में एक भी वार्षिक अधिवेशन आयोजित नहीं

राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन योजन कबीरधाम जिला सहसपुर लोहारा विकासखंड के कलस्टर बीडोरा और बाजार चारभाटा में राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन योजन अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2023-24 और 2024-25 में आयोजित वार्षिक अधिवेशन एवं कलस्टर स्तर आयोजित लखपति दीदी कार्यक्रम का तिथि, व्यय का बिल, वाउचर, फोटोग्राफ्स तथा संबंधित समस्त दस्तावेज की जानकारी सूचना के अधिकार अधिनियम के तहत चाही गई लेकिन जन सूचना अधिकारी ने भ्रष्टाचार की उजागर होने की डर से जानकारी निरंक दे दिया है। दो वर्षों में एक भी वार्षिक अधिवेशन आयोजित नहीं किया है।

योजना पर अधिकारी लगा रहे विराम

लखपति दीदी कार्यक्रम में समूह के दीदियों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए प्रशिक्षण आयोजित नहीं किया जा रहा है। ऐसे में दीदियां कैसे लखपति बन पाएगी। कार्यालय जिला पंचायत कबीरधाम का पत्र क्रमांक /5474, 5475, 5476, 5477/ जी. पं. /सुकाअ/ 2024 कबीरधाम 18/11/2024 में स्पष्ट लिखा गया है कि वित्तीय वर्ष 2023-24 और 2024-25 में इस कार्यालय द्वारा किसी कार्यक्रम का आयोजन नहीं किया गया है। उक्त पत्र क्रमांक में रिमन सिंह ठाकुर, जनसूचना अधिकारी एवं अति.मुख्य कार्यपालन जिला पंचायत कबीरधाम का हस्ताक्षर भी है। जो काफी चिंतनीय हैं।

योजना के नाम पर फर्जीवाड़ा की संभावना

राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (एनआरएलएम) के तहत लखपति दीदी कार्यक्रम का वार्षिक अधिवेशन किया जाता हैं। मिली जानकारी अनुसार उक्त कार्यक्रम जिला पंचायत संसाधन केंद्र डंगनिया, लवलीवुड कॉलेज सहित अन्य जगहों पर आयोजित किया है जिसमें भारी गड़बड़ियां कर फर्जी दस्तावेज तैयार कर राशि आहरण किए जाने की जानकारी प्राप्त हुई है। जिसके उजागर होने की संभावनाओं को देखते हुए जिम्मेदार अधिकारी ने गलत जानकारी प्रदान किया है। जिसकी सूक्ष्मता से जांच करने पर तरह तरह की अनियमितता उजागर होने की संभावनाओं से इंकार नहीं किया जा सकता।

उड़नदस्ता टीम स्कूलों में औचक निरीक्षण किया तो बच्चे पीरियड के समय बाहर खेल रहे और शिक्षक ऑफिस में आराम फरमाते मिले

पायनियर संवाददाता ➤ बेमेतरा
www.dailypioneer.com

सहायक संचालक बेमेतरा एसपी कोशले की उड़नदस्ता की टीम ने बेरला विकासखंड के शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मोहभट्ठा और साजा विकास खण्ड के शासकीय बालक उच्चतर माध्यमिक विद्यालय साजा का आकस्मिक निरीक्षण किया। निरीक्षण टीम में सहायक संचालक एस पी कोशले, एपीसी भूपेन्द्र कुमार साहू व अनुराधा साहू शामिल थे। सुबह 10:30 बजे शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मोहभट्ठा विकास खंड बेरला का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के समय और पीरियड के समय में शाला के बच्चे बाहर घूमते हुए तथा सभी व्याख्याता आफिस में आराम फरमाते हुए मिले। इस पर सहायक संचालक ने स्टॉफको फटकार लगाई। शाला में अंग्रेजी विषय के व्याख्याता होते हुए भी अंग्रेजी विषय की पढ़ाई पुरी तरह ठप्प है।शाला के बच्चों को पूछने पर उन्होंने बताया की यहां अंग्रेजी विषय की पढ़ाई बिल्कुल नहीं हो रही है और पूरी तरह ठप्प है। अंग्रेजी विषय के व्याख्याता चिंतामणी वर्मा के रहते हुए भी पढ़ाई न होने की यह बात बच्चों से सुनकर सहायक संचालक द्वारा संबंधित शिक्षक को, स्टॉफ को फटकार लगाते हुए अनिवार्य रूप से पढ़ाई कराने के कड़े निर्देश दिये। गलती को न दोहराने, शाला समयनुसार शिक्षकों की उपस्थिति, डेली डायरी, कक्षा समयानुसार कक्षा में उपस्थित होने, नियमानुसार अवकाश, परख सर्वेक्षण, अपार आई डी, उल्लास, जाति, निवास, जन्म प्रमाणपत्र, छात्रवृत्ति, रजिस्टर संधारण के कार्यो को तत्परता से समय सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिये। ततपश्चात सहायक संचालक एस पी कोशले की टीम बालक उच्चतर माध्यमिक विद्यालय साजा में चल रहे ओपन बोर्ड परीक्षा हाई स्कूल, हायर सेकंडरी का औचक निरीक्षण किया। जिसमें दसवीं कक्षा में 13 विद्यार्थियों में से 12 उपस्थित, बारहवीं कक्षा में 15 में से 14 उपस्थित थे। इतिहास विषय की परीक्षा चल रही थी। केंद्राध्यक्ष अजय कुमार शर्मा है। परीक्षा दो कमरों में संचालित की जा रही है। जिसमें चार पर्यवेक्षकों की ड्यूटी लगाई गई है। जिसमें किसी भी प्रकार की कोई नकल प्रकरण नहीं पाया गया तथा परीक्षा शांतिपूर्ण व सुव्यवस्थित ढंग से नियमानुसार संचालन की जा रही है।

डी.ए.वी. मुख्यमंत्री पब्लिक स्कूल जाँता में मनाया गया भारतीय संविधान दिवस

पायनियर संवाददाता ➤ बेमेतरा
www.dailypioneer.com

जिला बेमेतरा का डीएवी मुख्यमंत्री पब्लिक स्कूल जाँता जो की एक ऐसा विद्यालय है जो अपने सीबीएसई शिक्षा के साथ-साथ विभिन्न क्रियात्मक एक्टिविटी, गतिविधियों के लिए जाना जाता हैं, विद्यालय में संविधान दिवस के उपलक्ष्य में अनेकों प्रतियोगिता आयोजित किया गया, विद्यालय के सात सौं विद्यार्थियों को समूहों (हाउस)में पहला दयानंद हाउस, दूसरा श्रद्धानंद हाउस, तीसरा महात्मानन्द हाउस, चौथा विवेकानंद हाउस में कुल चार हाउसों में विभाजित कर आपस मे प्रतियोगिता आयोजित करवाया जाता हैं जिसमें प्रतियोगिता में, चित्राकला प्रतियोगिता, प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता व भाषण प्रतियोगिता विषय हमारा भारतीय संविधान, निबंध-लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें निबंध लेखन में थीम भारत लोकतंत्र की जननी व हमारा संविधान पर बच्चों ने निबंध लिखें। जैसे कि हम सभी जानते हैं कि 26 नवबंर का दिन हमारे लिए कितना महत्वपूर्ण हैं। डॉ साहब भीमराव अंबेडकर के द्वारा पूरे 2 वर्ष 11 माह व 18 दिन के कड़ी मेहनत से हमारा संविधान तैयार किया गया था। कार्यक्रम में डीएव्ही स्कूल जाँता के प्राचार्य पीएल जायसवाल ने सर्वप्रथम डॉ साहब भीमराव अंबेडकर को पुष्प गुच्छ, माल्या अर्पण किए व दिप प्रज्वलित करके आज के कार्यक्रम का उद्घाटन किया।

संविधान दिवस पर जंतर मंतर में शामिल हुए डॉ. निर्वाणी

सिर्फ एक नारे के लिए 24 महीने जेल में रखा गया : उपासने

पायनियर संवाददाता ➤ बेमेतरा
www.dailypioneer.com

लोकतंत्र सेनानी संघ, वह संगठन जिनके लोगो को, इंदिरा गाँधी द्वारा लगाए गए इमर्जेंसी के विरोध में कारावास में अनिश्चित काल के लिए डाल दिया गया था, देश की राजधानी में जंतर मन्तर में हुए संविधान दिवस के अवसर पर लोकतंत्र सेनानियों ने जंतर मन्तर से कांग्रेस और इंदिरा गाँधी को कोषते हुए पूछा कि कांग्रेस का लोकतंत्र पर भरोसा नही, यही कारण की सन 1975 में देश के पत्रकारों, वकीलों और राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के सदस्यों को जबरिया कारवास में डाला गया, बेमेतरा के लोकतंत्र सेनानी हृदय नारायण निर्वाणी के पुत्र डॉ सौरभ निर्वाणी ने बतौर प्रतिनिधि हिस्सा लिया, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सचिदानंद उपासने ने संविधान दिवस के अवसर पर अपने उद्बोधन में कहा की जब मैं 18 वर्ष का था तो सिर्फ एक लाइन के नारे इन्दिरा तेरी तानाशाही नहीं चलेगी कहने पर 24 महीनों के लिए जेल में डाल दिया गया, ये कांग्रेस अब सविंधान को खतरे में बता कर उसकी रक्षा की बात करते हैं, सविंधान दिवस के अवसर पर पूर्व केंद्रीय मंत्री अश्वनी चौबे, विधायक ओपी बब्बर, शंकर लाल तिवारी, मध्यप्रदेश नरसिंहपुर के संसद सदस्य दर्शन सिंह, राष्ट्रीय महामंत्री तपन भौमिक राष्ट्रीय अध्यक्ष कैलाश सोनी, भाजपा के राज्यसभा सांसद राजेन्द्र ने देश भर के लोकतंत्र सेनानियों को ताम्रपत्र देने की मांग की वहीँ डॉ. सौरभ निर्वाणी ने सुझाव देते हुए कहा कि जिले के भाजपा कार्यालयों में लोकतंत्र सेनानियों की फोटो लगाई जाए ताकि उनके त्याग और बलिदान से कार्यकर्ता प्रेरित होते रहें।

हुच्चेटोला के ग्रामीणों को मछली पालन व्यवसाय के संबंध में प्रशिक्षण प्रदान करने के निर्देश

समय-सीमा की बैठक में कलेक्टर ने विभिन्न विभागों के कार्यों की प्रगति की समीक्षा की, संविधान दिवस के अवसर पर भारतीय संविधान की प्रस्तावना का किया गया वाचन

पायनियर संवाददाता ➤ बालोद
www.dailypioneer.com

कलेक्टर इन्द्रजीत सिंह चन्द्रवाल ने संयुक्त जिला कार्यालय सभाकक्ष में आयोजित साप्ताहिक समय-सीमा की बैठक में विभिन्न विभागों के कार्यों की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की। इंद्रजीत सिंह चन्द्रवाल ने अधिकारियों को शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं को निर्धारित समयावधि में समुचित क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए हैं। इस दौरान कलेक्टर ने संविधान दिवस के अवसर पर समय-सीमा की बैठक में उपस्थित अधिकारियों को भारतीय संविधान की प्रस्तावना का वाचन भी कराया। बैठक में अपर कलेक्टर चंद्रकांत कौशिक एवं संयुक्त कलेक्टर अजय किशोर लकरा एवं पूजा बंसल सहित राजस्व अनुविभागीय अधिकारियों के अलावा अन्य अधिकारीगण उपस्थित थे।

भर्ती प्रक्रिया को शीघ्र पूरा करने के निर्देश

बैठक में कलेक्टर इंद्रजीत सिंह चन्द्रवाल ने समर्थन मूल्य पर धान खरीदी के कार्य की समीक्षा करते हुए संबंधित विभाग के अधिकारियों को सभी धान खरीदी केन्द्रों में समुचित मात्रा में बारदानों की व्यवस्था सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए। इस दौरान उन्होने मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी से जिले के अस्पतालों में फायर ऑडिट के कार्य के संबंध में जानकारी ली। उन्होंने मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को जिले के सभी अस्पतालों में अनिवार्य रूप से फायर ऑडिट कराने के निर्देश दिए। इंद्रजीत सिंह चन्द्रवाल ने मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी से स्वास्थ्य विभाग में चल रहें भर्ती प्रक्रिया के संबंध मे जानकारी ली तथा इसे शीघ्र पूरा कराने के निर्देश भी दिए।

जेजेएम के कार्यों का प्रस्तुत किया गया पावर प्वाइंट प्रेजेन्टेशन

इस दौरान लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के कार्यों, लक्ष्य एवं उपलब्धि के संबंध में तथा वन संसाधन आदर्श ग्राम हुच्चेटोला में निवासरत् ग्रामीणों के आय संवर्धन हेतु किए जा रहे उपायों के संबंध में पावर प्वाइंट प्रेजेन्टेशन प्रस्तुत भी प्रस्तुत किया गया। इस दौरान लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग कार्यपालन अभियंता सुक्रांत साहू ने पावर प्वाइंट प्रजेन्टेशन के माध्यम से जिले में जल जीवन मिशन के कार्यों के प्रगति के संबंध में जानकारी दी। इसके अलावा सहायक आयुक्त आदिवासी विभाग के द्वारा जिले के अंतिम सीमा पर स्थित डौंडीलोहारा ब्लॉक के वन संसाधन आदर्श ग्राम हुच्चेटोला के निवासियों के आय संवर्धन हेतु किए जा रहे कार्यो के प्रगति के संबंध में विस्तृत जानकारी दी। इंद्रजीत सिंह चन्द्रवाल ने ग्राम हुच्चेटोला में सिंचाई हेतु पानी की समुचित उपलब्धता सुनिश्चित कराने हेतु जल संसाधन एवं लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग तथा क्रेडा के प्रभारी अधिकारी को कार्यपालन अभियंताओं को संयुक्त रूप से कलेक्टर ने मछली पालन के व्यवसाय की ली जानकारी

बैठक में उन्होंने पशुपालन विभाग के उपसंचालक को मुर्गी पालन हेतु चिह्नित हितग्राहियों को समुचित मात्रा में चुजे प्रदान करने के निर्देश भी दिए। इसके अलावा उन्होंने कृषि विभाग के उप संचालक को ग्रामीणों को अपनी विभाग की योजनाओं से लाभान्वित कराने हेतु किए जा रहे उपायों की भी जानकारी ली। उन्होंने मछली पालन विभाग के सहायक संचालक से ग्राम हुच्चेटोला के ग्रामीणों को मछली पालन के व्यवसाय तथा विभागीय योजनाओं से लाभान्वित कराने हेतु किए जा रहे उपायों के संबंध में जानकारी ली। उन्होंने कृषि विज्ञान केन्द्र के अधिकारियों को ग्राम हुच्चेटोला के ग्रामीणों को मछली पालन व्यवसाय के संबंध में प्रशिक्षण प्रदान करने के निर्देश भी दिए। बैठक में उन्होंने मुख्यमंत्री जनदर्शन में प्राप्त आवेदन पत्रों के निराकरण की स्थिति की समीक्षा करते हुए इन सभी प्रकरणों का विशेष प्राथमिकता के साथ निराकरण सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने 5 एवं 6 दिसंबर से प्रारंभ हो रहे युवा उत्सव वर्ष 2024-25 के आयोजन के तैयारियों की समीक्षा करते हुए संबंधित विभाग के अधिकारियों को जिले में इसके सफल आयोजन हेतु सभी तैयारियां सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए।

सिवनी धानमंडी का शुभारंभ 218 क्विंटल धान खरीदी एवं किसानों का सम्मान के साथ हुआ प्रारंभ

पायनियर संवाददाता ◄ चांपा
www.dailypioneer.com

ग्राम पंचायत सिवनी (चांपा) के धानमंडी का शुभारंभ 218 क्विंटल धान के साथ उत्साहपूर्वक किया गया। किसानों के लिए एक नई शुरुआत शुभारंभ के दौरान, किसानों को उनके योगदान के लिए सम्मानित किया गया और कृषि को सशक्त बनाने की प्रतिबद्धता जताई गई। प्रमोद देवांगन ने अपने संबोधन में मंडी को किसानों के लिए अधिक लाभकारी और पारदर्शी बनाने का संकल्प लिया। उन्होंने किसानों को उनकी फसल का उचित मूल्य दिलाने और सरकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाने का आश्वासन दिया।

मुख्य अतिथि डॉ. खिलावन साहू ने कहा कि यह मंडी क्षेत्र के किसानों के लिए एक बड़ी उपलब्धि है और इससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था को बल मिलेगा। उन्होंने सरकार की योजनाओं की सराहना करते हुए किसानों को इनका अधिकतम लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया। ग्राम सिवनी के किसान भाइयों ने इस आयोजन में उत्साहपूर्वक भाग लिया। किसानों ने मंडी के शुभारंभ को अपने हितों के लिए एक सकारात्मक कदम माना। मंडी के माध्यम से उन्हें अब फसल बेचने में आसानी और उचित मूल्य मिलने की संभावना है। इस कार्यक्रम का सफल आयोजन क्षेत्र के सभी किसानों, स्थानीय नेतृत्व और गणमान्य व्यक्तियों की एकता और सहयोग का प्रतीक रहा। यह मंडी न केवल कृषि व्यापार को बढ़ावा देगी, बल्कि क्षेत्र के विकास में भी सहायक सिद्ध होगी। सिवनी धानमंडी का शुभारंभ किसानों और स्थानीय प्रशासन के लिए एक नई दिशा प्रदान करता है। यह आयोजन कृषि क्षेत्र के विकास और किसानों के आर्थिक उत्थान के लिए मील का पत्थर साबित होगा। इस अवसर पर नियुक्त सेवा सहकारी समिति मर्यादित सिवनी के नवनियुक्त अध्यक्ष प्रमोद देवांगन ने पदभार ग्रहण किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व विधायक डॉ. खिलावन साहू और ग्राम पंचायत सिवनी सरपंच प्रतिनिधि चंद्रकुमार राठौर रहे। इस भव्य आयोजन में सिवनी के कई प्रमुख नेता और गणमान्य नागरिक उपस्थित थे जिनमें मनमोहन देवांगन, हेतराम देवांगन, जय भवानी देवांगन, चंद्र कुमार राठौर, चंद्र देव साहू, लखन कुम्हार, बबलू राठौर, चूड़ामणि राठौर, रामाधिन राठौर, रामकुमार तिवारी, जगन्नाथ बरेठ, राजेंद्र राठौर, रामरतन राठौर, कोमल राठौर, शिवम् राठौर, पवित्र पाल नामदेव, शिव सारथी, सरोज राठौर, अनुपम नामदेव, और गोविंद साहू शामिल रहे। इस कार्यक्रम में मंडल अध्यक्ष प्रभाष सिंह ठाकुर, महामंत्री रवि गबेल, कृष्ण कुमार देवांगन और परमेश्वर गौरह सहित ग्राम पंचायत कुरदा सरपंच प्रतिनिधि नर्सिंग साहू, राम सिंह ने भी अपनी गरिमामयी उपस्थिति दर्ज कराई।इसी तरह उक्त कार्यक्रम में धान खरीदी प्रभारी श्रवण कुमार कश्यप, कंप्यूटर ऑपरेटर, बारदाना प्रभारी, महावीर बरेठ उक्त कर्मचारिय एवं किसान मौजूद रहे।

कलेक्टर ने कानून व्यवस्था के संबंध में ली बैठक

पायनियर संवाददाता ◄ सूरजपुर
www.dailypioneer.com

कलेक्टर एस. जयवर्धन ने कलेक्टोरेट सभाकक्ष में जिले में कानून व्यवस्था बनाए रखने के संबंध में अपर कलेक्टर, संयुक्त कलेक्टर, सभी एसडीएम, एसडीओपी, तहसीलदार, थाना प्रभारी व अन्य जिला स्तरीय अधिकारियों की बैठक ली। इस दौरान जिले में कानून व्यवस्था बनाए रखने के संबंध में चर्चा की गई और संबंधित अधिकारियों को संयुक्त रूप से कार्य करने को कहा। कलेक्टर जयवर्धन ने कहा कि जिले में कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए सभी अधिकारी सजग होकर आपसी समन्वय के साथ कार्य करें। उन्होंने सभी अनुविभागीय अधिकारी राजस्व को निर्देशित करते हुए कहा कि सभी अपने क्षेत्रों में असामाजिक तत्वों के द्वारा की जाने वाली वारदातों, घटनाओं एवं विवादों पर पैनी नजर रखें। किसी भी तरह की असामाजिक गतिविधि होने अथवा अप्रिय स्थिति की संभावना को देखते ही त्वरित रूप में सख्त कार्यवाही करें। इसके अलावा कलेक्टर जयवर्धन ने नशीली दवाइयों की अवैध आपूर्ति रोकने, कोटपा एक्ट के तहत तंबाकू उत्पादों की बिक्री पर नियमित कार्यवाही करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। साथ ही उन्होंने नशामुक्ति के लिए सभी विभाग को समन्वय करते हुए सभी संभव उपाय करने के निर्देश दिए। इसके अलावा उन्होंने जिले में सड़क यातायात में व्यवधान उत्पन्न करने वालों पर सख्त कार्यवाही करने के निर्देश दिए। उन्होंने सड़क किनारे अवैध दुकान लगाने पर कार्यवाही करने के निर्देश दिए। साथ उन्होंने सड़कों पर आवारा पशुओं के विचरण रोकने और यातायात सुचारु करने के लिए भी नियमित कार्यवाही करने के निर्देश दिए। कलेक्टर जयवर्धन ने जिले में होने वाले विभिन्न आयोजनों के दौरान जानबूझकर ध्वनि प्रदूषण कर कानून व्यवस्था का उल्लंघन किए जाने पर सख्त कार्यवाही करने के निर्देश दिए। उन्होंने गाड़ियों में अवैध रूप से डीजे साउंड सिस्टम लगाने और मानक स्तर से अधिक ध्वनि उत्पन्न कर प्रदूषण करने पर त्वरित एवम सख्त कार्यवाही करने के निर्देश सम्बन्धित अधिकारियों को दिए।

बोलेगा बचपन में प्राथमिक शाला अमोदी की बच्चो ने मचाई धूम

पायनियर संवाददाता ◄ बम्हनीडीह
www.dailypioneer.com

संकुल स्तरीय बोलेगा बचपन कार्यक्रम में संकुल बम्हनीडीह के सभी स्कूलों के बच्चो के साथ शासकीय प्राथमिक शाला अमोदी के बच्चो ने भी भाग लिया और उत्कृष्ट प्रदर्शन कर विकासखंड स्तरीय कार्यक्रम में अपनी जगह बना पाने में कामयाब भी हुए। शिक्षक गुलजार बरेठ के मार्गदर्शन में प्राथमिक शाला अमोदी के चार बच्चों ने प्राथमिक वर्ग के अलग अलग विधाओ जैसे कविता, आत्म परिचय, स्पीड रीडिंग आदि में भाग लिया, जिसमें कक्षा पहली दूसरी वर्ग से आशिका सहिस को कविता में प्रथम स्थान,कैलाश साहू को आत्म परिचय में प्रथम स्थान, इसी तरह तीसरी से पांचवी वर्ग में स्पीड रीडिंग में मयंक सिदार को प्रथम स्थान, कविता पाठ में विद्या यादव को द्वितीय स्थान प्राप्त हुआ। आपको बता दे कि स्कूल के विद्यार्थियों के अभिव्यक्ति कौशल के विकास करने एवं डर तथा झिझक दूर करने के उद्देश्य से जिला प्रशासन जांजगीर द्वारा अभिनव पहल बोलेगा बचपन चलाया जा रहा है। जिसके अंतर्गत प्रत्येक स्कूलों में इन दिनों प्रार्थना सभा के दौरान बच्चो के द्वारा सुविचार, कविता, कहानी, हमने क्या सीखा आदि प्रस्तुत किया जा रहा है जिसका व्यापक एवं सकारात्मक असर बच्चो के शैक्षिक स्तर में दिख रहा है। बच्चो का डर एवं झिझक तो दूर हो ही रहा है। बच्चे सामने आकर बोल पा रहे है वही नई नई विधाओं में भी निपुण होते जा रहे है। जिला प्रशासन के इस अभिनव पहल को सराहना भी मिल रहा है।

बच्चो के उत्कृष्ट प्रदर्शन करने पर संकुल प्राचार्य बजरंग श्रीवास, सीएसी दुष्यंत राज शाला के प्रधान पाठक मोहन लाल सहीस ने बच्चो को बधाई दिया साथ ही विकासखंड एवं जिला स्तरीय कार्यक्रम के लिए शुभकामनाएं भी प्रेषित किया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में संकुल एवं सेजेस बम्हनीडीह के शिक्षक एवं छात्र गण उपस्थित रहे।

कलेक्टर ने जनदर्शन में लोगों की समस्याएं सुनी आवेदनों का गंभीरता से निराकरण करने निर्देश

पायनियर संवाददाता ◄ जशपुरनगर
www.dailypioneer.com

कलेक्टर रोहित व्यास ने सोमवार को जिला कार्यालय में जनदर्शन के माध्यम से आम नागरिकों से मुलाकात करते हुए उनकी मांगों और समस्याओं की जानकारी ली। जनदर्शन में जिले के नागरिक राशनकार्ड, आयुष्मान कार्ड, प्रधानमंत्री आवास योजना, पेंशन, अनुकम्पा नियुक्ति, राजस्व सहित अन्य संबंध में आवेदन लेकर पहुंचे थे। कलेक्टर सभी अधिकारियों को लोगों की समस्याओं का प्राथमिकता से निराकरण करने के निर्देश दिए। जनदर्शन में कुल 42 आवेदन प्राप्त हुए। कलेक्टर ने अधिकारियो को सभी प्रकरणों पर संवेदनशीलता पूर्वक कार्यवाही करते हुए उनका समय पर निराकरण करने के लिए निर्देशित किया।

02 दिसम्बर को पार्ट टाइम लेक्चरर के लिए वॉक इन इंटरव्यू आवेदन आमंत्रित

सूरजपुर। शासकीय पॉलीटेक्निक सूरजपुर, कैंपस वेटनरी पॉलीटेक्निक, सरनापारा, पर्री में संचालित त्रिवर्षीय डिप्लोमा पाठ्यक्रम हेतु रिक्त पद के विरूद्ध विषम सेमेस्टर सत्र 2024-25 में अध्यापन कार्य के लिए अंशकालीन व्याख्याता/ अस्थाई के रूप में कार्य करने हेतु इच्छुक आवेदक को वॉक इन इंटरव्यू के लिए आमंत्रित किया जाता है। इच्छुक आवेदक 02 दिसम्बर 2024 को समय प्रातः 11.00 बजे अपने रिज्यूम, मूल दस्तावेजों एवं एक सेट छायाप्रति के साथ शासकीय पॉलीटेक्निक सूरजपुर में उपस्थित हो सकते हैं। समय प्रातः 11.30 बजे के पश्चात् आने वाले अभ्यर्थी प्रक्रिया में सम्मिलित नहीं हो सकेंगे। अंशकालीन व्याख्याता/ अस्थायी हेतु 01 पद व्याख्याता (अंग्रेजी), न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय, संस्था से अंग्रेजी विषय में प्रथम श्रेणी में स्नातकोत्तर उपाधि। अधिक जानकारी के लिए संस्था के वेबसाइट www.polysurajpur.ac.in पर देख सकते हैं।

कलेक्टर एस. जयवर्धन ने की, त्रिस्तरीय पंचायत और नगरीय निकाय चुनाव के तैयारियों की समीक्षा

पायनियर संवाददाता ◄ सूरजपुर
www.dailypioneer.com

कलेक्टर जयवर्धन ने जिले में त्रिस्तरीय पंचायत और नगरीय निकाय चुनाव के तैयारियों की समीक्षा की। इस दौरान बैठक में अपर कलेक्टर नयनतारा सिंह तोमर, नरेंद्र पैकरा और जगन्नाथ वर्मा, डिप्टी कलेक्टर चांदनी कंवर, समस्त अनुविभागीय अधिकारी राजस्व, तहसीलदार, नायब तहसीलदार सहित अन्य अधिकारीगण उपस्थित थे। इस अवसर पर कलेक्टर जयवर्धन ने मतदाता सूची की अद्यतन स्थिति, मतदान केंद्र भवनों, रैंप, शौचालय सहित सभी सुविधाओं की जानकारी ली और आवश्यक दिशा निर्देश दिए। इसके अलावा उन्होंने मानव संसाधन प्रशिक्षण, निर्वाचन सामग्रियों के सम्बन्ध में तथा संवेदनशील/ संवेदनशील मतदान केंद्रों की जानकारी लेते हुए दिशा निर्देश दिए।

कलेक्टर ने राजस्व अधिकारियों की ली समीक्षा बैठक

पायनियर संवाददाता ◄ सूरजपुर
www.dailypioneer.com

कलेक्टर एस. जयवर्धन द्वारा संयुक्त जिला कार्यालय के सभाकक्ष में राजस्व अधिकारियों की समीक्षा बैठक ली। बैठक में अपर कलेक्टर नयनतारा सिंह तोमर, नरेंद्र पैकरा और जगन्नाथ वर्मा, डिप्टी कलेक्टर चांदनी कंवर, समस्त अनुविभागीय अधिकारी राजस्व, तहसीलदार, नायब तहसीलदार सहित अन्य अधिकारीगण उपस्थित थे। कलेक्टर ने राजस्व विभाग के कामकाजों की समीक्षा करते हुए राजस्व अधिकारी एसडीएम, तहसीलदार, नायब तहसीलदारों को निर्देशित करते हुए आमजनों के सभी राजस्व प्रकरणों का निराकरण समय सीमा में करना सुनिश्चित करें। कलेक्टर ने बैठक में फौती नामांतरण, भूमि अधिग्रहण, सीमांकन, डायवर्सन, त्रुटि सुधार, बंदोबस्त, खसरा एवं नक्शा त्रुटि सुधार, अविवादित, विवादित नामांतरण, बंटवारा, भूमि आबंटन, जाति, निवास, आय प्रमाण पत्र, पटवारी की उपलब्धता और अभिलेख दुरुस्तीकरण, भू-राजस्व वसूली, भू-अर्जन प्रकरणों का मुआवजा भुगतान की स्थिति, वन अधिकार पट्टा आदि की विस्तार से जानकारी ली। कलेक्टर ने बैठक में लंबित राजस्व प्रकरणों के निराकरण में प्रगति लाने के निर्देश दिए। साथ ही सभी प्रकरणों का समय सीमा में निराकरण करने के लिए कहा।

16 दिवसीय सक्रियता अभियान के रूप में लिंग आधारित हिंसा को समाप्त करने हेतु जागरूकता कार्यक्रम किया गया आयोजित

- 25 नवम्बर से 10 दिसम्बर तक मनाया जा रहा है ''मानव अधिकार दिवस''

पायनियर संवाददाता ◄ सूरजपुर
www.dailypioneer.com

जिले के कलेक्टर एस. जयवर्धन के निर्देशन तथा महिला एवं बाल विकास विभाग के जिला कार्यक्रम अधिकारी रमेश साहू के मार्गदर्शन में शासकीय कन्या उ. मा. वि. सूरजपुर में 25 नवम्बर से 10 दिसम्बर तक ''मानव अधिकार दिवस'' तक विश्व भर में 16 दिवसीय सक्रियता अभियान के रूप में लिंग आधारित हिंसा को समाप्त करने हेतु जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में जिला बाल संरक्षण अधिकारी मनोज जायसवाल द्वारा पॉक्सो अधिनियम, गुड टच बैड टच, बाल विवाह एवं टोल फ्री नं.1098, 112 आदि की जानकारी दी गई। कार्यक्रम में महिला संरक्षण अधिकारी इंन्द्र तिवारी के द्वारा मिशन शक्ति अंतर्गत विभिन्न योजनाएं एवं सेवाएं जैसे वन स्टॉप सेंटर, शक्ति सदन के प्रति जागरूकता एवं महिला उत्पीड़न घरेलू हिंसा अधिनियम 2005, महिला उत्पीड़न इलेक्ट्रॉनिक शिकायत पोर्टल, महिला हेल्पलाइन 181 इत्यादि के बारे में छात्राओं को जानकारी दी गई। कार्यक्रम उपरांत छात्राओं की रैली भी निकाली गई कार्यक्रम लगभग 400 छात्राएं एवं शिक्षक गण उपस्थित रहें।

महिला आयोग सदस्य सरल कोसरिया का दौरा कार्यक्रम 27 से 29 नवंबर तक

पायनियर संवाददाता ◄ सक्ती
www.dailypioneer.com

छत्तीसगढ़ राज्य महिला आयोग की छत्तीसगढ़ शासन द्वारा नवनियुक्त सदस्य सरला कोसरिया आज से 29 नवंबर तक छत्तीसगढ़ प्रदेश के विभिन्न जिलों के प्रवास पर रहेगी, इस दौरान सरला कोसरिया रायगढ़ जिला, जांजगीर चांपा जिला एवं कोरबा जिले में महिला आयोग से संबंधित प्रकरणों की सुनवाई करेंगी तो वही 27 नवंबर दिन-बुधवार को सुबह 8:00 बजे सरायपाली से रायगढ़ जिले के लिए प्रस्थान कर सुबह 10:00 बजे रायगढ़ के सर्किट हाउस में पहुंचगी,दोपहर लंच सर्किट हाउस में करेंगी एवं दोपहर 12:00 से रायगढ़ के सर्किट हाउस के सृजन सभा कक्ष कलेक्टर परिसर में रायगढ़ जिले से संबंधित समस्त प्राप्त प्रकरणों की सुनवाई करेंगी, शाम 5:00 बजे रायगढ़ जिले की सुनवाई के पश्चात सर्किट हाउस रायगढ़ में स्वल्पाहार एवं आम जनों से मुलाकात कर शाम 6:00 बजे सरायपाली जिला- महासमुंद के लिए प्रस्थान जारेंगी एवं रात्रि 8:00 बजे सरायपाली आगमन होगा, 28 नवंबर दिन- गुरुवार को सुबह 8:00 बजे सरायपाली से जिला-जांजगीर चाम्पा के लिए प्रस्थान कर सुबह 10:45 बजे जांजगीर चाम्पा के सर्किट हाउस में दोपहर का लंच लेकर जांजगीर चांपा कलेक्टर सभा कक्ष में जांजगीर चांपा जिला से संबंधित प्रकरणों की सुनवाई जारेंगी एवं शाम 5:00 बजे सुनवाई पश्चात चाम्पा के सर्किट हाउस में स्वल्पाहार एवं आम जनों से मुलाकात करेंगी तथा शाम 5:30 बजे सर्किट हाउस जांजगीर चांपा से सरायपाली जिला-महासमुंद के लिए प्रस्थान कर रात्रि 8:15 बजे सरायपाली पहुंचेंगी। वहीं 29 नवंबर दिन- शुक्रवार को सुबह 8:00 बजे सरायपाली जिला से जिला-कोरबा के लिए प्रस्थान करेंगी एवं प्रातः 10:40 बजे छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत मंडल सर्किट हाउस कोरबा में आगमन के साथ ही दोपहर का लंच लेंगी एवं छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत मंडल के सर्किट हाउस से कोरबा के जिला पंचायत सभा कक्ष में पहुंचकर कोरबा जिले से प्राप्त प्रकरणों की सुनवाई करेंगी एवं शाम 5:00 बजे सुनवाई पश्चात सर्किट हाउस से कोरबा आएंगी एवं वहां स्वल्पाहार एवं आम जनों से मुलाकात कर रात्रि 8:00 बजे कोरबा जिले से सरायपाली जिलाट्टमहासमुंद के लिए प्रस्थान कर रात्रि 10:50 बजे सरायपाली पहुंचेंगी।

समय सीमा की बैठक में कलेक्टर ने विभागवार एक-एक आवेदन पर जानकारी प्राप्त कर, निर्धारित समय पर आवेदन के निराकरण पर आवश्यक दिशा निर्देश

पीएम सूर्य घर मुफ़्त बिजली योजना के बारे में लोगों को किया जाए जागरूक : कलेक्टर

पायनियर संवाददाता ◄ सूरजपुर
www.dailypioneer.com

कलेक्टर एस.जयवर्धन की अध्यक्षता में समय सीमा प्रकरणों की साप्ताहिक समीक्षा बैठक आज जिला संयुक्त कार्यालय के सभाकक्ष में संपन्न हुई। बैठक में डीएफओ श्री पंकज कमल, सीईओ जिला पंचायत सीईओ कमलेश नंदिनी साहू, अपर कलेक्टर नयनतारा सिंह तोमर सहित, सर्व एसडीएम व सभी विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित थे।

बैठक में कलेक्टर ने विभागवार एक-एक आवेदन पर जानकारी प्राप्त कर, निर्धारित समय पर आवेदन के निराकरण पर आवश्यक दिशा निर्देश दिए। उन्होंने समय-सीमा प्रकरणों की समीक्षा के साथ विभागीय कार्यों की समीक्षा भी की। बैठक में उन्होंने प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना को लेकर विस्तृत चर्चा की। पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के बारे में लोगों को किया जाए जागरूक, इसके लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। उन्होंने आदर्श सौर गांव कुंजनगर (बिश्रामपुर) में विद्युत विभाग, वेंडर, बैंक व हितग्राहियों के उपस्थित में विशेष शिविर आयोजित करने के निर्देश सम्बन्धित को दिये ताकि हितग्राहियों को शीघ्र योजना का लाभ मिल सके।पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना - इसमें आवेदक के घर की छत पर सोलर पैनल लगाया जाता है। इसके खर्च में सरकार की ओर से सब्सिडी दी जाती है। इससे आवेदक के घर का बिजली बिल लोड काफी कम हो जाता है। इस योजना से पर्यावरण को सुरक्षित रखने में मदद मिलती है। ज्यादा जानकारी के लिए ऑफिशियल वेबसाइट pmsuryaghar.gov.in पर जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना अभियान से ग्रीन एनर्जी मिशन को बढावा देकर पर्यावरण का संतुलन बनाए रखने में मदद होगी। बैठक के दौरान आबकारी विभाग द्वारा लांच किये गए मोबाइल ऐप 'मनपसंद' के बारे में आबकारी अधिकारी ने जानकारी देते हुए बताया कि इस एप्प का उद्देश्य शराब उपभोक्ताओं को पारदर्शी व बेहतर सुविधा प्रदान करना है। इस ऐप के माध्यम से उपभोक्ता को क्या-क्या सुविधा प्राप्त होगी इसके सम्बंध में जानकारी दी गई। एप्प में पसंद के ब्रांड की शराब की दुकान में उपलब्धता तथा शराब की वास्तविक कीमत प्रदर्शित होती है ताकि ग्राहक भ्रमित ना हो और उत्पाद का वास्तविक मूल्य अदा करें। इसमें ग्राहकों को अपनी समस्या पर शिकायत दर्ज करने की सुविधा भी दी गई है, जिससे वे शराब की दुकानों से जुड़ी समस्याओं की।

चोरिया मे मितानिनो का हुआ सम्मान

पायनियर संवाददाता ◄ जांजगीर चांपा
www.dailypioneer.com

जांजगीर चांपा जिले के बम्हनीडीह विकास खण्ड के ग्राम पंचायत चोरिया के पंचायत भवन मे मितानिनो का सम्मान कार्यक्रम हुआ जिसमे मितानीनो को पुष्प गुच्छ, साड़ी एवं श्रीफल देकर सम्मानित् किया गया, उक्त कार्यक्रम मे सरपंच रीना सूर्यवंशी, उपसरपंच नारायण प्रसाद सूर्यवंशी, सचिव जयराम यादव, पी एच सी चोरिया के डा. चंदेल, हायर सेकंडरी स्कूल चोरिया के प्राचार्य कवल् सिंह राठिया, प्रेमलता देवांगन (बी सी), कुंती देवांगन (एम.टी.) शकुन्तला देवांगन पंच, सरिता कहरा पंच, मुकुन्द् राम् साहू, रविन्द्र देवांगन पंच, कुश कश्यप पंच, चित्रकांत कश्यप, माखन दास महंत कोटवार, रामेश्वर डहरिया, नाथूराम सूर्यवंशी, सुरेश देवांगन, देवेंद्र कहरा, जीतेन्द्र सूर्यवंशी, दूजराम सूर्यवंशी , रम्मन सूर्यवंशी, सभी मितानिन, पंचगण, एवं ग्रामीण उपस्थित थे।

दिव्यांगजनों के लिए रोजगार मेलाः सशक्तिकरण की दिशा में एक अहम पहल

पायनियर संवाददाता ➤ महासमुंद
www.dailypioneer.com

साईटसेवर्स इंडिया द्वारा महासमुंद नगर स्थित टाउन हॉल में दिव्यांगजनों के लिए एक विशेष रोजगार मेले का आयोजन किया गया। इस आयोजन में शासकीय संस्थानों ने भी सहयोग प्रदान किया, जिसका उद्देश्य दिव्यांगजनों को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराना और उन्हें समाज में सशक्त बनाना था। रोजगार मेले में कुल 257 लोग उपस्थित रहे, जिनमें से 185 दिव्यांगजनों ने सक्रिय रूप से भाग लिया। इन प्रतिभागियों ने रोजगार के विभिन्न अवसरों में रुचि दिखाते हुए अपनी जॉब प्रोफाइल भरी। मेले में बड़ी संख्या में दिव्यांगजन शामिल हुए, जो अपने कौशल और क्षमता के आधार पर रोजगार के अवसर प्राप्त करने के लिए उत्साहित थे। इस आयोजन में विभिन्न प्रतिष्ठित कंपनियों और संस्थानों ने भाग लिया और अपने-अपने स्टॉल लगाए। रोजगार प्रदाताओं ने अपनी संस्थाओं में उपलब्ध रिक्तियों की जानकारी दी और दिव्यांगजनों के लिए उपयुक्त नौकरी के अवसर प्रस्तुत किए। प्रमुख रोजगार प्रदाताओं में शामिल थे। एलआईसी, एसबीआई, जिला रोजगार कार्यालय आई मित्रा, रिक्रूज जय पतई माता हॉस्पिटल, पटेवा शिखर कंप्यूटर डॉ. रेड्डी फाउंडेशन एंड्रोमिडा फाइनेंस निडकॉन सर्विसेज औद्योगिक क्षेत्र बिरकोनी इन संस्थानों ने न केवल दिव्यांगजनों के लिए रोजगार के अवसर प्रस्तुत किए, बल्कि उनके कौशल के विकास और क्षमता निर्माण के लिए मार्गदर्शन भी प्रदान किया। रोजगार मेले में मुख्य अतिथि के रूप में प्रसिद्ध सोशल इंफ्लुएंसर डॉ. एकता लहंगे उपस्थित रहीं। उन्होंने दिव्यांगजनों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि उनकी प्रतिभा और कौशल किसी भी चुनौती का सामना करने में सक्षम हैं। डॉ. लहंगे ने समाज को जागरूक करने और दिव्यांगजनों के प्रति सहानुभूति एवं सम्मान बढ़ाने पर जोर दिया। विशिष्ट अतिथि के रूप में महासमुंद समाज कल्याण उपसंचालक संगीता सिंह ने कार्यक्रम को संबोधित किया। उन्होंने इस आयोजन की सराहना करते हुए कहा कि इस तरह के प्रयास समाज में समावेशिता को बढ़ावा देते हैं और दिव्यांगजनों को उनकी क्षमताओं के अनुरूप रोजगार पाने में सहायता प्रदान करते हैं। साईटसेवर्स इंडिया की राज्य प्रमुख सुश्री उर्मिमाला सेनगुप्ता ने इस आयोजन की सफलता पर खुशी व्यक्त की। उन्होंने कहा कि यह रोजगार मेला दिव्यांगजनों को मुख्यधारा में जोड़ने का एक सशक्त माध्यम है। सेनगुप्ता ने कहा, दिव्यांगजनों के लिए रोजगार के अवसर पैदा करना हमारी प्राथमिकता है। हम उनके जीवन को बेहतर बनाने के लिए निरंतर प्रयासरत हैं। साईटसेवर्स इंडिया के कार्यक्रम अधिकारी प्रांजल प्रकाश त्रिपाठी ने आयोजन के दौरान सभी प्रतिभागियों और रोजगार प्रदाताओं के बीच समन्वय बनाए रखने में अहम भूमिका निभाई। राज्य सलाहकार संदीप रॉय ने भी अपनी विशेषज्ञता और अनुभव के माध्यम से कार्यक्रम को सफल बनाने में सहयोग किया।

दिव्यांगजनों के अनुभव और उत्साह

रोजगार मेले में शामिल दिव्यांगजन इस पहल से अत्यधिक प्रेरित नजर आए। मेले में उपस्थित प्रतिभागियों ने अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि उन्हें इस आयोजन से न केवल रोजगार के अवसर मिले, बल्कि उन्हें अपने कौशल और क्षमता को पहचानने का भी मौका मिला। एक प्रतिभागी ने कहा, यह मेला हमारे लिए बहुत खास है। यहां हमें रोजगार प्रदाताओं से सीधे बातचीत करने का मौका मिला और हमें समझ में आया कि हमारी क्षमताओं के अनुसार किस क्षेत्र में काम करना सबसे बेहतर होगा।

समाज में सशक्तिकरण और समावेशिता का संदेश

यह रोजगार मेला केवल एक कार्यक्रम नहीं था, बल्कि समाज में दिव्यांगजनों के प्रति जागरूकता और उनके सशक्तिकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम था। इस आयोजन ने न केवल दिव्यांगजनों को रोजगार के नए अवसर प्रदान किए, बल्कि समाज को यह संदेश भी दिया कि दिव्यांगजन किसी से कम नहीं हैं।

आयोजन की सफलता और भविष्य की योजनाएं

रोजगार मेले की सफलता को देखते हुए आयोजकों ने भविष्य में इस तरह के और कार्यक्रम आयोजित करने की योजना बनाई है। साईटसेवर्स इंडिया और शासकीय संस्थाओं ने दिव्यांगजनों के लिए और अधिक रोजगार अवसरों को बढ़ावा देने की प्रतिबद्धता जताई।

निष्कर्ष

दिव्यांगजनों के लिए महासमुंद में आयोजित यह रोजगार मेला समाज में एक सकारात्मक बदलाव की शुरुआत है। इस पहल ने यह साबित किया है कि सही दिशा और प्रयासों से दिव्यांगजन न केवल आत्मनिर्भर बन सकते हैं, बल्कि समाज और अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण योगदान भी दे सकते हैं। आयोजकों, रोजगार प्रदाताओं और प्रतिभागियों के संयुक्त प्रयासों से यह मेला सशक्तिकरण की दिशा में एक मील का पत्थर साबित हुआ।

बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओं अंतर्गत मुख्यमंत्री कौशल विकास से सक्षम हुई ज्योति

ज्योति सोनी की संघर्ष से सफलता तक की कहानी

पायनियर संवाददाता ➤ महासमुंद
www.dailypioneer.com

जिले के पिथौरा ब्लॉक की 26 वर्षीय युवती, ज्योति सोनी आत्मनिर्भरता और दृढ़ संकल्प की मिसाल बन चुकी हैं। एक आर्थिक रूप से कमजोर परिवार में जन्मी ज्योति ने अपने माता-पिता की कठोर मेहनत और सीमित साधनों के बावजूद अपनी सफलता की कहानी खुद लिखी। उनके पिता दिहाड़ी मजदूरी मजदूर थे, और चार बच्चों वाले परिवार को चलाना उनके लिए हमेशा एक चुनौती रही। बावजूद इसके, माता-पिता ने उनकी शिक्षा को प्राथमिकता दी। ज्योति ने अपने बचपन में आर्थिक समस्याओं और सीमित संसाधनों को देखा। उन्होंने पिथौरा के एक सरकारी हाई स्कूल से अपनी पढ़ाई पूरी की। उच्च माध्यमिक शिक्षा के बाद, ज्योति ने अपने भविष्य को बेहतर बनाने के लिए नए

अवसरों की तलाश शुरू की। इसी दौरान, उन्हें मुख्यमंत्री कौशल विकास योजना के तहत फूलों की खेती (फ्लोरीकल्चर) में 6 महीने के प्रशिक्षण कार्यक्रम के बारे में जानकारी मिली। अपना प्रशिक्षण पूरा करने के बाद, ज्योति को बेंगलुरु में कैफे काफी डे में नौकरी का प्रस्ताव मिला। यह नौकरी उनके जीवन का टर्निंग प्वाइंट साबित हुई। आज, ज्योति अपनी मेहनत और काबिलियत से न केवल अपने परिवार को आर्थिक मदद कर रही हैं बल्कि अपनी खुद की पहचान भी बना रही हैं। ज्योति की सफलता उनके परिवार के लिए गर्व की बात है। उनकी मां कहती है कि हमने अपनी बेटी को बहुत कठिन परिस्थितियों में पाला। आज वह हमारी मदद कर रही है और हमें गर्व महसूस होता है। उसने यह साबित कर दिया है कि बेटियां भी बेटों के समान काबिल होती हैं। ज्योति बताती है कि उनके सफलता में स्थानीय महिला समूह और आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं का अहम योगदान रहा। अगर आंगनवाड़ी दीदी ने मुझे कौशल विकास कार्यक्रम के बारे में नहीं बताया होता, तो शायद मेरी शादी हो गई होती और मैं कभी आत्मनिर्भर नहीं बन पाती। उनकी मेहनत और उपलब्धियों को स्थानीय परियोजना अधिकारी और अन्य अधिकारियों ने भी सराहा। अगर किसी के पास इच्छाशक्ति और दृढ़ संकल्प हो, तो वह हर मुश्किल को पार कर सकता है। बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ जैसे सरकारी प्रयासों और कौशल विकास कार्यक्रमों ने न केवल लड़कियों को शिक्षित किया है, बल्कि उन्हें आत्मनिर्भर बनने का मौका भी दिया है।

भूगोल अध्ययनशाला की सेवानिवृत्त पूर्व विभागाध्यक्ष एवं प्राध्यापक डॉ. सरला शर्मा को नारी शक्ति सम्मान

पायनियर संवाददाता ➤ रायपुर
www.dailypioneer.com

पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय रायपुर के भूगोल अध्ययनशाला की सेवानिवृत्त पूर्व विभागाध्यक्ष एवं प्राध्यापक डॉ. सरला शर्मा को मैजिक बुक ऑफ रिकॉर्ड फाउंडेशन द्वारा नारी शक्ति सम्मान 2024 प्रदान किया गया है। यह पुरस्कार डॉ. सरला शर्मा को जनसंख्या भूगोल, सामाजिक भूगोल एवं कृषि भूगोल के क्षेत्र में उत्कृष्ट अनुसंधान कार्य के लिए प्रदान किया गया है। डॉ. सरला शर्मा का भूगोल विषय में योगदान अतुलनीय है। वह भारत की प्रसिद्ध भूगोलवेत्ताओं में से एक हैं जिन्होंने भूगोल में नवीन अनुसंधान को बढ़ावा दिया है। प्रोफेसर शर्मा की तीन पुस्तकें नगरीय शिशु मत्यर्ता, औद्योगिक नगरों में जनसंख्या अप्रवास तथा दक्षिण

महानदी बेसिन में ग्रामीण शिशु मत्यर्ता शीर्षक से प्रकाशित हो चुकी है जो शोधार्थियों को नवीन शोध हेतु मार्गदर्शन करती है। उनके राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय प्रतिष्ठित शोध पत्रिकाओं में 120 शोध पत्र प्रकाशित हो चुके हैं तथा अभी तक उनके शोध निर्देशन में 24 शोधार्थियों को पीएचडी एवं 90 शोधार्थियों को एमफिल की उपाधि प्राप्त हो चुकी है। प्रोफेसर शर्मा ने 18 अंतर्राष्ट्रीय एवं 84 राष्ट्रीय सम्मेलनों में सक्रिय रूप से भाग लिया है तथा तकनीकी सत्रों में रिसोर्स पर्सन, अध्यक्ष, सह-अध्यक्ष एवं प्रतिवेदक के रूप में कार्य किया है, वहीं इन्होंने आईसीएसएसआर एवं यूजीसी द्वारा प्रायोजित कई लघु एवं वृहद शोध परियोजनाओं को सफलतापूर्वक पूर्ण किया है। उनकी सफलता एवं उपलब्धियों के लिए डॉ. सरला शर्मा का नाम मैजिक बुक ऑफ रिकॉर्ड में दर्ज किया गया है। डॉ. सरला शर्मा को उनके उत्कृष्ट कार्यों हेतु कई महत्वपूर्ण सम्मान एवं पुरस्कार प्राप्त हो चुके हैं जिनमें आईआईएफएस नई दिल्ली द्वारा शिक्षा रतन पुरस्कार 2011, इंटरनेशनल पब्लिशिंग हाउस नई दिल्ली द्वारा भारत के सर्वश्रेष्ठ नागरिक पुरस्कार 2014, 09वें डीजीएसआई अंतर्राष्ट्रीय भूगोल सम्मेलन 2015 के दौरान भूगोल शिक्षक पुरस्कार, 2014 में वैज्ञानिक एवं पर्यावरण अनुसंधान संस्थान कोलकाता द्वारा वर्ष का प्रख्यात वैज्ञानिक पुरस्कार, अंतर्राष्ट्रीय पर्यावरण एवं पारिस्थितिकी फाउंडेशन कोलकाता द्वारा वर्ष 2015 का विशिष्ट वैज्ञानिक पुरस्कार, फ्रेंडशिप फोरम नई दिल्ली द्वारा भारत उत्कृष्टता पुरस्कार 2016 एवं 2018 में वीनस इंटरनेशनल फाउंडेशन चेन्नई तमिलनाडु के अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भूगोल के क्षेत्र में योगदान एवं उपलब्धि के लिए मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान में आजीवन उपलब्धि सम्मान तथा भारत शिरोमणि पुरस्कार 2018, भारत शिरोमणि संस्थान नई दिल्ली द्वारा प्रदान किया गया है। प्राध्यापक डॉ. सरला शर्मा को नारी शक्ति सम्मान 2024 प्राप्त होने पर उनके समस्त शुभचिंतकों, मित्रों तथा परिवारजनों ने उन्हें शुभकामनाएं दी हैं।

केंद्रीय विद्यालय किरन्दुल में मनाया गया संविधान दिवस

पायनियर संवाददाता ➤ किरंदुल
www.dailypioneer.com

केंद्रीय विद्यालय किरंदुल में संविधान दिवस बड़े ही हर्ष और उल्लास के साथ मनाया गया। विद्यालय के प्रभारी प्राचार्य जगदीश नारायण ने बाबासाहेब डॉ भीम राव आंबेडकर जी की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम की शुरुआत की। पांचवी की छात्रा अदिति राम ने प्रस्तावना पठन किया और पांचवी की छात्रा सहयाद्री परकाले ने भाषण प्रस्तुत किया। दसवीं के छात्रों द्वारा प्रस्तुत किया गया संविधान के ऊपर रैप सॉन्ग इस कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण रहा। कार्यक्रम के अन्य गतिविधियों में रैली एवं प्राथमिक वर्ग के बच्चों द्वारा मानव श्रृंखला बनाया गया। अनिरुद्ध पार्कालें पीजीटी अंग्रेजी शिक्षक ने अपने उद्बोधन से विद्यार्थियों को संविधान की विशेषताओं का बोध करवाया। कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु प्राचार्य ने समस्त शिक्षकों एवं कर्मचारियों को बधाई प्रेषित की।

आपात स्थिति में स्वास्थ्य सेवाओं की तैयारियों पर दो दिवसीय प्रशिक्षण आयोजित

पायनियर संवाददाता ➤ रायपुर
www.dailypioneer.com

आपात स्थिति में स्वास्थ्य सेवाओं की तैयारियों पर यूनिसेफके तत्वाधान में 25 व 26 नवम्बर को दो दिवसीय राज्य स्तरीय प्रशिक्षण का रायपुर में आयोजन किया गया। राज्य स्तरीय प्रशिक्षण के दौरान सभी जिलों के जिला कार्यक्रम प्रबंधक, शहरी कार्यक्रम प्रबंधक, अस्पताल सलाहकार व स्वास्थ्य विशेषज्ञों के साथ कुल 80 प्रतिभागियों ने भाग लिया। प्रक्षिक्षण के दौरान आपदा प्रबंधन की बुनियादी अवधारणाएं, अस्पताल तैयारियों की वर्तमान स्थिति, अस्पताल सुरक्षा ऑडिट चेकलिस्ट जैसे विषयों पर प्रतिभागियों को प्रशिक्षण दिया गया। उल्लेखनीय है कि प्रशिक्षण के दौरान आपात स्थिति में स्वास्थ्य कर्मी/ विशेषज्ञों को कैसे तत्पर रहना चाहिए इस विषय पर बल दिया गया साथ ही मॉकड्रिल, आपातकाल में बचाव की प्रविधि व लाइव डेमोंस्ट्रेशन के माध्यम से सभी प्रतिभागियों को अवगत कराया गया। राज्य स्तरीय कार्यशाला सम्पन्न होने के उपरांत प्रदेश के सभी 5 संभागों में भी हेल्थ सिस्टम इमरजेंसी प्रीपेयेर्डनेस प्रशिक्षण आयोजित किया जाना

है, जिससे कि अधिक से अधिक स्वास्थ्य कर्मी आपात परिस्थिति से निपटने में सक्षम हो सके। मिशन संचालक, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन विजय दयाराम के. ने बताया कि Health System Emergency Preparedness प्रशिक्षण प्रदेश में आपदाओं के दौरान महत्वपूर्ण स्वास्थ्य देखभाल, स्वास्थ्य सेवा प्रदायगी व सुरक्षा सुनिश्चित करने की दिशा में किया गया बेहतर प्रयास है। जिसके माध्यम से स्वास्थ्य संस्थाओं में आपातकालीन परिस्थिति के दौरान त्वरित प्रतिक्रिया व प्रतिक्रिया समय को कम करने के साथ लोगों को बचाव की स्थिति हेतु तैयार करने के साथ प्रशिक्षित किया जाता है।

विश्व सीओपीडी दिवस 2024: बीमारी का पता शुरू में ही लगाने और उसके प्रबंधन के लिए फेफड़ों के स्वास्थ्य को समझना

पायनियर संवाददाता ➤ रायपुर
www.dailypioneer.com

विश्व सीओपीडी (क्रॉनिक ऑब्सट्रक्टिव पल्मोनरी डिज़ीज़) दिवस 2024 के भाग के रूप में, स्वास्थ्य विशेषज्ञ इस बात पर जोर दे रहे हैं कि फेफड़े के स्वास्थ्य और कार्य को जानना महत्वपूर्ण है। यह इस साल की थीम, अपने लंग फंक्शन को जानें के क्रम में है। यह महत्वपूर्ण है क्योंकि दुनिया भर में होने वाली मौतों में गैर-संचारी रोग (एनसीडी) का हिस्सा 74% है। सीओपीडी जैसी सांस की क्रोनिक बीमारी (सीआरडी) स्वास्थ्य परिणामों को गंभीर रूप से प्रभावित करती है, खासकर भारत में। सीओपीडी सबसे प्रचलित लेकिन कम पहचानी जाने वाली सांस संबंधी स्थिति है, जो लगभग 55 मिलियन भारतीयों को प्रभावित करती है और ग्लोबल बर्डन ऑफ डिजीज़ स्टडी 2019 के अनुसार देश में मृत्यु का दूसरा प्रमुख कारण है, क्रॉनिक ऑब्सट्रक्टिव पल्मोनरी डिजीज (सीओपीडी) फेफड़ों की एक बीमारी है जो सिगरेट के धुएं जैसी परेशान करने वाली चीजें साँस में लेने अथवा जाने से होती है। इससे श्वसन मार्ग में जो सूजन होती है उसे ठीक नहीं किया जा सकता है और सांस लेने में कठिनाई बनी रहती है। इसके आम लक्षणों में बलगम के साथ लगातार खांसी, सांस फूलना और थकान शामिल हैं। विश्व सीओपीडी दिवस 2024 सीओपीडी के बारे में जागरूकता बढ़ाने और फेफड़ों की शुरुआती देखभाल के महत्व को उजागर करने के लिए वैश्विक आह्वान के रूप में कार्य करता है। बेहतर स्वास्थ्य परिणामों के लिए रोगियों और उनके परिवारों के लिए एक सहायक पारिस्थिति की तंत्र बनाना आवश्यक है। ब्रीदफ्री जैसी पहल, भौतिक और डिजिटल दोनों संसाधन मुहैया कराती है। इनमें हाल ही में फिर से शुरू की गई ब्रीदफ्री वेबसाइट शामिल है जो रोगियों को उनकी पूरी चिकित्सा यात्रा में सहायता करती है। इसमें स्क्रीनिंग से लेकर उपचार और उसपर अमल शामिल है।

स्वच्छाग्रही दीदियों के लिए स्वास्थ्य जांच एवं श्रम पंजीयन शिविर का आयोजन

पायनियर संवाददाता ➤ बेमेतरा
www.dailypioneer.com

हमारा शौचालय हमारा सम्मान अभियान 2024 का आयोजन बेमेतरा जिले में 10 दिसम्बर 2024 तक किया जायेगा। आज से 10 दिसम्बर 2024 तक प्रत्येक दिन स्वच्छाग्रही दीदियों के लिए स्वास्थ्य जांच एवं श्रम पंजीयन शिविर का आयोजन किया जा रहा है। कार्यक्रम मे स्वास्थ्य विभाग द्वारा आयुष्मान कार्ड भी बनाया जा रहा है। मुख्य कार्यपाल अधिकारी जिला पंचायत ने संबंधित विभाग के अधिकारियों को शिविर में अपनी उपस्थिति सुनिश्चित करने को कहा है। स्वच्छाग्रही दीदियों के लिए प्रथम स्वास्थ्य जांच एवं कल्याण शिविर 26 नवम्बर 2024 मंगलवार को विकासखण्ड बेमेतरा के ग्राम छिरहा में आयोजित किया गया विकासखण्ड बेरला के ग्राम कठिया में आयोजित किया गया, नवागढ़ के ग्राम मुरता में आयोजित किया गया एवं विकासखण्ड साजा के ग्राम तेन्दुभाठा में आयोजित हुआ। इसी प्रकार बुधवार को विकासखण्ड बेमेतरा के ग्राम बैहरसरी में, बेरला के ग्राम सरदा में, नवागढ़ के ग्राम नेवसा में, साजा के ग्राम सहासपुर में, 28 नवंबर 2024 गुरूवार को विकासखण्ड बेमेतरा के ग्राम कोदवा में, बेरला के ग्राम देवरबीजा में, नवागढ़ के ग्राम अंधियारखोर में, साजा के ग्राम देउरगांव में, 29 नंवबर 2024 शुक्रावार को विकासखण्ड बेमेतरा के ग्राम बटार में, बेरला के ग्राम डंगनिया-ब में, नवागढ़ के ग्राम कटई में, साजा के ग्राम भटगांव में, 30 नवंबर 2024 शनिवार को विकासखण्ड बेमेतरा के ग्राम उमरिया में, बेरला के ग्राम कोदवा में, नवागढ़ के ग्राम बदनारा में, साजा के ग्राम कुरलू में, 01 दिसंबर 2024 रविवार को विकासखण्ड बेमेतरा के ग्राम लोलेसरा में, बेरला के ग्राम डंगनिया-ख में, नवागढ़ के ग्राम संबलपुर में, साजा के ग्राम बिरनपुर में, 02 दिसंबर 2024 सोमवार को विकासखण्ड बेमेतरा के ग्राम ढोलिया में, बेरला के ग्राम पतोरा में, नवागढ़ के ग्राम कुंरा में, साजा के ग्राम केंवतरा में, 03 दिसंबर 2024 मंगलवार को विकासखण्ड बेमेतरा के ग्राम मुलमुला में, बेरला के ग्राम लेंजवारा में, नवागढ़ के ग्राम धुरसेना में, साजा के ग्राम हाड़ाहुली में, 04 दिसंबर 2024 बुधवार को विकासखण्ड बेमेतरा के ग्राम झिरिया में, बेरला के ग्राम सोढ़ में।

मुख्यमंत्री विशेष स्वास्थ्य सहायता योजना से मिल रही है नए जीवन की उम्मीद

पायनियर संवाददाता ➤ रायपुर
www.dailypioneer.com

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय राज्य के नागरिकों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री विशेष स्वास्थ्य सहायता योजना के अंतर्गत जरूरतमंद लोगों के लिए आर्थिक सहायता की स्वीकृति दे रहे हैं। गंभीर तथा दुर्लभ बीमारियों के इलाज में होने वाले खर्च से बचाने के लिए संजीवनी सहायता कोष का विस्तार करते हुये मुख्यमंत्री विशेष स्वास्थ्य सहायता योजना संचालित की जा रही है । इस योजना से प्रदेश के नागरिक लाभान्वित हो रहे है। 9 माह के भीतर योजना के अंतर्गत 1211 मामलों में जरूरतमंदों को सहायता मिली है और इस दौरान उन्हें 43 करोड़ 16 लाख रूपए की आर्थिक सहायता स्वीकृत की गयी है। इसी योजना के अंतर्गत सक्ती जिले के मालखरौदा विकासखंड अंतर्गत आने वाले ग्राम परसा निवासी उर्मिला देवी सिदार पति स्व. केदारनाथ सिदार का निःशुल्क कैंसर का इलाज चल रहा है। उर्मिला ने बताया कि उनके पति के मृत्यु हो जाने के बाद घर की आर्थिक स्थिति अच्छी नहीं होने के कारण वह अपनी इस गंभीर बीमारी का इलाज नहीं करा पा रही थी। एक तरह से उन्होंने भी जीने की उम्मीद छोड़ दी थी। शुरुआती दौर में उन्होंने आयुष्मान कार्ड योजना से प्राप्त राशि से अपना इलाज कराया। लेकिन उन्हें कैंसर की बीमारी के इलाज के लिए और भी अधिक राशि की आवश्यकता थी। फिर उन्हें मुख्यमंत्री विशेष स्वास्थ्य सहायता योजना की जानकारी मिली। जिस पर उन्होंने मुख्यमंत्री विशेष स्वास्थ्य सहायता योजना का लाभ लेने के लिए आवेदन किया और जुलाई 2024 में सहायता राशि स्वीकृत हुई। वर्तमान मे योजना के अंतर्गत उनका इलाज मेकाहारा हॉस्पिटल, रायपुर में निःशुल्क किया जा रहा है। उर्मिला देवी सिदार ने बताया कि उनके कैंसर के इलाज के लिए प्रत्येक 21 दिनों में कीमोथेरेपी किया जा रहा है साथ ही अन्य दवाईयां भी दी जा रही है। उन्होंने बताया कि यदि उन्हें मुख्यमंत्री विशेष स्वास्थ्य सहायता योजना का लाभ नहीं मिल पाता तो शायद ही वह अपनी इस गंभीर बीमारी का इलाज करा पाती। उर्मिला ने उनके जीवन में आए इस कठिन समय में छत्तीसगढ़ शासन द्वारा उन्हें इस योजना के माध्यम से सहयोग प्रदान करने के लिए धन्यवाद दिया है।

योजना से मालखरौदा की उर्मिला का हो रहा है कैंसर का निःशुल्क इलाज

मुख्यमंत्री विशेष स्वास्थ्य सहायता योजना से आशा को मिला नया जीवन

पायनियर संवाददाता ➤ जशपुरनगर
www.dailypioneer.com

लोगों के जीवन में जब कहीं राह नजर नहीं आती तब आशा की एक छोटी सी किरण भी पूरे जीवन को प्रकाशवान कर जाती है। ऐसी ही कहानी है कुनकुरी विकासखण्ड के ग्राम पंचायत रेमते में रहने वाली 15 साल की आशा चक्रेश की। जहां सिकलसेल से पीड़ित आशा के जीवन में कई उतार चढ़ाव आये पर कहीं भी उम्मीद की किरण दिखाई नहीं दे रही थी। वहां मुख्यमंत्री विशेष स्वास्थ्य सहायता योजना नई उम्मीद बन कर आई। आशा को जन्म से ही सिकलीन होने की जानकारी जब मजदूरी कर जीवन यापन करने वाले माता पिता की लिए यह बात किसी सदमे से कम नहीं थी। चिकित्सकों ने बताया था कि आशा को हुआ सिकलसेल, सिकलसेल का वह प्रकार है जो 10 लाख लोगों में एक व्यक्ति को होने वाली बीमारी है। इस संबंध में आशा की माता बिमला बाई चक्रेश ने बताया कि आशा के पिता स्व. मंगलराम चक्रेश उसके स्वास्थ्य और इलाज के लिए हमेशा चिंतित रहा करते थे। आशा के ईलाज के लिए दंपत्ति ने अपनी छोटी सी बचत और आयुष्मान भारत योजना की सहायता से कई अस्पतालों का चक्कर लगाया। रायपुर से लेकर इंदौर, मुंबई सभी जगह आशा की जांच कराने के बाद भी निराशा ही हांथ लगी थी। बचपन से हर महीने आशा को खून चढ़ाने अस्पताल का चक्कर लगाना ही पड़ता था। आशा के पिता ने आशा को लेकर 25 से 26 बार अस्पताल का चक्कर लगाया करते थे जिसका खर्च भी वहन करना पड़ता था। ऐसे में एक दिन एक दुखद दुर्घटना में पिता मंगलराम का भी निधन हो गया। ऐसे में चारों बच्चों की जिम्मेदारी अकेले मुझ पर आ गयी थी।

नियद नेल्लानार योजना अंतर्गत 84 प्रतिशत ग्रामीणों का बना आयुष्मान कार्ड

पायनियर संवाददाता ➤ कांकेर
www.dailypioneer.com

कलेक्टर निलेशकुमार महादेव क्षीरसागर की अध्यक्षता में आज साप्ताहिक समय-सीमा की बैठक आयोजित की गई, जिसमें उन्होंने महत्वाकांक्षी नियद नेल्लानार योजना की समीक्षा करते हुए विभिन्न विभागों की योजनाओं के क्रियान्वयन की जानकारी ली। इस दौरान स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी ने बताया गया कि प्रधानमंत्री आयुष्मान योजना के तहत नियद नेल्लानार के सभी 07 ग्रामों के 84 प्रतिशत पात्र ग्रामीणों का आयुष्मान कार्ड बनाया जा चुका है। कलेक्टर ने शेष विभागों को भी सैच्युरेशन मोड में कार्य करते हुए राज्य शासन की मंशानुरूप लक्ष्य के अनुरूप ग्रामीणों को लाभान्वित करने के निर्देश अधिकारियों को दिए। कलेक्टोरेट सभाकक्ष में आयोजित समय-सीमा की बैठक में कलेक्टर ने पीएमश्री स्कूलों में आवश्यक व्यवस्थाओं का निरीक्षण करने सभी एसडीएम को निर्देशित किया, ताकि शासन की मंशानुरूप सुविधाएं उपलब्ध कराई जा सके तथा निर्माणाधीन कार्यों की गुणवत्ता परखी जा सके। उन्होंने 15 साल पुराने सभी शासकीय वाहनों का अपलेखन करने की कार्यवाही सप्ताह भर के भीतर सुनिश्चित करने के निर्देश अधिकारियों को दिए। बैठक में कलेक्टर ने अवैध धान परिवहन पर रोक लगाने जिले की सरहद से लगी चेक पोस्ट पर लगातार मॉनिटरिंग करने और स्टॉफ को तैनात करने के निर्देश सभी अनुविभागीय अधिकारियों को दिए। इस दौरान खाद्य अधिकारी ने बताया कि जिले में 5.44 लाख मीट्रिक टन धान खरीदी के लक्ष्य के विरूद्ध अब तक 05 हजार 904 किसानों के द्वारा 28.44 हजार मीट्रिक टन धान खरीदा जा चुका है। इसी तरह बारदाना एकत्रीकरण और रकबा समर्पण की कार्यवाही की जा रही है।

ट्राइसिकल घोटाला... पंचायतों में ट्राइसिकल की सप्लाई, ठेकेदारों को 55 हजार का भुगतान के लिए दबाव बनाया जा रहा

कांग्रेस प्रवक्ता ने लगाए आरोप, कहा स्वच्छ भारत मिशन भ्रष्टाचारी व साजिशकर्ता गिरोह के आगोश में

पायनियर संवाददाता ➤ राजनांदगांव
www.dailypioneer.com

छग प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रवक्ता रूपेश दुबे ने आरोप लगाया है कि पंचायतों में ट्राइसिकल की आपूर्ति कर भुगतान का दबाव बनाया जा रहा है। जिले भर के सरपंच इससे मुश्किलों का सामना कर रहे है। उन्हें भाजपा नेताओं द्वारा धमकी दिए जाने के आरोप कांग्रेस प्रवक्ता ने लगाए हैं। बताया जा रहा है कि ट्राइसिकल के एवज में पंचायतों से 55 हजार रुपए का भुगतान लिया जा रहा है। जबकि ट्राइसिकल का वास्तविक मूल्य 20 से 25 हजार बताया जा रहा है। उन्होंने कहा कि, प्रधानमंत्री मोदी के ड्रीम प्रोजेक्ट स्वच्छ भारत मिशन को भ्रष्टाचार व उगाही का प्रमुख साधन बनाने भाजपा के अवसरवादी नेता और कतिपय प्रशासनिक तंत्र भिड़े हुए हैं। इस योजना की धज्जी उड़ाते हुए सरपंचों पर दबाव बनाकर राशि आहरण करने की धमकी दी जा रही है। जो सरपंच इस अवैध काम में शामिल नहीं हो रहे हैं उन्हें मामलों में फंसने का लोकतंत्र को कलंकित करने का खेल खेला जा रहा है। दुबे ने कहा कि, फिर से छग की भाजपा सरकार स्वच्छ भारत मिशन योजना के अंतर्गत ट्राइसिकल खरीदी का खेल चालू कर दिया गया है। यदि स्वच्छ भारत मिशन योजना के अंतर्गत ट्राइसिकल की आवश्यकता होगी तो संबंधित ग्राम पंचायत प्रस्ताव पारित कर खरीदी करने के लिए फर्म से कोटेशन लेकर क्रय करने स्वतंत्र होगा। लेकिन सीधे भाजपा नेताओं के इशारे पर बिना ग्राम पंचायत के मांग या प्रस्ताव के घटिया ट्राइसिकल भेज कर लागत से अधिक राशि वसूली जा रही है। इस तरह सीधे शासकीय कोष में डाका डालने का काम किया जा रहा है। अवसरवादी नेताओं के ऐसे कार्य में जिला पंचायत जनपद के अधिकारियों की भी मिली भगत गंभीर आर्थिक अपराध की श्रेणी में आने वाला कृत्य है। क्योंकि राशि भेजने के बाद भाजपा के नेतागण सरपंचों पर दबाव बनाकर राशि आहरण कर सीधे-सीधे अवैध उगाही में लगे हुए हैं। इसके चलते पूरे जिले के सरपंच हलाकन व परेशान हैं। कुल मिलाकर स्वच्छ भारत मिशन योजना जो प्रधानमंत्री के ड्रीम प्रोजेक्ट के रूप में चर्चित है उसको ही भाजपा और भ्रष्ट अधिकारी अवैध उगाही भ्रष्टाचार का माध्यम बनाकर प्रधानमंत्री की नीति और नियत की धज्जी उड़ा कर योजना के मूल उद्देश्य का गला घोंट रहे हैं।

पहले शौचालय में हुआ भ्रष्टाचार

प्रवक्ता दुबे ने बताया कि डॉ रमन सिंह के मुख्यमंत्रित्व कार्यकाल में स्वच्छ भारत मिशन योजना के अंतर्गत हितग्राहियों को शौचालय निर्माण के लिए 12 हजार रुपए की राशि प्रदान ना कर सीधे राशि का बंदर बांट कर दिया गया था। अपने इस अवैध कार्य को छिपाने तत्कालीन राज्य सरकार के अधिकारियों ने सरपंचों के माध्यम से शौचालय निर्माण करवा कर बड़ा भ्रष्टाचार का खेल खेला था। दस्तावेजी शिकायत के बाद भी सांसद जांच तक कराने से कतरा रहे हैं। जिससे हितग्राहियों का अहित हो रहा है। योजना के प्रावधानों के विपरीत सरपंचों पर धारा 40 की कार्यवाही करा कर उन्हें प्रताड़ित करने का काम किया गया था।

नॉमिनी बनाकर पीडीएस में खेल गरीबों के अनाज में सेंधमारी, दुकान संचालक कर रहे गड़बड़ी

कैलाश नगर में सामने आया मामला, अधिकारी से शिकायत

पायनियर संवाददाता ➤ राजनांदगांव
www.dailypioneer.com

सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) में धांधली का मामला सामने आ रहा है। राशन दुकानों से बिना कार्डधारियों के उनके नॉमिनी के नाम पर राशन निकाला जा रहा है। कुछ स्थानीय निवासियों ने संबंधित अधिकारियों को इस गड़बड़ी की जानकारी दी है। मामला कैलाशनगर में संचालित राशन दुकान का है। आरोप है कि, राशन दुकानदार गरीबों के राशन कार्ड का गलत इस्तेमाल कर रहे हैं। जिन लाभार्थियों के नाम पर चावल निकाला जा रहा है, उन्हें इसकी जानकारी तक नहीं है। कई बार तो मृत व्यक्तियों के नाम पर भी राशन लिया जा रहा है। राशन कार्ड में दो सदस्यों के नाम के अलावा किसी तीसरे व्यक्ति को नॉमिनी बनाकर ये खेल खेला जा रहा है। ऐसा ही मामला राजनांदगांव कैलाश वार्ड में सामने आया है। इससे साबित होता है की राशन दुकान संचालक द्वारा ऐसी गड़बड़ी लगातार की जा रही है। इस मामले में ऑनलाइन जांच करने पर भी नॉमिनी परिवार के बाहर का सदस्य पाया गया है।

प्रभावित हो रहे हैं असली लाभार्थी

ऐसी धांधली के कारण असली लाभार्थियों को उनके हक का राशन नहीं मिल पा रहा है। कई गरीब परिवार महीने के अंत में भूखे रहने को मजबूर हो रहे हैं। जिला खाद्य अधिकारी ने इस मामले में जांच शुरू करने की बात कही है। उन्होंने कहा, जांच कर राशन दुकान संचालक पर कार्यवाही की जाएगी। स्थानीय निवासियों ने प्रशासन से अपील की है कि ऐसे दुकानदारों के खिलाफकठोर कार्रवाई की जाए ताकि गरीबों को उनका अधिकार मिल सके।

युवा बैडमिंटन खिलाड़ी आशीष निषाद ने बढ़ाया समाज, विद्यालय एवं जिले का मान

पायनियर संवाददाता ➤ लवन
www.dailypioneer.com

केंद्रीय विद्यालय के छात्र आशीष निषाद ने बस्तर ओलंपिक 2024 में 14 से 17 वर्षीय वर्ग के विकासखंड एवं जिला स्तरीय खेलों में अपनी बेहतरीन एवं शानदार खेल प्रतिभा का उम्दा प्रदर्शन की बदौलत बैडमिंटन के एकल तथा युगल मुकाबलों का मैच जीतकर विजेता के रूप में प्रथम स्थान प्राप्त किया तथा संभाग स्तरीय खेलों के लिए चयनित होकर अपने माता पिता, विद्यालय, समाज व पूरे सुकमा जिले का नाम रोशन करते हुए गौरव व मान बढ़ाया ।आशीष निषाद के इस खेल उपलब्धि पर पुरस्कार वितरण समारोह में उन्हें, खेल एवं युवा कल्याण विभाग, छत्तीसगढ़ शासन व जिला प्रशासन सुकमा द्वारा खेल प्रमाण पत्र व मेडल प्रदान कर पुरस्कृत किया गया। बस्तर ओलंपिक 2024 में बैडमिंटन के सिंगल तथा डबल मुकाबलों के लिए प्रथम पुरस्कार प्राप्त करने तथा संभाग स्तरीय खेल के लिए चयनित होने पर उन्हें विरूपाक्ष पुराणिक, जिला खेल अधिकारी सुकमा, जिला बैडमिंटन संघ सुकमा, प्राचार्य, केंद्रीय विद्यालय सुकमा, छत्तीसगढ़ निषाद समाज सुकमा एवं सभी सीनियर, जूनियर खिलाड़ियों व सभी खेल प्रेमियों द्वारा उनके उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए आगामी मैचों में शानदार प्रदर्शन हेतु प्रोत्साहित किया गया।

सड़क पर पलटा ट्रक, वन-वे हुआ हाइवे

पायनियर संवाददाता ➤ राजनांदगांव
www.dailypioneer.com

हाईवे में मनकी के पास ट्रक अनियंत्रित होकर पलट गया। इसके चलते एक ओर की सड़क बंद रही। घटना मंगलवार दोपहर की है। दुर्ग की दिशा से आने वाली गाड़ियों को रांग साइड से शहर की ओर बढ़ना पड़ा। ट्रक दुर्ग से राजनांदगांव की ओर आ रहा था। तभी मनकी के पास ट्रक चालक ने नियंत्रण खो दिया। ट्रक तेज रफ्तार में था, जिसके चलते अनियंत्रित होने के बाद ट्रक सड़क पर पलट गया। इससे हाईवे का एक हिस्सा पूरी तरह ब्लाक हो गया। दुर्ग की दिशा से आने वाली गाड़ियों को रांग साइड में शिफ्ट कर आगे बढ़ाया गया। देर शाम तक पलटे ट्रक को मौके से नहीं हटाया गया था। इसके चलते हाइवे में जाम की स्थिति बनी रही।

पिकअप ने बाइक को ठोका, युवक की मौत

घायल बाप-बेटो को मेडिकल कॉलेज अस्पताल भेजा

पायनियर संवाददाता ➤ राजनांदगांव
www.dailypioneer.com

तेज रफ्तार पिकअप की ठोकर से एक बाइक सवार की मौत हो गई है। वहीं घायल बाप-बेटो को इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल राजनांदगांव रेफर किया गया है। घटना मंगलवार सुबह छुरिया-कल्लुटोला रोड में चंदैनीडीह मोड के पास की है। ग्राम पदगुड़ा के रहने वाले भागचंद मंडावी ने छुरिया पुलिस को बताया कि, उसका भतीजा तामेश्वर (19) मंडावी मंगलवार की सुबह बिजेपार से घर लौट रहा था। रास्ते में उसने संतोष यादव (32) और उसके छोटे बेटे करण को गाड़ी में बिठा लिया। तीनों बाइक से लौट रहे थे कि तभी छुरिया-कल्लुटोला रोड में चंदैनीडीह मोड के पास भर्रीटोला निवासी सचिन ने अपनी पिकअप से बाइक को जोरदार ठोकर मार दी। घटना सुबह 10 बजे की है। दुर्घटना में में तामेश्वर को चेहरे और सिर में गंभीर चोटें आई। जबकि संतोष और उसका बेटा भी घायल हो गए। राहगीरों ने घायलों की मदद की और 112 को मौके पर बुलाया। तीनों घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र छुरिया लाया गया। यहां पहुंचने पर डॉक्टरों ने तामेश्वर को मृत घोषित कर दिया जबकि दो अन्य घायलों को मेडिकल कॉलेज अस्पताल रायपुर रेफर कर दिया गया है। जवान बेटे की मौत के बाद मंडावी परिवार में मातम छाया हुआ है। गांव शोक में डूबा हुआ है।

पटवारी के लिए एक साथ आए ग्रामीण, न हटाने की मांग, कलेक्टर जनदर्शन में अर्जी लगाने पहुंचे

पायनियर संवाददाता ➤ मोहला
www.dailypioneer.com

विखं अं.चौकी अंतर्गत ग्राम बिहरीकला के ग्रामवासियों ने ग्राम पंचायत बिहरीकला के पंचायत सचिव कोमल सिंह कश्यप को यथावत रखने की मांग की है। उन्होंने इसके जनदर्शन में कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा है। दूसरी ओर प्रशासनिक अधिकारियों ने इसे पटवारी द्वारा ग्रामीणों को उकसाने का मामला मान लिया है। लगातार शिकायतों से घिरे पटवारी को दोबारा लौटाए जाने की गांव वालों की मांग को प्रायोजित बताया जा रहा है।

कलेक्टर तुलिका प्रजापति ने जिला कार्यालय के सभाकक्ष में आयोजित कलेक्टर जनदर्शन में आमजनों की शिकायतो, समस्याओं और मांगों को सुना। कलेक्टर ने जिला अधिकारियों को निर्देशित किया कि आम नागरिकों की समस्याओं को सुनने के साथ ही नियमानुसार कार्यवाही करें। कलेक्टर जनदर्शन में आज 16 आवेदन प्राप्त हुए। प्राप्त सभी आवेदनों को संबंधित विभाग में भेजे जाने की कार्यवाही की जा रही है। कलेक्टर जनदर्शन में आज जिले के विकासखंड मोहला अंतर्गत ग्राम पंचायत मटेवा के ग्रामीणों ने धान मंडी कार्यालय से मेन सड़क तक सीसी सड़क निर्माण की स्वीकृति के संबंध में आवेदन प्रेषित किया। ग्रामवासियों ने आवेदन देते हुए बताया कि धान मंडी कार्यालय तक आने जाने में किसानों को परेशानी का सामना करना पड़ता है। इसी प्रकार मोहला के निवासियों द्वारा जिला मुख्यालय में सड़क मरम्मत कराने के संबंध में कलेक्टर जनदर्शन में आवेदन दिया गया। बिटेझर डालाकसा के निवासियों ने पृथक नवीन पंचायत गठन करने के संबंध में आवेदन प्रेषित किया। विखं मानपुर अंतर्गत ग्राम घोड़ागांव निवासी रामदास बोगा ने पट्टा पर्चा बनाने के संबंध में कलेक्टर जनदर्शन में आवेदन दिया। इसी प्रकार ग्राम पंचायत जक्के के समस्त ग्राम वासियों ने पल्लेमाड़ी सुरक्षा बल कैंप बनाये रखने के संबंध में आवेदन प्रेषित किया। इसी प्रकार जिले के अन्य आवेदको ने अपने आवेदन के माध्यम से अपनी समस्याओं से निजात पाने कलेक्टर से गुहार लगायी है।

जवान सीखा रहे कैसे मजबूत बनें... खिलाड़ी बच्चों को सशक्त बनाने दी जा रही कमांडो ट्रेनिंग

रुद्राक्षम् वेलफेयर सोसाइटी की पहल, सेना भर्ती नियम की भी दी गयी जानकारी

पायनियर संवाददाता ➤ राजनांदगांव
www.dailypioneer.com

रुद्राक्षम वेलफेयर सोसाइटी के तत्वाधान में इंडियन आर्मी के जवान सौरभ यादव द्वारा शहर के पटरी पार के खिलाड़ी बच्चों को कमांडो ट्रेनिंग दी जा रही है। इस विशेष प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य बच्चों को मानसिक और शारीरिक रूप से सशक्त बनाना है, ताकि वे भारतीय सेना के जवान की तरह विषम परिस्थितियों का सामना मजबूती के साथ कर सकें। कमांडो ट्रेनिंग के विषय में अंतरराष्ट्रीय हॉकी खिलाड़ी एवं कोच मृणाल चौबे ने बताया कि खिलाड़ियों को मैच के दौरान ऐसे अनेक अवसर का सामना करना पड़ता है। जब वे मानसिक एवं शारीरिक रूप से मजबूत नहीं होने के कारण मैच हार जाते हैं। कमांडो ट्रेनिंग से खिलाड़ियों का बहुमुखी विकास होता है। हाल ही में सीनियर भारतीय महिला हॉकी टीम के खिलाड़ियों ने भी हॉकी खेल के राष्ट्रीय संघ हॉकी इंडिया के मार्गदर्शन में कमांडो ट्रेनिंग का लाभ उठाया था, जिसके फलस्वरूप टीम ने बिहार के राजगीर में हाल ही में संपन्न हुए महिला एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी में स्वर्ण पदक जीता है। कमांडो ट्रेनिंग के अंतर्गत खिलाड़ियों को बॉडी वेट ट्रेनिंग के माध्यम से अपने शरीर के वजन का उपयोग करके विभिन्न प्रकार के व्यायाम करना सिखाया गया। कार्डियो ट्रेनिंग एवं स्ट्रेंथ ट्रेनिंग की बारीकियों से खिलाड़ी बच्चों को अवगत करवाया गया। ध्यान एवं एकाग्रता प्रशिक्षण के साथ-साथ संघर्ष प्रबंधन का प्रशिक्षण भी खिलाड़ियों को दिया गया। खिलाड़ियों को भारतीय सेना में भर्ती की प्रक्रिया को भी इस प्रशिक्षण शिविर के माध्यम से समझने का अवसर मिला, ताकि खिलाड़ी इसे समझकर बेहतर तरीके से सेना भर्ती के लिए तैयार हो सकें। प्रशिक्षण के दौरान सौरभ यादव ने शारीरिक फिटनेस और शैक्षणिक योग्यता के महत्व पर प्रकाश डाला, जो सेना में भर्ती होने के लिए आवश्यक माने जाते हैं। इस अवसर पर बच्चों को विभिन्न शारीरिक और मानसिक चुनौतियों से परिचित कराया गया, जिससे उनके आत्मविश्वास और मानसिक दृढ़ता का विकास हो सके। कमांडो के द्वारा बच्चों को फिटनेस के कई अहम टिप्स दिए गए और उन्हें अपने लक्ष्य के प्रति मेहनत और समर्पण बनाए रखने की प्रेरणा दी गई। सेना के जवान सौरभ यादव वर्तमान मे इंडिया पाकिस्तान बॉर्डर लाइन ऑफ़कंट्रोल मे पदस्थ हैं तथा पूर्व में जम्मू कश्मीर, हिमाचल प्रदेश एवं सिक्किम जैसे जगहों मे अपनी सेवाएं दे चुके हैं। बसेबॉल के राष्ट्रीय खिलाड़ी सौरभ इंडियन आर्मी की ओर से एडवेंचर गेम्स और पैरासैलिंग मे भी भाग ले चुके है।

बड़ी समस्या... लंबी दूरी, भोजन-पानी का टोटा, जंगल में ठंड में कैसे रात बिताएं, एसडीएम को सौंपा ज्ञापन, आंदोलन की चेतावनी

आंदोलित हुए नक्सल प्रभावित मानपुर ब्लॉक के अन्नदाता, धान खरीदी केंद्र खोलने की मांग

पायनियर संवाददाता ➤ मोहला/मानपुर
www.dailypioneer.com

मोहला-मानपुर जिले में फिर से अन्नदाता आंदोलित रुख इख्तियार करते दिख रहे हैं। दरअसल जिले के आदिवासी बाहुल्य धुर नक्सल प्रभावित मानपुर ब्लॉक में क्षेत्रवासी किसानों ने मानपुर ब्लॉक मुख्यालय में दोबारा धान खरीदी केंद्र आरम्भ करने की मांग करते हुए क्षेत्रीय एसडीएम को ज्ञापन सौंपा है। वहीं किसान ग्रामीणों ने मांग पूरी नहीं होने पर आगे धरना प्रदर्शन व बड़ा आंदोलन किए जाने का फरमान भी सुना दिया है। दरअसल मानपुर ब्लॉक मुख्यालय में संचालित धान खरीदी केंद्र को बीते वर्ष यहां से करीब 5 से 6 किलोमीटर दूर टोहे गांव के पास स्थित लालभर्री जंगल में शिफ्ट कर दिया गया है। ऐसे में अब किसानों को अतिरिक्त दूरी तय करने के साथ साथ रात्री में ठहरने, भोजन-पानी जैसे विभिन्न तरह की समस्याओं का सामना धान बेचने के दरमियान करना पड़ रहा है। यही वजह है कि मानपुर में धान खरीदी केंद्र बंद कर दिए जाने से प्रभावित 9 ग्राम पंचायत क्षेत्रों मसलन मानपुर, ढब्बा, कोराचा, तेरेगांव, कनेली, बसेली, पानाबरस, तोलूम तथा ख्वास फड़की क्षेत्र के किसानों ने मानपुर ब्लॉक मुख्यालय में जुटकर एसडीएम को ज्ञापन सौंपा। उन्हें अपनी समस्याओं से अवगत कराते हुए उन्हें मांग पूरी नहीं होने पर घरना प्रदर्शन की संभावना से भी वाकिफकरा दिया है।

अब मानपुर में आंदोलन की बात

बता दें कि इससे कुछ ही दिन ही पूर्व अंबागढ़ चौकी ब्लॉक अंतर्गत कोरचाटोला में क्षेत्रीय किसानों ने प्रदेश में धान खरीदी आरंभ होने के अगले ही रोज भूख हड़ताल व धरना प्रदर्शन कर कोरचाटोला में धान खरीदी केंद्र खोलने का मांग बुलंद किया गया था। हालांकि उक्त प्रदर्शन के बाद यहां उप धान खरीदी केंद्र शासन को खोलना पड़ा। लेकिन अब फिर से जिले के एक अन्य ब्लॉक में धान खरीदी केंद्र खोलने की मांग पर किसानों का आंदोलित रुख शासन प्रशासन के लिए चुनौतीपूर्ण साबित हो सकता है।

15 पंचायत समिति में शामिल, 9 पंचायतों की खरीदी मानपुर में करने की मांग

मानपुर क्षेत्र के एसडीएम अमित नाथ योगी ने उक्त ज्ञापन प्राप्त करने की पुष्टि करते हुए कहा है कि मानपुर ब्लॉक के 9 ग्राम पंचायतों के ग्रामीणों ने मांग रखी है कि मानपुर के धान खरीदी केंद्र को करीब 6 किलोमीटर टोहे में स्थानांतरित किए जाने से उन्हें समस्या हो रही है। ऐसे में मानपुर में धान खरीदी केंद्र को यथावत रखते हुए आसपास के 9 ग्राम पंचायतों के किसानों का धान खरीदा जाए तथा मानपुर समिति में शामिल अन्य 6 ग्राम पंचायत अंतर्गत 12 ग्रामों के किसानों की धान खरीदी शिफ्ट किए गए टोहे के केंद्र में की जाए। मानपुर समिति में 15 ग्राम पंचायतों के कुल 42 ग्राम शामिल हैं। एसडीएम के मुताबिक उन्होंने क्षेत्रीय समिति प्रबंधक व नोडल अधिकारी को ग्रामीणों की मांग से तत्काल अवगत कराते हुए उनसे आग्रह भी किया है इनकी मांग जायज है यदि संभव हो तो इसे देखा जाए। वहीं प्रति उत्तर में प्रबंधक व नोडल ने कहा है कि एक-दो दिन में वर्कआउट करके वो प्रयास करेंगे कि इस पर कोई पॉजिटिव समाधान निकले।

मायके में रह रही महिला से बलात्कार के बाद हत्या

गांव का ही व्यक्ति निकला आरोपी, गिरफ्तार

पायनियर संवाददाता ➤ राजनांदगांव
www.dailypioneer.com

केसीजी जिले के वनांचल में अकेली महिला की अस्मत लूटने के बाद हत्या का मामला सामने आया है। वारदात बकरकट्टा क्षेत्र के ग्राम तेंदुभाठा की है। यहां 28 साल की महिला से गांव के ही युवक ने दुष्कर्म किया और इसके बाद हत्या कर दी। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने बताया कि घटना बीते 24 नवंबर की है। मृतक महिला उत्तरा बाई (28) अपने पति से अलग अपने मायके में ही रह रही थी। घटना के दिन जब वह घर में अकेली थी, तभी गांव का ही आरोपी रामकुमार नेताम (30) उसके घर में घुस गया। आरोपी ने पहले महिला से दुष्कर्म किया और इसके बाद गला दबाकर उसकी हत्या कर दी। हत्या के बाद आरोपी मौके से फरार हो गया। वारदात के बाद परिजन जब घर लौटे तो उन्हें उत्तरा मृत मिली।

सदमें में आए परिजनों ने पुलिस को सूचित किया। पुलिस ने जांच शुरू की तो घटना सामने आई। पता चला कि रामकुमार को महिला के घर में घुसते देखा गया था। पुलिस ने उसे दबोचकर पूछताछ की। पूछताछ में आरोपी ने दुष्कर्म के बाद महिला की हत्या की बात स्वीकार ली। जिसे पुलिस ने न्यायिक रिमांड में भेज दिया है।

भोरमदेव सहकारी शक्कर कारखाना मर्यादित ने गन्ना किसानों को 6.52 करोड़ रुपए का किया भुगतान

पायनियर संवाददाता ➤ कवर्धा
www.dailypioneer.com

भोरमदेव सहकारी शक्कर कारखाना मर्यादित, कवर्धा ने पेराई सत्र 2024-25 के अंतर्गत गन्ना किसानों को 6.52 करोड़ रुपए का गन्ना मूल्य भुगतान किया है। यह भुगतान डिप्टी सीएम विजय शर्मा के निर्देश और कलेक्टर एवं प्राधिकृत अधिकारी श्री गोपाल वर्मा के मार्गदर्शन में किया गया। कारखाना द्वारा 22 नवंबर 2024 तक गन्ना विक्रय करने वाले किसानों को 315.10 रुपए प्रति क्विंटल की दर से भुगतान किया गया है। पेराई सत्र के दौरान अब तक 26,787 मीट्रिक टन गन्ने की पेराई की गई है, जिससे 23,338 क्विंटल शक्कर का उत्पादन हुआ है। यह किसानों और कारखाना प्रबंधन के बीच बेहतर समन्वय का परिणाम है।

मुख्य बिंदु:

भुगतान राशिः 6.52 करोड़।
गन्ने की दरः 315.10 प्रति क्विंटल।
पेराई की मात्राः 26,787 मीट्रिक टन।
उत्पादनः 23,338 क्विंटल शक्कर।
किसानों को अपीलः परिपक्व और साफ-सुथरे गन्ने की आपूर्ति।
लक्ष्यः गन्ना किसानों की आर्थिक स्थिति को मजबूत करना।

उत्पादन में प्रगति और किसानों के लिए लाभकारी कदम

पेराई सत्र 2024-25 के दौरान गन्ना पेराई और शक्कर उत्पादन की प्रक्रिया में तेजी लाई गई है। कारखाने के प्रबंध संचालक जीएस शर्मा ने जानकारी दी कि किसानों को उनकी मेहनत का उचित मूल्य प्रदान करने और कारखाना संचालन को अधिक लाभकारी बनाने पर लगातार काम किया जा रहा है। कारखाना प्रबंधन ने यह भी सुनिश्चित किया है कि किसानों को समय पर उनके भुगतान प्राप्त हों और उत्पादन प्रक्रिया में किसी भी प्रकार की बाधा न आए। किसानों को उच्च गुणवत्ता वाले गन्ने की आपूर्ति के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है, जिससे शक्कर उत्पादन की रिकवरी दर बढ़ाई जा सके।

किसानों के हित में विशेष प्रयास

भोरमदेव सहकारी शक्कर कारखाना मर्यादित ने किसानों से अपील की है कि वे कारखाने में परिपक्व, साफ-सुथरा, अगवा रहित और जड़ रहित गन्ना आपूर्ति करें। ऐसा करने से शक्कर रिकवरी प्रतिशत में वृद्धि होगी, जिसका लाभ किसानों को सीधे मिलेगा। इसके साथ ही, कारखाने ने नियमित अंतराल पर किसानों को भुगतान सुनिश्चित करने का आश्वासन दिया है। इस पहल का उद्देश्य गन्ना किसानों की आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ करना और गन्ना आपूर्ति की प्रक्रिया को सुचारू बनाना है।

लोधेशवर धाम में सैकड़ो की संख्या मे विवाह योग्य युवक-युवती ने दिया परिचय

- लड्डूगोपाल को लगाया किसमिश भोग चमत्कारिक लोधी शिवांगी दीदी के मुख आया
- लोधेशवरधाम में समाज द्वारा प्रकाशित स्मारिका का हुआ विमोचन

पायनियर संवाददाता ➤ रायपुर
www.dailypioneer.com

लोधी क्षत्रिय समाज द्वारा राजधानी रायपुर के लोधेश्वरधाम में आयोजित दीपावली मिलन समारोह में देश भर से स्वजातीय बंधु पहुंचे। समाज का प्रतिनिधित्व करने वाले दो विधायक एवं उत्तर प्रदेश के पूर्व विधायक, राष्ट्रीय महिला उपाध्यक्ष अनिता लोधी भी कार्यक्रम में विशेष रूप से शामिल थी। युवक-युवती परिचय सम्मेलन, वार्षिक सम्मेलन व स्मारिका विमोचन के साथ सांस्कृतिक कार्यक्रम भी संपन्न हुआ। प्रतिभाशाली बच्चों व वरिष्ठजनों का सम्मान समारोह भी किया गया। कार्यक्रम में शामिल होने के लिए कलियुग की मीराबाई लोधी शिवांगी दीदी का रायपुर आगमन होने पर समाज के सदस्यों ने जोरदार स्वागत किया। लोधी क्षत्रिय समाज चंगोराभाठा के सचिव प्रहलाद दमाहे ने बताया कि छत्तीसगढ़ में होने वाला यह पहला सामाजिक कार्यक्रम हैं, जिसमें देश भर से समाज के लोग हिस्सा लिए हैं। समाज के गौरव लांजी के युवा विधायक राजकुमार कुर्राहे व खैरागढ़ विधायक यशोदा नीलाम्बर, उत्तम जंघेल, संयोजक लोधेश्वरधाम के आतिथ्य में यह कार्यक्रम संपन्न हुआ। क्षेत्रीय जनप्रतिनिधि व अन्य विशिष्टजन भी कार्यक्रम में उपस्थित थे। राष्ट्रीय महिला उपाध्यक्ष अनिता लोधी, लांजी विधायक राजकुमार कर्राहे, खैरागढ विधायक यशोदा नीलांबर वर्मा एवं राष्ट्रीय महासभा के पदाधिकारीगण, स्वजातीय बंधूओ ने लोधेश्वरधाम (कुम्हारी टोल प्लाजा के पास) लोधेश्वर भगवान मंदिर का भूमिपूजन भी किया। लोधी क्षत्रिय समाज चंगोराभाठा रायपुर छत्तीसगढ के तत्वावधान में दीपावली मिलन समारोह, वार्षिक, परिचय सम्मेलन एवं स्मारिका विमोचन समारोह अलग अलग सत्र में आयोजित किया गया। इसकी शुरुआत सुबह 11बजे से होगी और शाम को 5 बजे सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ समापन हुआ। सभी कार्यक्रम लोधेशवरधाम मे संपन्न हुआ। इस कार्यक्रम में अखिल भारतीय लोधी-लोधा-लोध राष्ट्रीय महासभा के पदाधिकारीगण, सदस्यगण भी विशेष रूप से शामिल हुए।

बसना खंड का परिवार सम्मेलन गढ़फुलझर में हुआ सम्पन्न

पायनियर संवाददाता ➤ रायपुर
www.dailypioneer.com

मार्गशीर्ष मास कृष्ण पक्ष नवमी को बसना खण्ड का परिवार सम्मेलन रामचण्डी मंदिर परिसर गढफुलझर में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के कुटुम्ब प्रबोधन गतिविधि के अंतर्गत सम्पन्न हुआ। जिसमें प्रांत कुटुम्ब प्रबोधन संयोजक हरिओम शर्मा का बौद्धिक आशीर्वचन प्राप्त हुआ। इसमें उन्होंने धर्म के अनुरूप सापेक्ष प्रश्न भी पुछकर सनातन संस्कृति की विराट विरासत, शास्त्रों, उपनिषद और इत्यादि सद्ग्रंथों में समाहित सनातन संस्कृति, परिवार में सुसंस्कार नौनिहालों का निर्माण

कैसे हो, समाज का योगदान राष्ट्र के प्रति, के विभिन्न जीवनोपयोगी आयामों पर प्रकाश डाला। इस परिवार सम्मेलन में बड़ी संख्या में मातृ शक्ति एवं भावी नौनिहाल भी सम्मिलित हुए। जिसमें पारिवारिक सह खेल, सांस्कृतिक अंताक्षरी जैसे मनोरंजक उद्यम शामिल किए गए। कार्यक्रम का संचालन कार्यावहक द्वय गहीर एवं प्रधान ने किया। संघ के इस परिवार सम्मेलन में पूज्य सिंधी पंचायत, पूज्य कुम्भकार समाज, पूज्य कुल कोलता समाज, पूज्य अग्रवाल समाज, पूज्य अघरिया समाज, पूज्य मरार पटेल समाज, पूज्य सतनामी समाज, पूज्य कायस्थ समाज, पूज्य गोंड समाज, पूज्य बिंझवार समाज, पूज्य तेली समाज, पूज्य वैष्णव समाज, पूज्य कोंद समाज, पूज्य चौहान समाज, पूज्य मानिकपुरी समाज, पूज्य ब्राह्मण समाज के सामाजिक जनों ने परिवार सहित इस पारंपरिक कार्यक्रम में सक्रिय भागीदारी दी।

सैयद आरिफ अहमद का निधन

रायपुर। रमन मंदिर वार्ड निवासी 50 वर्षिय सैयद आरिफअहमद, ऊर्फ बबलू का इंतेकाल 25 नवंबर को मेकाहारा हॉस्पिटल में हो गया है, मौदहापारा क़ब्रिस्तान में सुपुर्द ए खाक कर दी गई है। आप सैयद जावेद डबलू व शूबी के बड़े भाई और सैयद फारूक, शकील साजिद, शिबली, तमशील के छोटे भाई थे।

पीएमश्री जवाहर नवोदय विद्यालय लवन में संविधान दिवस मनाया गया

पायनियर संवाददाता ➤ लवन
www.dailypioneer.com

पीएमश्री जवाहर नवोदय विद्यालय लवन में संविधान दिवस की पावन अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य शिक्षक शिक्षिकाएं और छात्र-छात्राएं द्वारा भारत रत्न तथा संविधान के निर्माता डॉक्टर भीमराव अंबेडकर की तेल चित्र पर पुष्प माल्यार्पण करके संविधान दिवस मनाया गया। संविधान दिवस के पावन अवसर पर विद्यालय की सुष्मिता आदित्य कक्षा 7 हर्षित वर्मा कक्षा 9 लोकेश्वरी तिवारी कक्षा 11वीं विज्ञान खुशी ध्रुव 11वीं ह्यूमैनिटीज त्रिवेणी साहू 11वीं विज्ञान ने संविधान की विविध पहलुओं पर प्रकाश डालते हुए भाषण प्रस्तुत किया। संविधान दिवस के अवसर पर विद्यालय के सामाजिक विज्ञान अध्यापक राकेश सिंह ने बताया की भारत जैसे विश्व के सबसे बड़े

लोकतांत्रिक देश जहां विभिन्न जाति धर्म समुदाय और भाषा के आधार पर भिन्नता है इस तरह के विशाल देश जो सामाजिक और आर्थिक रूप में भिन्न है। अतः ऐसे सभी लोगों को एक साथ रखने में संविधान की महत्वपूर्ण भूमिका है ।कार्यक्रम के अंतिम में विद्यालय के प्राचार्य बी गिरिजा जाने संविधान पर महत्वपूर्ण विचार व्यक्त करते हुए कहा कि हर भारतीय नागरिक के लिए 26 नवंबर संविधान दिवस बेहद खुशी का दिन है। संविधान में ही देश के सिद्धांत और उसके चलाने के तौर तरीके होते हैं। संविधान ही है जो हमें एक आजाद देश का आजाद नागरिक की भावना का एहसास कराता है। संविधान के दिए हुए मौलिक अधिकार हमारी ढाल बनकर हमें हमारा हर हक दिलाता है। संविधान बनाने में भारत रत्न डॉक्टर भीमराव अंबेडकर का मुख्य भूमिका रहा है। सभी लोगों को एक साथ रखने में संविधान की महत्वपूर्ण भूमिका है। इस कार्यक्रम में विद्यालय के समस्त शिक्षक शिक्षिकाएं जैसे मंदोदरी सेठ ,जेपी साहू, एसके पांडे, ग्रंथपाल राजेंद्र सिक्का, चंदन तिवारी, कृष्ण कुमार, राकेश सिंह, वर्षा मोहन, ममता, अर्चना, प्रशांत गायकवाड, प्रदीप कुमार, ज्ञान प्रकाश, स्मिता पिलाई मोनिका ठाकुर, अरूप दास, राघवेंद्र सोनार, सेल्स श्रीवास, कल्पना सिंह, राहुल रॉय, सरजू उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन राजेंद्र सिक्का ग्रंथपाल द्वारा किया गया।

नव पदस्थ कलेक्टर राजेंद्र कुमार कटारा ने किया पदभार ग्रहण

पायनियर संवाददाता ➤ बलरामपुर
www.dailypioneer.com

जिले के नवपदस्थ कलेक्टर के पद पर आईएएस राजेन्द्र कुमार कटारा ने आज पदभार ग्रहण लिया है। गौरतलब है की राजेंद्र कुमार कटारा राजस्थान के रहने वाले हैं और वर्ष 2013 में यूपीएससी की परीक्षा पास की थी। उसके बाद एसडीएम बगीचा, अपर कलेक्टर रायगढ़, सहायक कलेक्टर बस्तर के रूप में अपनी सेवाएं दे चुके हैं। जब ऐ बीजापुर में कलेक्टर के पद पर पदस्थ थे उस वक्त नक्सल प्रभावित क्षेत्र में विकास कार्य को समाज के अंतिम छोर तक पहुंचने के लिए अहम भूमिका निभा चुके है। वही छत्तीसगढ़ मंत्रालय में संचालक, राज्य शैक्षिक एवं अनुसंधान परिषद तथा अतिरिक्त प्रभार मिशन संचालक, राज्य साक्षरता

मिशन,मिशन संचालक,राष्ट्रीय उच्चतर शिक्षा अभियान,प्रबंध संचालक, पाठ्य पुस्तक निगम में सेवा उपरांत बलरामपुर कलेक्टर के रूप में इनको पदस्थ किया गया हैं। जिन्होंने मंगलवार दोपहर 12:00 बजे के लगभग पदभार ग्रहण कर लिया है। बलरामपुर रामानुजगंज जिले के राजेंद्र कुमार कटारा 12 वें कलेक्टर के रूप में अब जाने जाएंगे। वैसे तो इनका आदेश कई दिनों पहले हो गया था लेकिन विभागीय सूत्र बताते हैं कि महाराष्ट्र चुनाव के मतदान केंद्र में इनको माइक्रो आब्जर्वर बनाया गया था।

धान खरीदी में किसानों के साथ धोखा, मुख्यमंत्री के गृह जिले में अब तक नहीं हो पाई बोहनी : नवीन गुप्ता

- 21 क्विंटल प्रति एकड़ खरीदी करने से भाग रही सरकार

पायनियर संवाददाता ➤ रायपुर
www.dailypioneer.com

छत्तीसगढ़ में धान खरीदी में किसानों के साथ धोखा किए जाने का आरोप समाजवादी पार्टी प्रदेश अध्यक्ष नवीन गुप्ता ने लगाया है। उन्होंने कहा, कि 21 क्विंटल प्रति एकड़ खरीदी करने की घोषणा कर सत्ता में आए। अब किसानों से औसत उपज के आधार पर धान खरीदी का निर्देश समिति स्तर पर अपैक्स बैंक माध्यम से जारी करवाए जा रहे हैं।

किसानों में इससे नाराजगी की वजह से प्रदेश् के कई खरीदी केंद्रों में बोहनी नहीं हो पाई है। यहां तक मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के गृह जिले जशपुर में औसत फसल के अनुसार धान खरीदी के निर्देश दिए गए हैं। यहां धान उपार्जन केन्द्रों में किसानों से 21 क्विंटल धान के बजाय 14 किवंटल धान खरीदी

को लेकर किसानों में काफी आक्रोश देखा जा रहा है। आक्रोशित किसान सरकार के विरुद्ध नारेबाजी कर रहे है तथा अपेक्स बैंक द्वारा जारी आदेश से नाराज होकर अपनी धान वापस ले जा रहे है। नवीन गुप्ता ने कहा कि यही वजह है कि जशपुर जिले में अभी तक कहीं भी किसानों से धान खरीदी शुरू नहीं हो पाई है। पड़ोसी जिले सरगुजा और रायगढ़ में 21 क्विंटल के अनुसार टोकन काटे जा रहे हैं उसके विपरीत मुख्यमंत्री के गृह जिला जशपुर में अधिकतम 14 किवंटल धान खरीदी के निर्देश दिए गए हैं। नवीन गुप्ता ने कहा कि जशपुर जिले में 24 सेवा सहकारी समितियां हैं। जिसमें 46 धान खरीदी केंद्रों का संचालन किया जा रहा है लेकिन आज पर्यंत तक किसी भी किसान की धान खरीदी नही हो पाई है।

मचांदूर कालेज के जनभागीदारी समिति में 18 सदस्य मनोनीत

पायनियर संवाददाता ➤ उतई
www.dailypioneer.com

भाजयुमों उतई मंडल अध्यक्ष प्रवीण कुमार यदु को प्रभारी मंत्री विजय शर्मा एवं दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर की अनुशंसा से शासकीय कालेज जनभागीदारी विकास एवं प्रबन्धन समिति का अध्यक्ष मनोनीत किया गया है। कालेज के प्राचार्य नीरजा रानी पाठक को नवनियुक्त अध्यक्ष प्रवीण यदु ने कॉलेज में नई जनभागीदारी विकास व प्रबन्धन समिति हेतु अंचल के नागरिक, युवाओं एवं सामाजिक कार्यकर्ताओं को सदस्य मनोनीत कर कार्यकारिणी की सूची कालेज प्रबंधन को सौंपा। यदु ने अपने मनोनयन के लिये दुर्ग जिला प्रभारी मंत्री व छग शासन के उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा, दुर्ग

लोकसभा सांसद विजय बघेल, दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर, दुर्ग जिला भाजपाध्यक्ष जितेंद्र वर्मा एवं उतई भाजपा मंडल अध्यक्ष फत्तेलाल वर्मा के प्रति आभार प्रकट करते हुए कहा कि मचांदुर में शासकीय महाविद्यालय लंबे लड़ाई व संघर्ष के बाद मिली है। वे महाविद्यालय में छात्रों के हित के लिए हमेशा कार्य करते रहेंगे और शैक्षणिक गुणवत्ता पर जोर देते हुए शैक्षणिक संसाधन पर्याप्त हो, बच्चो को उच्च शिक्षा के लिए अच्छा माहौल मिले,बेहतर वातावरण विकसित हो इस पर पूरा ध्यान रहेगा। साथ ही संस्कारित शिक्षा और नई शिक्षा नीति के साथ स्वावलंबी और आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में भी काम हो प्रयास किया जावेगा।

अमेजन.इन के 'विंटर वेलनेस स्टोर' के साथ इस सर्दी के मौसम में रहिए सेहतमंद, यहां मिलेंगी इस मौसम से जुड़े जरूरी प्रोडक्ट

रायपुर। अमेजन.इन ने ग्राहकों के लिए खासतौर पर 'विंटर वेलनेस स्टोर' पेश किया है। डाबर द्वारा प्रायोजित यह स्टोर आने वाले सर्दी के महीनों की तैयारी करने के लिए ग्राहकों की मदद करेगा। ग्राहक कम कीमत पर विंटर केयर से जुड़े जरूरी प्रोडक्ट के विशाल संग्रह में से अपने पसंदीदा प्रोडक्ट की खरीदारी कर सकते हैं। यहां उपलब्ध कराए गए सभी प्रोडक्ट अमेजन की तेज़ और विश्वसनीय डिलीवरी के साथ ग्राहकों के घर पर उपलब्ध कराए जाएंगे। 'विंटर वेलनेस स्टोर' में इंटरनेशनल और भारतीय दोनों प्रकार के ब्रांडों के किराना, बेबी आइटम, पेट केयर, हेल्थ एवं पर्सनल केयर प्रोडक्ट जैसी कैटेगरी के प्रोडक्ट की विशाल रेंज उपलब्ध कराई गई है। इस स्टोर के प्रायोजक डाबर के साथ, ग्राहक कपिवा, कोफोल, क्विक, बैद्यनाथ असली आयुर्वेद, हॉर्लिक्स और केरल आयुर्वेद सहित टॉप ब्रांडों के विंटर केयर से जुड़े ऑफर का लाभ उठा सकते हैं। यहां उपलब्ध ऑफर्स में चुनिंदा विंटर हेल्थ केयर और किराने के सामान पर 45% तक की छूट दी जा रही है।

केएफसी के फैन फेवरीट्स के साथ ऐपिक स्वाद का आनंद लें

पायनियर संवाददाता ➤ रायपुर
www.dailypioneer.com

ऐपिक स्वाद। ब्रांड अपने नए कैंपेन 'टेस्ट द ऐपिक' में सभी को केएफसी के ऐपिक स्वाद का आनंद लेने के लिए आमंत्रित कर रहा है। पिछले तीन दशकों से पूरे देश में चस्न्नष्ट के फैन फिंगर लिकिंग गुड क्रिस्पी चिकन का स्वाद ले रहे हैं। इस नवंबर केएफसी अपने फैन फेवरीट्स की बेस्ट-सेलिंग रेंज मशहूर हॉट एंड क्रिस्पी चिकन, हॉट विंग्स चिकन पॉपकॉर्न, पेरी-पेरी बोनलेस चिकन स्ट्रिप्स, अनेक ज़िंगर बर्गर, रोल आदि लेकर आया है। भारत में ग्राहक 'टेस्ट द ऐपिक' के साथ केएफसी के क्रंची सिग्नेचर मेनू आइटम्स का बेहतरीन

स्वाद ले सकते हैं। चिकन लवर्स के लिए केएफसी तीन कैटेगरीज में अपनी बेस्ट-सेलिंग रेंज - चिकन ऑन बोन, बोनलेस और बर्गर एंड मोर लाया है। चिकन ऑन बोन कैटेगरी में फैन्स को फिंगर लिकिंग गुड स्वाद और अनुभव मिलेगा। जहाँ जूसी और क्रिस्पी सिग्नेचर हॉट एंड क्रिस्पी चिकन शेयर करने के लिए आइकोनिक बकेट में आता है, वहीं क्रंची हॉट विंग्स बेजोड़ स्वाद प्रदान करता है। बोनलेस रेंज में बाईट-साइज्ड चिकन पॉपकॉर्न और क्रिस्पी पेरी पेरी बोनलेस स्ट्रिप्स हैं, जो कहीं भी सुविधाजनक तरीके से खाए जाने के लिए बेहतरीन स्नैक्स हैं। बर्गर्स एंड मोर अलग-अलग फॉर्मैट्स में केएफसी का ऐपिक स्वाद प्रदान करते हैं। केएफसी के फैन्स के लिए चिकन रोल हैं, जो पूरी दुनिया के जेस्टी फ्लेवर्स जैसे थाई स्पाइसी, कोरियन टैंगी, अमेरिकन नैशविले या इंडियन तंदूरी से प्रेरित हैं। ज़िंगर बर्गर की रेंज भी काफी बड़ी है, जिसमें क्रिस्पी चिकन फिलेट्स और वेजीज़ शामिल हैं, जो सॉफ्ट सीसेम बन के बीच स्वादिष्ट सॉस के साथ आते हैं। संपूर्ण भोजन का आनंद लेने के लिए इन्हें पसंदीदा एरोमैटिक राइस बाउल्ज़ के साथ भी खाया जा सकता है।

अपर कलेक्टर ने राजस्व अधिकारियों ली बैठक, राजस्व के लंबित प्रकरणों का गंभीरता से करने के दिए निर्देश

जशपुरनगर। कलेक्टर रोहित व्यास के निर्देशन पर आज अपर कलेक्टर श्री प्रदीप कुमार साहू ने कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में राजस्व अधिकारियों की समीक्षा बैठक लेकर सीमांकन, बटांकन, नामांतरण, अविवादित नामांतरण, डायवर्सन, खाता विभाजन, रिकार्ड दुरुस्तीकरण के कार्यो को गंभीरता से करने के निर्देश दिए हैं। अपर कलेक्टर ने सभी राजस्व अधिकारियों को अपने-अपने न्यायालयीन प्रकरणों को समय-सीमा में निराकरण करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि दूर-दराज से लोग आते हैं तो उनके राजस्व अधिकारी उनके समस्याओं को प्राथमिकता से सूने और उन समस्याओं को त्वरित निराकरण करने की कार्यवाही करें। ताकि आमजनों को बेवजह परेशान होना न पेड़े। इस अवसर पर सभी एसडीएम, तहसीलदार सहित अन्य राजस्व अधिकारी ऑनलाईन से जुड़े थे।

विजिटर्स ने कहा- वाकई सुपरस्टार है स्टार साइन के सभी उत्पाद

द लोकल बैंड बाजा बाजार शॉपिंग एंटरटेनमेंट फेस्टिवल में छाए स्टार साइन के प्रोडक्टस

पायनियर संवाददाता ➤ रायपुर
www.dailypioneer.com

श्रीराम बिजनेस पार्क विधानसभा रोड में द लोकल (बैंड बाजा बाजार) शॉपिंग एंटरटेनमेंट फेस्टिवल का आयोजन किया गया। तीन दिवसीय शॉपिंग एंटरटेनमेंट फेस्टिवल का समापन हुआ। यह आयोजन राजधानी रायपुर में विगत कई वर्षों से हो रहा है। इससे इस वर्ष छत्तीसगढ़ का प्रसिद्ध इलेक्ट्रॉनिक ब्रांड स्टार साइन एंटरटेनमेंट पार्टनर के रूप में जुड़ा है। इस फेस्टिवल में स्टार साइन के प्रोडक्टस आकर्षण का केंद्र रहे। सभी ने कहा कि स्टार साइन के प्रोडक्टस वाकई में सुपरस्टार है। खासकर स्टार साइन बिग टीवी और सिलिंग फेन विशेष आकर्षण का केंद्र रहे। कंपनी के चीफएग्जीक्यूटिव ऑफिसर अनेकांत जैन और एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर और सीएफओ अंकित जैन ने बताया कि यहां आकर

लोगों को बड़ा प्राउड फील हुआ कि छत्तीसगढ़ का एक अपना मैन्युफैक्चरिंग ब्रांड है,जो अंतरराष्ट्रीय स्तर के होम अप्लायंसेज बनता है। काफी आकर्षक प्रोड्क्टस और बेस्ट रेंज उपलब्ध है। इस बेहद खास शॉपिंग एंटरटेनमेंट फेस्टिवल में स्टार साइन का स्टॉल लोगों को काफी आकर्षित किया।

स्टार साइन बिग टीवी ने सभी का ध्यान अपनी ओर खींचा-इसकी खासियत 85 इंच वेबओएस है। 3 साल की वारंटी इस श्रेणी में है। हमारे पास 32 इंच से शुरू होकर 85 इंच तक की स्मार्ट टीवी की रेंज है,जो ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों अवेलेबल है। 50 और 85 इंच तक की स्मार्ट टीवी वेबओएस टेक्नोलॉजी,मैजिक रिमोट के साथ उपलब्ध है। 32 और 43 इंच गूगल टीवी एवेलेबल है। उन्होंने बताया कि वाशिंग मशीन सेमी ऑटोमेटिक 7.2 से 10 केजी तक अलग-अलग मॉडल में उपलब्ध है। मिक्सर ग्राइंडर तीन मॉडल के साथ 500 वोल्ट,750 वोल्ट एवं 1150 वोल्ट के उपलब्ध हैं। हमारे पास सीलिंग फैन की भी काफी आकर्षक रेंज है। 5 साल की वारंटी के साथ उपभोक्ता एक बार लेकर लांग टाइम के लिए निश्चित हो सकते हैं। ऐसे ही हमारे पास कमर्शियल एंड होम कूलर है, जो काफी आकर्षक हैं। दूर से ठंडी हवा का अहसास कराते हैं।

फन एक्टिविटी में लोगों ने किया खूब एन्जॉय और रील बनाकर स्टार साइन के ब्रांड एम्बेसडर बनने का मौका -तीन दिवसीय फेस्टिवल में स्टार साइन के स्टाल में फन एक्टिविटी भी करवाई गई। छत्तीसगढ़ी में हाउ आर यू कहलाया गया,जो काफी अपने आप में रोचक रहा। सही बोलने वालों को उपहार दिए गए। ऐसे ही सबसे बड़ा आकर्षण रही स्टार साइन के एरिया में रील मेकिंग। रील बनाकर जो अपने इंस्टाग्राम पेज पर डालकर स्टार साइन.को.इन इंस्टाग्राम पेज को टैग करते हैं तो जो रील अधिकतम शेयर हुई हो उन्हें मौका मिलेगा स्टार साइन के अगले ऐड में आने का। स्टार साइन का स्तर एंबेसडर बनाकर अगले ऐड में आने का मौका दिया जाएगा। ज्यादातर युवा क्राउड रहा। इंस्टाग्राम कल्चर हावी रहा।

पतियों ने दिए रोचक सवालों के रोचक जवाब-स्टाल में आकर लोगों ने काफी एन्जॉय किया। रोचक सवालों के रोचक जवाब दिए गए। सभी से रोचक सवाल पूछे गए जिसमें अधिकतर पतियों ने काफी रोचक जवाब दिए। पूछा गया था कि यदि आप घर में कोई होम अप्लायंस होते तो कौन से होते? अधिकतर पतियों ने यही कहा पंखा होता,क्योंकि रेगुलेटर पत्नी के हाथ में है और पंखा जैसे हम घूमते रहते हैं। किसी ने कहा हम टीवी होते हैं क्योंकि रिमोट पत्नी के हाथ में हैं।

बगरा धान उपार्जन केंद्र का हुआ उद्घाटन

रामानुजगंज। धान उपार्जन केंद्र बगरा में मुख्य अतिथि बतौर शक्ति केंद्र प्रभारी ललन पाल के द्वारा पूजा अर्चना कर उद्घाटन किया गया। इस अवसर पर अनिल कुमार केशरी,कृष्णा गुप्ता,विमलेश कुशवाहा,कुंवर साय,प्रभारी तुषार पॉल,आशु केशरी सहकारी बैंक मैनेजर,कैशियर एवं किसान गण उपस्थि रहें।

विधायक ललित चंद्राकर ने कार्यकर्ताओं के साथ देखी द साबरमती रिपोर्ट

उतई। दुर्ग ग्रामीण विधायक व राज्य ग्रामीण एवं अन्य पिछड़ा वर्ग क्षेत्र विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष ललित चंद्राकर ने अपने विधानसभा क्षेत्र दुर्ग ग्रामीण के भाजपा साथियों एवं समाज के विभिन्न वर्गों के प्रतिष्ठित नागरिकों के साथ द साबरमती रिपोर्ट फिल्म चंद्रा मौर्या टॉकीज में देखकर गोधरा कांड के दिवंगतो को नमन किया। द साबरमति रिपोर्ट 2002 के दुर्भाग्यपूर्ण और क्रूर गोधरा ट्रेन अग्निकांड के सच को परत-दर-परत खोलने का सशक्त दस्तावेज़ है। आप सभी इस फिल्म को जरुर देखें।

नशीली दवा बेचने वालों पर होगी कठोर कार्रवाई : विजय शर्मा

उपमुख्यमंत्री विजय की अध्यक्षता में हुई बैठक

पायनियर संवाददाता ◄ रायपुर
www.dailypioneer.com

उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने कहा है कि प्रदेश में नशीली दवाओं के सेवन एवं विक्रय पर प्रभावी नियंत्रण किया जाए। उपमुख्यमंत्री शर्मा ने मंत्रालय महानदी भवन में प्रदेश में नशीली दवाओं के विक्रय एवं सेवन पर वैधानिक कार्यवाही करने और नशीली दवाओं की बिक्री रोकने के लिए गृह विभाग और स्वास्थ्य विभाग की उच्च स्तरीय बैठक में इस आशय के निर्देश दिए गए। बैठक में लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल भी उपस्थित थे। उपमुख्यमंत्री शर्मा ने पुलिस और स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों से कहा है कि नशीली दवाओं के नियंत्रण के लिए मेडिकल दुकानों का नियमित रूप से आकस्मिक निरीक्षण करें तथा ऐसे मेडिकल शॉप जो वैधानिक नशीली दवाओं के कारोबार में संलग्न है उन पर त्वरित एवं कठोर कार्यवाही करें। ऐसे दुकानदारों पर एफआईआर करें तथा गिरफ्तारी की भी कार्यवाही करें। उपमुख्यमंत्री ने नशीली दवाओं की रोकथाम के लिए विशेष अभियान चलाकर प्रभावी कार्यवाही करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने इसके लिए स्थानीय निकायों के पदाधिकारियों का सहयोग लेने की भी बात कही है। बैठक में स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जायसवाल ने नियंत्रक खाद्य एवं औषधि को पुलिस अधिकारियों से समन्वय कर ड्रग इंस्पेक्टर की टीम बनाकर लगातार दवाई दुकानों का निरीक्षण कर आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए हैं। बैठक में अपर मुख्य सचिव मनोज कुमार पिंगुवा, प्रमुख सचिव पंचायत एवं ग्रामीण विकास निहारिका बारीक, आयुक्त सह संचालक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण डॉ. प्रियंका शुक्ला, विशेष सचिव वित्त एवं सामान्य प्रशासन तथा नियंत्रक खाद्य एवं औषधि प्रशासन चंदन कुमार सहित पुलिस एवं स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी उपस्थित थे।

निर्वाचन कार्यों की तैयारी के संबंध में संभाग स्तरीय समीक्षा बैठक संपन्न

समय पूर्व सभी व्यवस्था सुनिश्चित करने के दिए गए निर्देश

पायनियर संवाददाता ◄ रायपुर
www.dailypioneer.com

राज्य निर्वाचन आयुक्त अजय सिंह की अध्यक्षता मे बिलासपुर कलेक्टोरेट के मंथन सभाकक्ष मे स्थानीय निकायों के निर्वाचन की तैयारियों के संबंध में बिलासपुर और सरगुजा संभाग के अधिकारियों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में दोनों संभाग के संभाग आयुक्त, पुलिस महानिरीक्षक, कलेक्टर, पुलिस अधीक्षक और उप जिला निर्वाचन अधिकारी शामिल हुए। निर्वाचन आयुक्त अजय सिंह ने बैठक में चुनाव संबंधी सभी तैयारियां समय पूर्व सुनिश्चित करने के दिए। बैठक में मुख्य रूप से चुनाव की तैयारी, सुरक्षा व्यवस्था, मतदान केंद्रों की स्थिति, और निर्वाचन प्रक्रिया से जुड़ी अन्य महत्वपूर्ण विषयों की तैयारियों की समीक्षा की गई। इस बैठक के माध्यम से चुनाव के सुचारू और सुरक्षित संचालन को सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक निर्देश दिए गए। राज्य निर्वाचन आयुक्त अजय सिंह ने चुनावी प्रक्रिया के दौरान होने वाली चुनौतियों और संभावित समस्याओं पर भी चर्चा की। उन्होंने अधिकारियों को चुनाव के दौरान शांतिपूर्ण माहौल बनाए रखने, मतदाता जागरूकता बढ़ाने, और मतदान प्रक्रिया को पारदर्शी और निष्पक्ष बनाने के निर्देश दिए। राज्य निर्वाचन आयुक्त अजय सिंह ने कहा कि निर्वाचन नामावली का कार्यक्रम जारी है। उन्होंने कहा की 01 अक्टूबर 2024 की स्थिति मे 18 वर्ष की आयु पूरी करने वाले सभी पात्र लोगों का नाम मतदाता सूची मे आवश्यक रूप से दर्ज होना चाहिए। मतदाता सूची के अंतिम प्रकाशन के पूर्व यह सुनिश्चित कर ले की भारत निर्वाचन आयोग द्वारा जारी मतदाता सूची मे सम्मिलित सभी नाम स्थानीय निकाय चुनाव के लिए तैयार की गई मतदाता सूची में शामिल हो। मतदाता सूची की शुद्धता से समस्याएं नहीं आती है। उन्होंने कहा की समय-समय पर निर्वाचन आयोग द्वारा दिशा-निर्देश जारी किये गए, उन्हीं निर्देशों के पालन प्रतिवेदन की समीक्षा की जा रही है। सभी जिलों के कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक ने पावर पॉइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से अपने-अपने जिलों के निर्वाचन की तैयारी की अद्यतन स्थिति से अवगत कराया। राज्य निर्वाचन आयुक्त अजय सिंह ने कहा कि आप सभी अपनी तैयारियों की समीक्षा करते रहें। आगामी 29 नवम्बर को रायपुर और दुर्ग संभाग तथा 4 दिसंबर को जगदलपुर संभाग के वरिष्ठ अधिकारियों की बैठक लेकर चुनाव तैयारियों की समीक्षा की जाएगी। अभी आरक्षण की कार्यवाही भी होनी है। आगामी समय में राज्य स्तर की बैठक आयोजित की जाएगी जिसमें मुख्य सचिव और पुलिस महानिदेशक शामिल होंगे। इसके बाद निर्वाचन कार्यक्रम जारी किया जाएगा। राज्य निर्वाचन आयुक्त अजय सिंह ने सुरक्षा उपायों और कानून-व्यवस्था को सुदृढ़ करने की आवश्यकता पर भी जोर दिया। उन्होंने मतदान केंद्रों पर सुविधाओं, कर्मचारियों की तैनाती, और निर्वाचन सामग्री की उपलब्धता की भी समीक्षा की ताकि किसी भी तरह की असुविधा न हो। बैठक में यह भी सुनिश्चित किया गया कि सभी संबंधित अधिकारियों के बीच समन्वय और सहयोग बना रहे ताकि चुनाव प्रक्रिया बिना किसी बाधा के पूरी हो सके।

उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने 20.25 करोड़ के विकास कार्यों की घोषणा की

लोरमी में 9.84 करोड़ के निर्माण कार्यों का किया भूमिपूजन

पायनियर संवाददाता ◄ मुंगेली
www.dailypioneer.com

उप मुख्यमंत्री अरुण साव अपने जन्मदिन पर बिलासपुर, मुंगेली और लोरमी प्रवास पर रहे। इस दौरान उन्होंने मुंगेली के डॉ. श्यामाप्रसाद मुखर्जी स्टेडियम में आयोजित कार्यक्रम में मुंगेली नगर पालिका के विभिन्न वार्डों के लिए 20 करोड़ 25 लाख रुपए के विकास कार्यों की घोषणा की। साव ने पार्किंग सहित नगर पालिका के नए भवन, वार्ड क्रमांक-8 में गौरव पथ के जीर्णोद्धार, सड़क डिवाइडर के निर्माण व सौंदर्यीकरण तथा वार्ड क्रमांक-6 में बुधवारी बाजार के जीर्णोद्धार एवं स्वामी विवेकानंद चौक के पुनर्विकास के लिए राशि प्रदान करने की घोषणा की। उन्होंने वार्ड क्रमांक-8 में स्टेडियम परिसर में स्वीमिंग पुल के निर्माण, पुष्प वाटिका उद्यान के पुनर्विकास और मुंगेली शहर में पांच स्वागत द्वारों के लिए राशि मंजूर करने की घोषणा की। उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने लोरमी और मुंगेली में अपने जन्मदिन पर आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों को संबोधित करते हुए कहा कि डबल इंजन की सरकार में क्षेत्र के विकास के लिए राशि की कमी नहीं है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में सभी क्षेत्रों में सक्रियता से विकास के कार्य किए जा रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की हर एक गारंटी को पूरा करने का काम विष्णु देव साय की सरकार कर रही है। उप मुख्यमंत्री साव ने लोरमी नगर पालिका में नौ करोड़ 84 लाख रुपए से अधिक के विभिन्न निर्माण कार्यों का भूमिपूजन भी किया। इनमें मानस मंच उन्नयन, रानीगांव तालाब सौंदर्यीकरण, कार्यालय में प्रथम तल एवं पार्किंग निर्माण, तुलसाघाट में सीसी रोड एवं नाली निर्माण, मुंगेली रोड और पंडरिया रोड में प्रवेश द्वार, कर्मा माता चौक वार्ड क्रमांक-11 और अम्बेडकर चौक वार्ड क्रमांक-15 में अटल परिसर एवं मूर्ति स्थापना के काम शामिल हैं। उन्होंने लोरमी में विभिन्न मदों से सीसी रोड व नाली निर्माण, वार्ड क्रमांक-10 में आरसीसी पुलिया और वार्ड क्रमांक-8 रानीगांव में पुलिया निर्माण कार्य का भी भूमिपूजन किया। कार्यक्रम में जनप्रतिनिधि, गणमान्य नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

कॉन्फ्रेंस के माध्यम से रेडी-टू-ईट के कार्य वापसी हेतु महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी रजवाड़े को अवगत कराया

पायनियर संवाददाता ◄ रायपुर
www.dailypioneer.com

प्रेस क्लब रायपुर में छत्तीसगढ़ प्रदेश महिला स्व सहायता समूह रेडी टू ईट संघ के द्वारा कॉन्फ्रेंस के माध्यम से रेडी-टू-ईट के कार्य वापसी हेतु महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी रजवाड़े को अवगत कराया गया कि आपके द्वारा मीडिया एवं newspaper के माध्यम से अनेकों बार कहा गया है कि रेडी टू ईट का कार्य संचालन करने हेतु पुनः समूह की महिलाओं को दे दिया गया है परंतु हमारा काम वापस नहीं हुआ है, हमारा काम हमें वापस चाहिए, इसकी घोषणा आप कब और कहां करेंगी इस बात को मीडिया के माध्यम से उन तक पहुंचा या गया जिसके लिए इस कॉन्फ्रेंस में हमारी समूह की बहन कल्पना पाटिल, सरस्वती दुबे, रेखा तिवारी, मोंगरा देवी साहू, पिंकी वर्मा, सायरा खान, निर्मला साहू, चमेली साहू, आरती चंद्राकर, लता साहू, मनीषा चंद्राकर पूरे प्रदेश प्रतिनिधित्व कर रहे बहनों ने बताया कि अगर हमें हमारा काम वापस नहीं मिलता तो हमें मजबूर होकर उग्र आंदोलन करना पड़ेगा।

रेडक्रॉस सोसायटी रायपुर शाखा के लिए 15 सदस्य सर्वसम्मति से चुने गए

पायनियर संवाददाता ◄ रायपुर
www.dailypioneer.com

कलेक्टर एवं जिला रेडक्रॉस सोसायटी अध्यक्ष डॉ. गौरव सिंह के निर्देश पर जिले में भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी के जिला शाखा रायपुर की सामान्य सभा आयोजित की गई। इसमें सर्वप्रथम सामान्य सभा की बैठक में कलेक्टर ने रेडक्रॉस के उद्देश्य, कार्य एवं कर्तव्य के बारे में जानकारी दी। निर्वाचन अधिकारी ने चुनाव की प्रक्रिया को बताते हुए पूर्व में प्रकाशित दावा आपत्ति के बाद आजीवन एवं संरक्षक सदस्यों की अंतिम सूची प्रबंध समिति सदस्यता के लिए नामांकन फॉर्म भरा गया। 15 आवेदकों ने फॉर्म भरा और सभी को सर्वसम्मति से सदस्य का चयन किय गया। रायपुर शाखा के लिए राजू शर्मा, डॉ. प्रीति नारायण, डॉ. नवीन बगरेचा, डॉ. सत्यनारायण पाण्डेय, डॉ. राजेंद्र कुमार कश्यप, संतोष कुमार शर्मा, मानसिंह साहू, अश्वनी कुमार पांडे, दयानंद देवांगन, डॉ. अविनाश चतुर्वेदी, गजेंद्र डोंगरे, डॉ. श्वेता सोनवानी, बी.एल. ध्रुव, जशवरी सिंह बघेल एवं डॉ. पकंज किशोर को सर्वसम्मति से सदस्य चुना गया। इस अवसर पर जिला पंचायत सीईओ विश्वदीप, सचिव जिला रेडक्रॉस सोसायटी, जिला रेडक्रॉस के संरक्षक, उप संरक्षक एवं आजीवन सदस्य निर्वाचन प्रक्रिया के दौरान उपस्थित रहे।

संचालनालय भौमिकी तथा खनिकर्म में मनाया गया संविधान दिवस

पायनियर संवाददाता ◄ रायपुर
www.dailypioneer.com

भारत के संविधान को आत्मसात् करने के 75 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर संचालनालय भौमिकी तथा खनिकर्म में आज संविधान दिवस मनाया गया। संचालनालय भौमिकी तथा खनिकर्म में समस्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा संविधान की प्रस्तावना का पठन किया गया। पठन पूर्व, संयुक्त संचालक अनुराग दीवान द्वारा भारत के संविधान एवं उसके महत्व के बारे में जानकारी दी। इसी अनुक्रम में हमारा 'संविधान, हमारा स्वाभिमान' के तहत् खनिज विभाग में भारत के संविधान पर प्रश्नोत्तरी कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया। प्रश्नोत्तरी में सही जवाब देने वाले अधिकारी-कर्मचारियों को पुरस्कृत किया गया।

रायपुर रेल मंडल में मनाया गया संविधान दिवस

पायनियर संवाददाता ◄ रायपुर
www.dailypioneer.com

मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय, रायपुर में 'संविधान दिवस' के अवसर पर एक कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में मंडल रेल प्रबंधक संजीव कुमार ने अधिकारियों और कर्मचारियों के साथ संविधान में निहित मूल्यों और आदर्शों का स्मरण किया। मंडल रेल प्रबंधक संजीव कुमार ने राष्ट्र की एकता, अखंडता और बंधुता को प्रोत्साहित करने वाले संविधान की उद्देशिका का पाठ किया और उपस्थित सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को शपथ दिलाई। उन्होंने भारतीय संविधान की महत्ता और इसके लोकतांत्रिक मूल्यों की चर्चा करते हुए इसे देश की प्रगति का आधार बताया। इस अवसर पर दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे रायपुर मंडल के सभी विभागों के अधिकारी और कर्मचारी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। सभी ने संविधान में निहित आदर्शों का पालन करने और देश की एकता और अखंडता को बनाए रखने के लिए अपना संकल्प दोहराया। भारतीय संविधान को 26 नवंबर 1949 को संविधान सभा द्वारा स्वीकृत किया गया था, जो 26 जनवरी 1950 को लागू हुआ। आज इसी संविधान की बदौलत भारत विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र बना हुआ है।

मेडिकल कॉलेज अम्बिकापुर के निर्माण कार्यों के लिए 109 करोड़ रूपये की स्वीकृति

पायनियर संवाददाता ◄ रायपुर
www.dailypioneer.com

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की पहल पर मेडिकल कॉलेज अम्बिकापुर के शेष निर्माण कार्यों हेतु छत्तीसगढ़ शासन द्वारा 109 करोड़ रूपये की स्वीकृति मिली है। राशि स्वीकृत होने पर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय का सांसद चिंतामणि ने आभार व्यक्त किया है। सरगुजा सांसद चिंतामणि द्वारा क्षेत्र में आमजन के हित में स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार हेतु मेडिकल कॉलेज एवं चिकित्सालय के अधूरे निर्माण कार्य को पूर्ण कराने हेतु बजट स्वीकृति का प्रयास किया जा रहा था। मुख्यमंत्री के पहल पर यह प्रयास सफल हुआ है। विगत डेढ़ सालों से बजट की कमी से मेडिकल कॉलेज अम्बिकापुर में अस्पताल भवन, ऑडिटोरियम और गेस्ट हाउस का निर्माण अवरूद्ध हुआ था। बजट स्वीकृत होने से अस्पताल भवन, ऑडिटोरियम और गेस्ट हाउस का निर्माण पूरा करने में आसानी होगा।

भाजपा का डीएनए संविधान विरोधी : दीपक बैज

पायनियर संवाददाता ◄ रायपुर
www.dailypioneer.com

भाजपा का डीएनए संविधान विरोधी है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि लोकसभा चुनाव के पहले भाजपा ने तय कर लिया था कि यदि 400 से अधिक सीटें आ जाएगी तो संविधान बदल देंगे। देश की जनता ने भाजपा को 240 में समेट दिया तो उनकी मंशा पूरी नहीं हुई, संविधान बदलने के भाजपाई मंशा के कारण देश भर में भाजपा के खिलाफ माहौल बना तो भाजपा मजबूरी में संविधान की पैरोकार बनने का ढोंग करती है। कांग्रेस ने गांधी जी के नेतृत्व में देश को आजादी दिलाई, लोकतंत्र की बुनियाद नेहरू जी ने रखा, बी.आर. अंबेडकर के प्रयासों से हमें दुनिया का बेहतरीन, लिखित संविधान मिला लेकिन भाजपा की बदनीयती संविधान के मूल ढांचे के खिलाफहै। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि भाजपा तो मुखौटा है, उनके पित्रसंगठन आरएसएस को आरंभ से ही संविधान से शिकायत रही है। शिकायत समता और समानता के अधिकार से रही है। दलित, आदिवासी, पिछड़ों को अधिकार संपन्न बनाने से इन्हें शिकायत रही है। 26 नवंबर 1949 को संविधान सभा द्वारा संविधान को अपनाने के महज़ 4 दिन के भीतर ही आरएसएस के मुखपत्र ऑर्गेनाइजर ने संविधान की कठोर आलोचना की थी, कहा था कि इसमें कुछ भी भारतीय नहीं है, उसके बाद से लगातार संघ प्रमुखों के संविधान विरोधी बयान आते रहे। के. सुदर्शन ने अप्रैल 2000 में आरएसएस संघचालक बनने के बाद कहा भारत के संविधान को समाप्त कर देना चाहिए उसके स्थान पर धर्म ग्रंथों पर आधारित संविधान लिखा जाना चाहिए। लगभग यही बात है मोहन भागवत ने भी कही संविधान में बदलाव की वकालत की, कर्नाटक की सभा में कहा कि दो तिहाई का बहुमत इसलिए चाहिए ताकि संविधान बदला जा सके। आरएसएस के साथ-साथ भाजपा के ही तमाम नेताओं ने विगत लोकसभा चुनाव के दौरान 400 पार के नारे के समर्थन में संविधान बदलने की बात को स्वीकार किया। राजस्थान की उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी, कर्नाटक के छह बार के भाजपा सांसद आनंद हेगड़े, फैजाबाद के लोकसभा प्रत्याशी लल्लू सिंह, तेलंगाना के भाजपा सांसद अरविंद धर्मपुरी, नागौर के प्रत्याशी ज्योति मिर्धा सहित अनेको भाजपा नेताओं ने संविधान बदलने के भाजपा के षड्यंत्र को उजागर किया। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि आज देश के भीतर जो हालात हैं जो असमानता दिनों दिन बढ़ रही है, जो अमीरी और गरीबों के बीच की खाई चौड़ी होते जा रही है, महंगाई, बेरोजगारी, भुखमरी बढ़ती जा रही है, देश के संसाधन सार्वजनिक उपक्रम पूंजीपति मित्रों को सौंपे जा रहे हैं, संसाधनों का केंद्रीकरण किया जा रहा है, सत्ता के संरक्षण में निवेशकों के साथ ठगी हो रही है, क्या यह संविधान की मूल भावना की विपरीत नहीं है? केंद्रीय जांच एजेंसियों का दुरुपयोग विपक्ष के नेताओं को डराने के लिए किया जा रहा है। 2014 के बाद से ईडी, आईटी, सीबीआई की कार्रवाई में 95 प्रतिशत विपक्ष के नेताओं को लक्ष्य करके किया जा रहा है और जो नेता भाजपा में शामिल हो रहे हैं उनके खिलाफ जांच की प्रक्रिया रोक दी जा रही है। कई मामलों में तो जांच एजेंसी क्लोजर रिपोर्ट दाखिल करके मामले वापस ले रहे हैं, महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक चौहान, पूर्व उड्डयन मंत्री प्रहलाद पटेल, छगन भुजबल, हेमंत बिसवा सरमा, मुकुल राय, सुवेंदु अधिकारी, रेडी ब्रदर्स, येदुरप्पा, एकनाथ शिंदे, नारायण राणे जैसे कई उदाहरण हैं।

सीएमवाईके प्रिंटेक लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक भोजराम पटेल द्वारा आसमा पब्लिसर्स इण्डिया प्रायवेट लिमिटेड पीएनबी के सामने जयस्तंभ चौक रायपुर, छत्तीसगढ़ से मुद्रित तथा श्री बालाजी हॉस्पिटल कैम्पस (मोवा) रायपुर, छत्तीसगढ़ - 492001 से प्रकाशित संपादक-अच्युतानन्द द्विवेदी* समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार, डाक पंजीयन नं. छ.ग./रायपुर संभाग/97/2024-26, दूरभाष नंबर 0771-2972403